RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 66
फरीदाबाद, सोमवार, 12 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित
पायनियर
ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

मौसमी तकलीफों को दें मात
पेज - 12

बॉलीवुड के पर्दे पर दिखेगा हरियाणा से शुरू हुआ 'पीरियड चार्ट'

मासिक धर्म को छुपाने की बजाए अब खुलकर चर्चा करने लगी हैं महिलाएं, मुस्लिम बाहुल्य मेवात से शुरू हुआ अभियान बना जन आंदोलन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

एक समय था जब हरियाणा की महिलाएं मासिक धर्म को न केवल छिपाती थी, बल्कि पीरियड के दिनों में वह अपने घर और आसपड़ोस से कटी रहती थी। ग्रामीण अंचल की महिलाओं के लिए वह चार दिन शरीरिक पीड़ा की बजाए मानसिक यातना वाले अधिक रहते थे, लेकिन अब महिलाएं न केवल इस विषय पर बात करने लगी हैं बल्कि घरों में कैलेंडर (पीरियड चार्ट) लगाकर यह संदेश दे रही हैं कि मासिक धर्म महिलाओं के जीवन का एक हिस्सा है। इस बदलाव की शुरुआत हरियाणा में आर्थिक और बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में बेहद पिछड़े मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र मेवात से हुई है। महिलाओं के इस क्रांतिकारी बदलाव पर अब ओटीटी प्लेटफार्म के माध्यम से 'पीरियड चार्ट' नामक एक लघु फिल्म बनने जा रही है।

यह फिल्म बनाने का ऐलान दीया ओर बाती, चाणक्य और जय-जय बजरंगबली फेम निर्देशक मोहम्द तौफीक ने किया। हरियाणा की महिलाओं में क्रांतिकारी बदलाव करने वाले एवं सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन के निदेशक एवं 'पीरियड चार्ट' अभियान के संस्थापक सुनील जागलान के अनुसार हमारे समाज में आज भी संयुक्त और एकल परिवारों में महिलाओं के मासिक धर्म को लेकर चर्चा नहीं की जाती। एक तरफ लोग चांद पर प्लाट खरीद रहे है वहीं मासिक धर्म के दौरान महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार होता है। जागलान ने बताया कि सेल्फी विद डॉटर अभियान के दौरान मेवात में काम करते समय उन्होंने महिलाओं की इस स्थिति को करीब से देखा तो मेवात से ही बदलाव की शुरुआत करने का फैसला लिया। इस मुहिम को फिरोजपुर झिरका की निशात रुन, नूह की पूजा और अंजुम, दिल्ली की मुबशशिरा और गन्नौर की गुलशफ्फा ने अपने घर से शुरू किया और जनांदोलन का रूप दिया। पिछले 6 महीनों से देश-विदेश में अपनी छाप छोड़ चुके पिरियड चार्ट अभियान पर मुंबई की फिल्म नगरी भी अपना विश्वास दिखाने जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय पीरियड दिवस के अवसर पर होगी प्रदर्शित

नवंबर 2020 में महिलाओं की माहवारी के दिनों को सुलभ बनाने के लिए व पीरियड मुद्दे पर बातचीत करने को आसान बनाने के लिए शुरू किए गए 'पीरियड चार्ट' अभियान पर फिल्म बन रही है। जिसका ओटीटी प्लेटफार्म पर 28 मई को अंतरराष्ट्रीय पीरियड दिवस के अवसर पर प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह लघु फिल्म इस अभियान के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसमे इस अभियान को लेकर उनका विशेष साक्षात्कार भी दिखाया जाएगा। पीरियड चार्ट के निदेशक मोहम्द तौफीक ने बताया कि उन्हें इस अभियान के बारे में सोशल मीडिया से पता चला। यह अपने आप में एक अनोखा और प्रेरणादायक अभियान है, जो समाज को नई दिशा देने के साथ बदलाव भी लाएगा। इसीलिए इस अभियान को लेकर फिल्म बनाई जा रही है।

क्या है 'पीरियड' चार्ट अभियान

मेवात से इस अभियान को शुरू करने वाले सुनील जागलान बताते हैं कि महिलाओं की पिरियड की डेट को चार्ट पर लिखा जाता है और घर में ऐसी जगह लगाया जाता है जिसे सब देख सकें और घर के सभी सदस्य घर की लड़कियों और महिलाओं के प्रति अपना नजरिया बदलने की बजाय सहजता से ले और उनका सहयोग करे।

जागलान पर बनी फिल्म को मिल चुके हैं पुरस्कार: सेल्फी विद डॉटर के संस्थापक सुनील जागलान पर बनी फिल्म सनराईज को तत्कालीन राष्ट्रपति ने बेस्ट डॉक्यूमेंटरी का स्वर्ण कमल का अवार्ड दिया। इसके अलावा इटली की बारबरा क्यूपतिसी द्वारा बनाई गई वूमनिटी को फ्रांस फिल्म फेस्टिवल में अवार्ड दिया जा चुका है।

उत्तराखंड नहीं जा सकेंगी हरियाणा रोडवेज की बसें

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

बढ़ते कोरोना केसों पर उत्तराखंड सरकार ने लगाई रोक

लगातार बढ़ रहे कोरोना केसों को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने हरियाणा से जाने वाली बसों की एंट्री पर रोक लगा दी है। उत्तराखंड सरकार के फैसले के बाद हरियाणा सरकार ने सभी रोडवेज महाप्रबंधकों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

पिछले साल कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन में हरियाणा रोडवेज ने पड़ोसी राज्यों में जाने वाली बसों को बंद कर दिया था। हालात सामान्य होने के बाद दिसंबर माह में बसों का संचालन दोबारा शुरू किया गया। हरियाणा रोडवेज की बसें देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश आदि शहरों में नियमित रूप से चलती है। चंडीगढ़ समेत हरियाणा के विभिन्न जिलों से सर्वाधिक बसें देहरादून के लिए चलती हैं। उत्तराखंड सरकार ने अपने राज्य की सीमा में बाहरी राज्यों की बसों का प्रवेश बंद कर दिया है। जिसके चलते हरियाणा की बसें अब देहरादून नहीं जाएंगी। ट्रायल के तौर पर सोमवार को कुछेक बसों को उत्तराखंड के प्रवेश तक भेजकर देखा जाएगा। यात्रियों के प्रोत्साहन के बाद इस संबंध में अगला फैसला लिया जाएगा।

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 39.03°C
न्यूनतम 23.02°C

आज का मैच IPL
राजस्थान रॉयल्स vs पंजाब किंग्स

क्विक न्यूज

जम्मू में घाटी को दहलाने वाले 12 आतंकवादी ढेर

जम्मू। 72 घंटों के भीतर चार अलग-अलग मुठभेड़ों में 12 आतंकी मारे गए हैं। मारे गए आतंकी अंसार गजवा-तुल-हिंद (एजीयूएच), अल-बद्र और लश्कर-ए-तैयबा के थे, जिसमें लश्कर/टीआरएफ के मारे गए आतंकी स्थानीय थे। जोकि 9 अप्रैल को अनंतनाग के बिजबिहाड़ा में टेरिटोरियल आर्मी की हत्या में शामिल थे। ये आतंकी लंबे समय से सक्रिय थे और कई मामलों में वांछित थे। वहीं त्राल और शोपियां में सात आतंकियों के खात्मे के साथ अंसार गजवा-तुल-हिंद पूरी तरह से समाप्त हो गया है। शोपियां के हाटीपोरा में अल बद्र के तीन आतंकी मारे गए।

सात प्रदेशों से हिमाचल के लिए कोरोना रिपोर्ट जरूरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने उन सात राज्यों से आने वाले लोगों के लिए कोविड-19 की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य कर दिया है, जहां कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए 16 अप्रैल से हिमाचल प्रदेश आने पर आरटी-पीसीआर नेगेटिव रिपोर्ट लाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह रिपोर्ट 72 घंटे से पहले की नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

नक्सलियों ने निर्माण में लगी मशीनों में लगाई आग

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक जल शोधन संयंत्र के निर्माण में लगी चार मशीनों और एक वाहन में नक्सलियों ने रविवार को आग लगा दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

बंगाल की सियासत : कूचबिहार हिंसा पर भाजपा-टीएमसी आमने-सामने

ममता मौत पर भी तुष्टिकरण करती हैं : शाह

एजेंसी। कोलकाता

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल के शांतिपुर में एक रोड शो का आयोजन किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तुष्टिकरण और वोट की राजनीति करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि कूचबिहार के सीतलकुची में चार लोगों की मौत के लिए दीदी का भाषण जिम्मेदार है। शाह ने कहा कि कुछ दिन पहले सीतलकुची सीट पर ममता दीदी ने भाषण दिया था कि कोई भी सेंट्रल फोर्स आए तो उन्हें घेर लो और उन पर हमला करो। मैं ममता दीदी से पूछना चाहता हूं कि क्या आपका वो भाषण उन चार लोगों की मौत का जिम्मेदार नहीं है?

गृहमंत्री शाह ने कहा कि जिस प्रकार से इस घटना का राजनीतिकरण किया जा रहा है ये बहुत दुखद है। मैंने ममता दीदी के बयान सुने हैं, उसी बूथ पर सुबह आनंद बर्मन की गुंडों द्वारा हत्या कर दी गई, ताकि वहां पर मतदान न हो और सीआईएसएफ के हथियार लूटने की कोशिश की। यही नहीं शाह ने आगे कहा कि ममता दीदी सिर्फ चार लोगों को श्रद्धांजलि देती हैं, उनको आनंद बर्मन की मौत की नहीं पड़ी है। मृत्य में भी तुष्टिकरण और वोट की राजनीति करना, ममता दीदी ने बंगाल की राजनीति को कितना नीचे गिराया है, ये इसका एक उदाहरण है। वहीं अमित शाह ने बंगाल के बशीरहाट दक्षिण में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दीदी बौखलाई हुई हैं और हर दिन ये ही बात करती हैं कि अमित शाह इस्तीफा दें। दीदी जब जनता मुझे कहेगी तब मैं इस्तीफा दे दूंगा, मगर आप इस्तीफा तैयार रखो दो मई को आपको इस्तीफा जरूर देना पड़ेगा।

सीतलकुची में चार लोगों की मौत के लिए दीदी का भाषण जिम्मेदार

ईसी का नाम 'मोदी कोड ऑफ कंडक्ट' : ममता

एजेंसी। कोलकाता

कूचबिहार में शनिवार को हुई हिंसा के बाद चुनाव आयोग द्वारा वहां जाने पर लगाई रोक के बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भड़क गईं। ममता ने आयोग पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव आयोग को अपना नाम बदलकर 'मोदी कोड ऑफ कंडक्ट' (एमसीसी) रख लेना चाहिए। वैसे ममता 14 अप्रैल को कूचबिहार जाएंगी। बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्हें पीड़ित परिवारों से मिलने से रोका गया है। ममता बनर्जी ने रविवार को ट्वीट भी किया कि चुनाव आयोग (ईसी) को अपना नाम बदलकर एमसीसी (मोदी कोड ऑफ कंडक्ट) रख लेना चाहिए।

ममता ने आगे लिखा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी पूरी ताकत झोंक दे, लेकिन मुझे अपने लोगों का दर्द साझा करने से इस दुनिया में कोई नहीं रोक सकता है। ममता ने कहा कि मुझे कूच बिहार में तीन दिनों के लिए अपने भाइयों और बहनों से मिलने से रोक सकते हैं, लेकिन मैं चौथे दिन वहां पहुंचुगीं। मैं 14 अप्रैल को पीड़ित परिवारों से मिलूंगी, मुझे कोई नहीं रोक पाएगा। ममता बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में कहा कि मैं बंगाल की रॉयल टाइगर हूं। भाजपा पर हमला बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वो जानते हैं कि चार चरणों के चुनाव में उन्हें हार मिली है, इसलिए वो बंदूकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ममता ने कहा कि हम इन बंदूक की गोलियों का बदला बैलेट से लेंगे। बता दें कि बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को हुए चौथे चरण के मतदान के दौरान कूचबिहार के सितालकुची में फायरिंग हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने क्षेत्र में 72 घंटे तक किसी भी नेता के प्रवेश पर रोक लगा दी थी।

मुझे अपने लोगों का दर्द साझा करने से दुनिया में कोई नहीं रोक सकता

संबंधित खबर पेज-09

मुख्यमंत्री खट्टर को बदौली गांव में घुसने नहीं देंगे : टिकैत

नई दिल्ली। किसान नेता राकेश टिकैत ने रविवार को कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा सीएम मनोहर लाल खट्टर को 14 अप्रैल को एक कार्यक्रम के लिए बदौली गांव में घुसने नहीं देगा। टिकैत ने सिंघू बॉर्डर पर मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि खट्टर भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करने की आड़ में इलाके में सौहार्द बिगाड़ने आ रहे हैं। उन्होंने कहा, हम बाबा साहेब की प्रतिमा के खिलाफ नहीं हैं, हम खट्टर के खिलाफ हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने फैसला किया है कि जब तक हमारा प्रदर्शन जारी है, हम मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के खिलाफ हैं।

बोर्ड परीक्षाएं कराने के निर्णय पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि चार मई से सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं कराने के निर्णय पर कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुनर्विचार किया जाना चाहिए। गांधी ने एक ट्वीट में कहा, कोरोना की दूसरी विनाशकारी लहर के मद्देनजर, सीबीएसई की परीक्षा कराने पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। कोई भी फैसला लेने से पहले सभी पक्षकारों से सलाह-मशविरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत सरकार कितनी बार भारत के युवाओं के भविष्य के साथ खेलना चाहती है?

रेमडेसिविर किल्लत के बाद सरकार ने निर्यात पर रोक लगाई

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना मरीजों को दिए जाने वाले इंजेक्शन रेमडेसिविर के निर्यात पर केंद्र सरकार ने रविवार को रोक लगा दी है। इसे बनाने में इस्तेमाल होने वाली चीजों का भी निर्यात नहीं हो सकेगा। संक्रमण के मामले अचानक बढ़ने से देशभर में इस इंजेक्शन की कमी हो गई है। आने वाले दिनों में मांग और बढ़ने की संभावना को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है।

यह इंजेक्शन बनाने वाली सभी घरेलू कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर स्टॉकिस्ट और डिस्ट्रीब्यूटर्स के नाम डिस्प्ले करने की सलाह दी गई है। ड्रग्स इंस्पेक्टर और दूसरे अधिकारियों को स्टॉक का वैरिफिकेशन करने और ब्लैक मार्केटिंग रोकने के निर्देश दिए गए हैं। डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल्स कंपनियों के साथ संपर्क में है, ताकि रेमडेसिविर के प्रोडक्शन को बढ़ाया जा सके। कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र देश का पहला राज्य हो गया है, जहां वैक्सीन के एक करोड़ डोज लगाए जा चुके हैं। भारत में अब तक 10 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन लगाई जा चुकी हैं। दूसरे देशों के मुकाबले भारत को ऐसा करने में 85 दिन लगे, हालांकि इतने वक्त में अमेरिका में 9.2 करोड़ और चीन में 6.14 करोड़ टीके लगे थे। हेल्थ मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की मिली-जुली कोशिशों के कारण भारत में डेथ रेट दुनिया में सबसे कम (1.28 फीसद) है।

ड्रग इंस्पेक्टरों को ब्लैक मार्केटिंग रोकने के आदेश

दिल्ली में भी हालात बिगड़े: महाराष्ट्र के बाद अब दिल्ली में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पिछले 10-15 दिनों में कोरोना बहुत तेजी से बढ़ा है, यहां कोरोना की चौथी लहर है। पिछले 24 घंटे में 10,732 केस आए हैं, स्थिति बहुत चिंताजनक है। हम लॉकडाउन नहीं लगाना चाहते हैं, लेकिन शनिवार को सरकार ने मजबूरी में कुछ पाबंदियों के आदेश दिए हैं।

एक से 12वीं तक के स्कूल 30 तक बंद

लखनऊ। यूपी में हर रोज रिकॉर्ड संख्या में बढ़ रहे कोरोना मरीजों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने कक्षा एक से 12वीं तक के सभी स्कूल 30 अप्रैल तक के लिए बंद करने की घोषणा की है। हालांकि, जिन स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं वहां परीक्षाएं चलती रहेंगी। इस संबंध में प्रदेश के मुख्य सचिव आरके तिवारी ने आदेश जारी किए हैं। इस दौरान कोचिंग संस्थान भी बंद रहेंगे। ये आदेश रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टीम 11 के साथ हुई समीक्षा बैठक के बाद जारी किया गया। गुजरात सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए राज्य के सभी सरकारी और निजी कॉलेजों में 30 अप्रैल तक ऑफलाइन कक्षाएं बंद करने के आदेश दिए हैं। मध्यप्रदेश के होशंगाबाद में कोरोना संक्रमण के चलते इस बार भी सोमवती अमावस्या पर सेठानीघाट सहित सभी घाटों पर नर्मदा स्नान पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। 12 अप्रैल को सोमवती अमावस्या के साथ 13 अप्रैल को नवरात्र शुरू होंगे।

प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत फिर शुरू करें : विज

चंडीगढ़। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ बातचीत फिर शुरू करें, क्योंकि कोरोना संक्रमण का खतरा लगातार मंडरा रहा है। देशभर में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी और हरियाणा में भी खराब होती स्थिति का हवाला देते हुए विज ने कहा, वह दिल्ली से लगी राज्य की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के बारे में चिंतित हैं।

मंत्री ने कहा, हरियाणा में कोरोना संक्रमण की स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन हजारों प्रदर्शनकारी किसानों को लेकर चिंता बनी हुई है, जो हरियाणा की सीमा पर बैठे हैं और मुझे उनको कोरोना से बचाना है। विज ने नौ अप्रैल को लिखे अपने पत्र में कहा, एक चिंता यह भी है कि उनसे यह बीमारी पूरे राज्य में न फैल जाए। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि आंदोलन कर रहे किसान कोविड संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करने में सक्षम नहीं हैं।

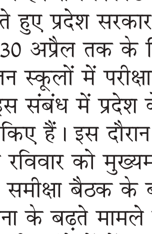

नोएडा और गुरुग्राम में सैकड़ों झुग्गियां खाक

बहलोलपुर की भीषण आग में दो बच्चों की मौत

एजेंसी। गुरुग्राम/नोएडा

हरियाणा के गुरुग्राम स्थित नाहरपुर गांव और यूपी के नोएडा में थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर-63 स्थित बहलोलपुर की झुग्गियों में रविवार दोपहर भीषण आग लग गई। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची, इसके बावजूद देर रात तक आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने से चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई है।

गुरुग्राम में लगी आग से कई सिलेंडर ब्लास्ट हुए हैं। बताया जा रहा है कि नोएडा में जहां आग लगी है, वहां करीब 12 सौ झुग्गियां हैं। आग में जलकर दो बच्चों की मौत हो गई है। दोनों को उनकी मां सुलाकर काम पर गई थी। तभी यह हादसा हुआ। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मौके पर पुलिस बल व फायर ब्रिगेड द्वारा आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। नाहरपुर इलाके में भी आग से 100 से ज्यादा झुग्गियां जलाकर स्वाह हो गई। हालांकि जानी नुकसान की कोई सूचना नहीं है। आग की इन भीषण लपटों पर दमकल विभाग की कई गाड़ियों के साथ पहुंची टीम ने करीब पौने 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आग की भयावहता का अनुमान सहज ही लग रहा है। घटना में हर झुग्गी में रखे छोटे गैस सिलेंडर ब्लास्ट हुए हैं।

विस्तृत खबर पेज-04

हरियाणा : आईटीआई में बंद होंगे वर्षों पुराने कोर्स

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा की आईटीआई में चल रहे जिन कोर्सों की मांग समाप्त हो चुकी है उन्हें अब बंद किया जाएगा। प्रदेश की आईटीआई में जहां नए कोर्स शुरू होंगे वहीं विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी नई तकनीक अपनाई जाएगी। नए कोर्स शुरू करने से पहले आईटीआई इंस्ट्रक्टरों द्वारा औद्योगिक संगठनों के साथ बैठक की जाएगी। उनकी मांग के अनुसार ही नया पाठयक्रम तैयार किया जाएगा।

हरियाणा में चल रही आईटीआई में दो दर्जन से अधिक कोर्स करवाए जाते हैं। इनमें से ज्यादातर ऐसे हैं जिनकी शुरुआत 90 के दशक में आईटीआई की स्थापना के समय में की गई थी। कई कोर्स ऐसे हैं जिनकी वर्तमान समय में मांग समाप्त हो चुकी है। सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के सभी ग्रुप इंस्ट्रक्टर या इंस्ट्रक्टर को नए कोर्सों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। नए कोर्सों का चयन स्थानीय उद्योगों की मांग के अनुरूप किया जाएगा। नए कोर्स शुरू करने से एक तरफ जहां स्थानीय उद्योगों की जरूरतें पूरी होंगी। वहीं दूसरी तरफ इससे युवाओं का रुझान भी आईटीआई की तरफ बढ़ेगा। इस तरह के कोर्स करके वे निजी क्षेत्र में अपनी पसंद के रोजगार हासिल करने में सक्षम होंगे। कम से कम दो ग्रुप इंस्ट्रक्टर या इंस्ट्रक्टर की टीम ऐसे कोर्सों के नाम और उनकी जरूरतों के बारे में एक संक्षिप्त नोट बनाकर निदेशालय में भेजेगी। कोर्स का नाम और नोट पंचकूला स्थित विभाग के मुख्यालय में संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) के नाम भेजना होगा। इसके बाद विभागीय कमेटी इन कोर्सों को उपयोगी मानती है तो संबंधित टीम को एससीवीटी की स्वीकृति के लिए विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए कहा जाएगा। ग्रुप इंस्ट्रक्टर या इंस्ट्रक्टर को इस काम के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से, उन्हें इस कार्य के लिए 50 हजार रुपये का मानेदय भी दिया जाएगा। यह मानदेय विभागीय कमेटी से एनसीवीटी के प्रारूप में हिंदी और अंग्रेजी भाषा में विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार करने की अनुमति मिलने के बाद दिया जाएगा। संबंधित टीमें यह कार्य छुट्टी के दिन या आईटीआई के कार्यालय समय के बाद करेंगी ताकि उनका नियमित कार्य प्रभावित न हो।

युवाओं का कम हो रहा आईटीआई के प्रति रूझान

हरियाणा की आईटीआई में चल रहे कई कोर्सों की डिमांड कम होने के कारण बच्चों ने दाखिला लेना ही बंद कर दिया है। पुराने कोर्स और प्रशिक्षण की पद्धति पुरानी होने के कारण युवाओं का आईटीआई के प्रति रूझान कम होता जा रहा है। आईटीआई को आधुनिक बनाने के लिए सरकार ने अब आईटीआई में उद्योगों की मांग तथा वर्तमान परिवेश को आधार बनाकर नए कोर्स शुरू करने का फैसला किया है।

जेबीटी की ट्रेनिंग को बंद कर चुकी है सरकार

हरियाणा में आईटीआई से पहले सरकार जेबीटी भी बंद कर चुकी है। वर्ष 2010 से हरियाणा में जेबीटी अध्यापकों की मांग लगभग समाप्त होती जा रही है। इसके उलट युवाओं द्वारा आसान राह अपनाते हुए जेबीटी की जा रही थी। जिसके चलते अब सरकार ने डाइट संस्थानों में होने वाले जेबीटी प्रशिक्षण पर रोक लगा दी है। नए सत्र में जेबीटी के दाखिले नहीं होंगे।

आईटीआई में कई कोर्सों की खत्म हुई मांग, इंस्ट्रक्टर निदेशालय को भेजेंगे सिफारिशें

औद्योगिक संगठनों की मांग के अनुसार बनेगा नया पाठयक्रम

वर्तमान समय में बहुत से ऐसे कोर्स चल रहे हैं जिनकी मांग एवं व्यवहारिकता समाप्त हो रही है। युवाओं का आईटीआई के प्रति रूझान बनाए रखने और उद्योगों की मांग के अनुसार नए कोर्स शुरू करना समय की जरूरत है। जिसके चलते यह प्रयास शुरू किया गया है। जल्द ही नए कोर्स शुरू करने की प्रक्रिया चालू कर दी जाएगी।

मूलचंद शर्मा, कौशल एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री, हरियाणा

Good Morning!
फरीदाबाद पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 12 अप्रैल, 2021 | बोटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

कोरोना वायरस के खिलाफ सबसे बड़ा और कारगर हथियार है मास्क : डॉ. राजीव

सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस के प्रति लगातार बरती गई लापरवाही के कारण एक बार फिर कोरोना वायरस तेजी के साथ फैलना शुरू हो गया। लेकिन हमें अपने जरूरी काम तो हर हाल में करने ही होंगे। कोरोना से बचने का सबसे बड़ा और कारगर हथियार मास्क है। क्योंकि हम मास्क का सही तरीके से इस्तेमाल करते हुए जरूरी काम भी कर सकते हैं। साथ सोशल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता का भी पूरा ख्याल रखना होगा। यह कहना है फैमिली मेडिकेयर हार्ट सेंटर के संचालक डॉ. राजीव अग्रवाल का। डॉ. अग्रवाल हृदय रोगों के प्रति जागकरूक करने के साथ समाजसेवा के कार्य भी करते हैं। *पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और डॉ. राजीव अग्रवाल की बातचीत के अंश :-*

जीवन परिचय

नाम : डॉ. राजीव अग्रवाल
जन्मदिन : सितंबर 1960
पिता : एडवोकेट किशनचंद गुप्ता
पत्नी : पारूल अग्रवाल
परिवार : बेटी डॉ. तनवी व बेटा तन्मय
स्कूल : 10 वीं - सरस्वती हाई स्कूल, पलवल
उच्चशिक्षा : एमबीबीएस, एमडी मेडिसिन, रिसर्च वर्क इन कार्डिक
रूचि : सामाजिक जागरूकता

● **सवाल : आपको डाक्टर बनने की प्रेरणा कैसे मिली।**

जवाब : उस समय फरीदाबाद और पलवल में स्वास्थ्य सुविधा के नाम सरकारी अस्पताल थे। पलवल से दिल्ली ले जाते समय अक्सर मरीजों की मौत हो जाती थी। इसलिए मैंने डाक्टर बनने का फैसला लिया था। गुरू देशभक्त आर्य हमारे स्कूल के प्रिंसीपल थे। उन्होंने मैं क्या बनना चाहता हूं, विषय पर लेख लिखने के लिए दिया था। जिसमें मैंने डाक्टर बनने की बात ही लिखी थी।

● **सवाल : आपने कॅरियर की शुरूआत कैसे की।**

जवाब : वर्ष 1989 में एमडी करने के बाद मैंने पीजीआई रोहतक में दो साल रजिस्ट्रारशिप की। फिर करीब छह महीने फरीदाबाद स्थित एस्कॉर्टस अस्पताल में काम किया।

● **सवाल : अपने क्लीनिक की शुरूआत कब और क्यों की।**

जवाब : उस समय फरीदाबाद में हृदयरोगों के चंद डाक्टर थे, लेकिन पलवल में कोई नहीं था। जिसे ध्यान में रखते हुए मैंने वर्ष 1991 में पलवल में फैमिली मेडिकेयर हार्ट सेंटर की शुरूआत की। उस समय में हृदय संबंधि रोगों के इलाज के लिए अत्याधुनिक मशीने और आईसीयू की सुविधा लोगों को उपलब्ध कराई थी।

● **सवाल : वर्तमान में युवा भी हृदयरोगों का शिकार क्यों हो रहे हैं।**

जवाब : धूम्रपान, खानपान, जीवनशैली में बदलाव और शारीरिक श्रम न करने से लोग बीपी, शुगर और हृदय रोगों का शिकार हो रहे हैं।

● **सवाल : हृदयरोगों से बचने के हमें क्या करना चाहिए।**

जवाब : धूम्रपान हृदय रोगों के लिए काफी हद तक जिम्मेदार है। इसलिए हमें धूम्रपान से परहेज करना चाहिए। संतुलित एवं पौष्टिक भोजन खाना चाहिए। साथ ही नियमित रूप से व्यायाम अथवा योगा करना चाहिए।

● **सवाल : समाजसेवा की तरफ आपकी कैसे रुचि बढ़ी।**

जवाब : समाजसेवा की प्रेरणा हमें गुरू देशभक्त आर्य से मिली। वे आरएसएस के साथ जुड़कर समाजसेवा के कार्य करते थे। उनसे प्रेरणा लेकर हम भी समाज के लिए काम करने लगे। टिहरी गढ़वाल, गुजरात, लातुर में आपदा आने पर हम ट्रकों पर राहत सामाग्री भरकर वहां पहुंच गए थे।

● **सवाल : आप किन संस्थाओं के साथ मिलकर सामाजिक कार्य करते हैं।**

जवाब : समाज के हित में हमने जनस्वास्थ्य एवं शिक्षा समिति का गठन किया था। यह संस्था आईएमए व अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म, कॉपी किताबें बांटने का काम करती है। हम कोरोनाकाल से पहले तक एक हजार शूगर जांच शिविर लगा चुके हैं। समय समय पर बड़े अस्पतालों के डाक्टरों की मदद से नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाते हैं।

● **सवाल : लॉकडाउन में जरूरतमंदों की कैसे मदद की।**

जवाब : हमने सैनिटाइजर और मास्क बनवाकर लोगों को नि:शुल्क वितरित किए। पलायन कर रहे मजदूरों के लिए भोजन की व्यवस्था की।

● **सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर लगा था।**

जवाब : लॉकडाउन तो ठीक समय पर लगा था। सरकार जनता को बैकअप नहीं दे पाई। जिससे मजदूरों ने पलायन शुरू कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

टूरिज्म कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी हुई गठित

फरीदाबाद। हरियाणा टूरिज्म कर्मचारी संघ सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का 12वां त्रिवार्षिक राज्य सम्मेलन अग्रवाल धर्मशाला बल्लभगढ़ में सम्पन्न हुआ। सर्व कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष व अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के सुभाष लाम्बा व नगर निगम के राज्य प्रधान नरेश शास्त्री ने विधिवत रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। लाम्बा ने कर्मचारियों की समस्याओं और किसान मजदूर विरोधी नीतियों पर प्रकाश डाला। निजीकरण, पीपीपी, ठेकेदारी आदि की खिलाफत की। सरकार बड़ी तेजी से कर्मचारियों की छटनी व जबरन रिटायरमेंट की नीतियों को लागू करना चाहती है। इस सम्मेलन में इन नीतियों ख़िलाफ़ आंदोलन करने पर जोर दिया। सम्मेलन में चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में रोडवेज के शीर्ष नेता रामआसरे यादव व एसकेएस के पूर्व ऑडिटर श्रीपाल भाटी ने हिस्सा लिया और 27 सदस्य नई राज्य कमेटी का गठन सर्व सम्मति से किया गया। जिसमें मित्रपाल राणा को चेयरमैन, प्रधान को सुरेश नोहरा, युद्धवीर सिंह खत्री वरिष्ठ उपप्रधान, सुभाष देशवाल महासचिव, सुरेश पुनिया कोषाध्यक्ष, राजवीर गिरी उपमहासचिव, दिगम्बर सिंह उप प्रधान, देवेंद्र नंबरदार, जोगिन्द्र दलाल, मुरारीलाल, बलजीत मोर ऑडिटर, टीकाराम शर्मा प्रेस सचिव, लच्छीराम संगठन सचिव, विरेंदर शर्मा सचिव, जयलाल जगता, सतपाल, राजपाल वर्मा, जगमेंद्र, कश्मीर सिंह सदस्य, रघुवीर सिंह, सुभाष ग्रेवाल, जानमोहमद, अशोक कुमार, मामराज, महावीर, सुनील कुमार, सुभाष बिधुरी को शामिल किया गया।

डेके नाइट वोर्रीयर्स ने पांच विकट से जीता मैच

फरीदाबाद। 19वें रविंद्र फागना मिक्स कॉरपोरेट क्रिकेट लीग (ओपनिग मैच) में डेके नाइट वोर्रीयर्स ने रॉयल स्ट्राइकर टीम को 5 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। इस मौके पर बीसीसीआई कोच धर्मेन्द्र फागना ने बताया कि यह मैच 20-20 ओवर का था। ये मैच डे के नाइट वोर्रीयर्स ओर रॉयल स्ट्राइकर के साथ खेला गया। रॉयल स्ट्राइकर ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय किया। टीम की ओर से बल्लेबाज़ी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 165 रन बनाए। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए आजम खान ने 73 रन, सक्शम श्रीवास्तव ने 58 रन और अमनदीप भार्गव ने 9 रन बनाए। डेके नाइट वोर्रीयर्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए छवि ने 2 विकेट, देबु कपासिया, दिनेश सोरूट, नरेश फागना ओर सन्नी भड़ाना ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए डेके नाइट वोर्रीयर्स की टीम ने 18.5 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए नरेश फागना ने 68 रन, सन्नी भड़ाना ने 54 रन और करतार भड़ाना ने 18 रन बनाए। रॉयल स्ट्राइकर की ओर से गेंदबाजी करते हुए अमनदीप भार्गव ने 2 विकेट, ललित वशिष्ठ, आकाश राणा और निखिल दिवाकर ने 1-1 विकेट लिए। मैन आफ़ दा मैच (नरेश फागना)डे के नाइट वोर्रीयर्स और फ़ाईटर ऑफ़ दा मैच आज़म खान (रॉयल स्ट्राइकर) को दिया गया।

रॉयल स्ट्राइकर ने तीन विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। 19 वें रविंद्र फागना मिक्स कॉरपोरेट क्रिकेट लीग मैच में रॉयल स्ट्राइकर ने अरावली वोर्रीयर्स टीम को 3 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी सिथत मैदान पर खेला गया। बीसीसीआई कोच धर्मेन्द्र फागना ने बताया कि यह मैच 20-20 ओवर का था। अरावली वोर्रीयर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय किया। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 19.3 ओवर में 10 विकेट पर 143 रन बनाए। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए करन सिंह ने 76 रन, हरीश भड़ाना ने 18 रन और गौरव ने 12 रन बनाए। रॉयल स्ट्राइकर की ओर से गेंदबाजी करते हुए ललित वशिष्ठ ने 4 विकेट, अमनदीप भार्गव ने 2 विकेट, निखिल दिवाकर, वैभव और नितिन शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल स्ट्राइकर की टीम ने 18.3 ओवर में 7 विकेट पर 147 रन बनाते हुए जीत हासिल की। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए आशीष शर्मा ने 69 रन, सफिक खान और निखिल दिवाकर ने 18-18 रन ओर आजम खान ने 16 रन बनाए। अरावली वोर्रीयर्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए सचिन ओर अजय अज्जु ने 2-2 विकेट, करतार, करन सिंह और हरीश भड़ाना ने 1-1 विकेट लिए। मैन ओफ़ दा मैच (आशीष शर्मा) रॉयल स्ट्राइकर को और फाइटर ऑफ दा मैच करन सिंह(अरावली वोर्रीयर्स) को दिया गया।

शहर का तापमान
- अधिकतम 38.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 23.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज
- टीका उत्सव के दूसरे दिन विभिन्न स्थानों पर लगेंगे शिविर: सुबह 10 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच व ओपीडी शुरू: सुबह 9 बजे शुरू
- सेक्टर-12 में पीटीआई और किसानों का धरना: सुबह 10 बजे स्वास्थ्य कर्मियों का ठेकेदार के खिलाफ प्रदर्शन: सुबह 11 बजे

निवेश गुरु

जोखिम बढ़ने और कोविड-19 महामारी के बीच अनिश्चितता के चलते निवेशकों का सोने के सुरक्षित निवेश की ओर आकर्षण बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में निवेशकों ने 6,900 करोड़ रुपये डाले। यह लगातार दूसरा वित्त वर्ष रहा जबकि गोल्ड ईटीएफ में निवेश हुआ है। वहीं इससे पहले 2013-14 से गोल्ड ईटीएफ से लगातार निकासी देखने को मिली थी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

यूटीलिटी न्यूज

बिजली के बिल को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी

फरीदाबाद। जिले में आए मुख्यमंत्री से उपभोक्ताओं को यह आशा थी कि वे सभी जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में अग्रिम सिक्योरिटी के नाम से मांगी जा रही राशि पर रोक लगाकर आम जनता को राहत पहुंचाएंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा ना करके उल्टा वसूली जा रही इस राशि के उद्देश्य को सही ठहरा कर उपभोक्ताओं साथ न्याय नहीं किया है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा व सेव फरीदाबाद के संयोजक पारस भारद्वाज ने कहा है कि एक तो बिजली विभाग पहले ही एक महीने की जगह दो महीने की रीडिंग के हिसाब से बिल भेज कर आम जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है और अब अग्रिम सिक्योरिटी के नाम पर यह अलग से आर्थिक बोझ डालकर ईमानदार उपभोक्ताओं के साथ लूट व मनमानी की जा रही है।

क्विक न्यूज

रिटायर अध्यापक काट रहे चक्कर

फरीदाबाद। रिटायर हुई शशि बाला इन दिनों मानसिक रूप से परेशान हैं। वह मेहतरू डेरा के प्राइमरी स्कूल से 31 दिसंबर 2020 को रिटायर हुई थी। उनका कहना है कि वह अपना अर्जित अवकाश और यात्रा भत्ता लेने के लिए गांव लकड़पुर के सीनियर सेकंडरी स्कूल और जिला शिक्षा विभाग के बाबुओं के बीच चक्कर लगा रही हैं। उन्होंने बताया कि जीपीएफ की राशि 1 जनवरी 2021 को मिली जानी चाहिए थी, लेकिन 42 दिन बाद मिली, पर उसका ब्याज नहीं दिया गया। एलटीसी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से मंजूर होकर प्रिंसीपल को भेज दी गई, लेकिन एलटीसी की राशि नहीं मिली है। सर्विस बुक नौ जनवरी 2021 को चंडीगढ से स्कूल में आ गई थी, लेकिन वह भी नहीं मिली। बताया गया कि सर्विस बुक नहीं आई है, कहा जाने लगा कि सर्विस बुक जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में है।

लापरवाही : पानी को शहर में हाहाकार फिर भी हो रहा है दुरुपयोग

चार मंजिला मकानों की अनुमति तो दी पर संसाधान न बढ़ाने से बनी समस्या

राजेश दास। फरीदाबाद

गर्मी का मौसम शुरू होते ही शहर भर में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। कई स्थानों पर तो पानी के अभाव में हा हाकार मचा हुआ है। चाहे शहर की मान्यता प्राप्त कालोनी हो या अवैध कालोनी, हर जगह पानी की समस्या बनी हुई है। पानी की किल्लत से पॉश इलाके भी अछूते नहीं हैं।

पानी की किल्लत के लिए काफी हद तक सरकार और प्रशासन ही कहीं कहीं जिम्मेदार है। सरकार ने शहर में चार मंजिला मकान बनाने की अनुमति तो दे दी। लेकिन संसाधन बढ़ाने की कोई जरूरत महसूस नहीं की। जिससे पानी की खपत भी चार गुणा बढ़ गई है। लेकिन पानी की लाइनें और अन्य साधन वही पुराने हैं। इसी तरह पार्को की सिंचाई भी नगर निगम द्वारा पेयजल से की जा रही है। जबकि पार्को की सिंचाई के लिए एसटीपी का पानी इस्तेमाल करना होता है। वहीं शहर में जगह जगह बिल्डिंग मैटेरियल का व्यवसाय चलाने वाले लोग हर रोज छिड़काव करने में हजारों लीटर पानी व्यर्थ कर रहे हैं। कारों और वाहनों की सर्विस करने वाले लोग भी पानी का दुरूपयोग करने में किसी से पीछे नहीं है। लेकिन नगर निगम के अधिकारियों का इस ओर जरा भी ध्यान नहीं है।

पानी का हो रहा दुरुपयोग

पानी की भारी किल्लत के बावजूद शहर में पानी का जमकर दुरूपयोग हो रहा है। पानी का दुरूपयोग करने में नगर निगम भी किसी से पीछे नहीं हैं। नगर निगम ने ज्यादातर पार्को के रख रखाव की जिम्मेदारी संबंधित आरडब्ल्युए को दी हुई है। इन पार्को में भूजल अथवा नगर निगम की सप्लाई के पानी से सिंचाई की जाती है। जबकि नियमों के मुताबिक पार्को की सिंचाई पेयजल की जगह एसटीपी के पानी से करनी होती है। पार्को में सिंचाई के लिए लगे ज्यादातर नालों की टोंटी गायब रहती है। जिसके कारण पानी घंटों फिजुल में बहता रहता है। इसी तरह शहर में सैंकड़ों की संख्या में लोग जगह जगह बिल्डिंग मैटेरियल सप्लाई का बिजनेस चला रहे हैं। इन दुकानों में मैटेरियल पर हजारों लीटर पेयजल से पानी का छिड़काव किया जाता है। इसी तरह शहर भर में जगह जगह सैंकड़ों की संख्या में वाहनों की धुलाई के लिए सर्विस सेंटर खुले हुए हैं। जहां हजारों लीटर पानी रोज नष्ट किया जाता है। लेकिन नगर निगम इन पर लगाम लगाने की जरूरत ही महसूस नहीं करता।

जिम्मेदारी तय नहीं

आरटीआई कार्यकर्ता रविंद्र चावला का कहना है कि पानी की किल्लत के लिए नगर निगम के अधिकारी सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। चार मंजिला फ्लैटों में अवैध कनेक्शनों से आमदनी नहीं हो रही। दूसरी तरफ अधिकारी अपनी जिम्मेदारी न समझते हुए एक दूसरे को आदेश देकर कर्तव्य पूरा कर लेते है। जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी तब तक स्थिति में सुधार आना मुश्किल है।

रैनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

अरावली के साथ छेड़छाड, भूजल रिचार्ज न होने और माफियाओं द्वारा लगातार किए जा रहे पानी के दोहन की वजह से फरीदाबाद जिला डार्क जोन में शामिल हो चुका है। यदि यहीं स्थिति रही तो आने वाले समय में शहर के लोग पानी के लिए तरस जाएंगे। आरएमसी सड़कों के निर्माण और अन्य कई कारणों से बरसात का पानी जमीन में रिचार्ज नहीं हो पाता। जिसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम जेएनएनयूआरएम परियोजना के तहत शहर में 190 रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए थे। इनमें से ज्यादातर सिस्टम गलत तरीके से बनाए गए हैं। जिससे पानी जमीन में नहीं जा पाता। जिसके कारण ज्यादा रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टमों की हालत खराब हो चुकी है। हर साल बरसातों से पहले इन्हें दुरूस्त करने के दावें तो किए जाते हैं पर बाद में ध्यान नहीं दिया जाता। इस बार भी नगर निगम आयुक्त यशपाल यादव ने शहर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए शहर के सभी रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टमों को दुरूस्त करने के आदेश दिए है। लेकिन देखना यह है कि निगमायुक्त आदेश पर अधिकारी इन्हें दुरूस्त करना शुरू करवाते हैं या फिर पहले की तरह उन्हें उसी तरह छोड़ देते हैं।

संसाधन बढ़ाने पर ध्यान नहीं

परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़ने की बात सामने आने पर सरकार ने पिछले दिनों शहर में चार मंजिल तक के मकान बनाने की अनुमति दी है। इससे पहले शहर में ढाई मंजिला मकान बनाने की अनुमति थी। सरकार की इस छूट का लोगों ने जमकर दुरूपयोग करना शुरू कर दिया है। इस छूट की आड़ में लोगों ने शहर में चार से छह मंजिल तक के फ्लैट बनाकर बेचने शुरू कर दिए। हालांकि यह गौरखधंधा पहले भी चल रहा था। लेकिन अब इसमें तेजी आ गई है। इन प्लॉटों में पानी का वहीं पुराना कनेक्शन है। फ्लैट बनने के बाद तीन चार अवैध कनेक्शन और इन फ्लैटों में लग गए। जिससे पानी की खपत चार गुणा बढ़ गई। लेकिन पानी की खपत बढ़ने के बावजूद सरकार की तरफ से संसाधन बढ़ाने के कोई प्रयास नहीं किए गए। शहर में वहीं पानी की पुरानी पाइप लाइनें डली हुई है। इसके अलावा पानी के संसाधन भी वहीं पुराने हैं। जिसके कारण शहर में पानी की समस्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। गर्मियों के अलावा सर्दी में भी पानी की समस्या बनी रहती है।

'हेल्थ अवेयरनेस सेशन' से दिया फिट रहने का सन्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल ने सेक्टर-7 स्थित शास्त्री पार्क में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से हेल्थ अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया। इस सेशन में लगभग 200 लोगों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर लोगों की ईसीजी, ब्लड प्रेशर एवं रैंडम ब्लड शुगर की नि:शुल्क जांच की गई।

इस दौरान क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल से किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनालिका अग्रवाल, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित चावला ने लोगों को किडनी, हड्डी एवं जोड़ रोग पर बिना किसी शुल्क के परामर्श दिया। वहीं फिजियोथेरेपी विभाग के एचओडी एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. कपिल चौहान ने लोगों को फिटनेस एवं व्यायाम संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साँझा की। इस दौरान रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट आरएस मावी, सीनियर वाईस प्रेसिडेंट प्रकाश वीर नगर के अलावा एसोसिएशन के अन्य लोग भी उपस्थित रहे। इस दौरान क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल के विशेषज्ञों ने कहा कि किडनी को स्वस्थ रखने के लिए ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखें। नमक का सेवन कम करें।

दिन में 4-5 बार आधे घंटे के लिए चिकित्सक द्वारा बताई गई व्यायाम करें, तनाव कम लें और शराब एवं धूम्रपान के सेवन से बचें। हड्डी एवं जोड़ रोगों से बचने के लिए शरीर के वजन को बढ़ने न दें। अगर वजन बढ़ गया है तो उसे कम करें। कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे दूध, दही, पनीर, ब्रोकली, पालक, बादाम और अखरोट का सेवन ज्यादा करें। सुबह की धूप शरीर के लिए आवश्यक विटामिन डी का बेहतरीन स्त्रोत है। इस मौके पर लोगों में स्वास्थ्य सम्बंधित जागरूकता बढाने के उद्देश्य से हेल्दी क्विज प्रतियोगिता भी की गई। इसके अलावा चिकित्सकों द्वारा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के 28 सदस्यों को कोरोना काल में जरूरतमंद लोगों की मदद करने व कोरोना इन्फेक्शन को नियंत्रण करने संबंधी योगदान के लिए 'कोरोना वारियर्स सर्टिफिकेट' देकर सम्मानित किया गया।

हमें आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेना चाहिए : डॉ राजनेहरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा और सनातन संस्कृति की रक्षा के उदेश्य से कार्य कर रहे अंतराष्ट्रीय संगठन हमारा परिवार संगठन की फरीदाबाद इकाई द्वारा रविवार 11 अप्रैल को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जेसी बोस विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का विषय आत्मनिर्भर भारत रखा गया।

इस अवसर पर विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजनेहरू मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। राज नेहरू ने कहा कि आज हमे अपने व्यक्तिगत, सामजिक और राष्ट्रीय जीवन में आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेना चाहिए । पिछले काफी वर्षो से हमने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रयास किये है काफी हद तक हम सफल भी रहे है, परन्तु आज भी हमारी निर्भरता अन्य देशी पर बनी हुई है। कार्यक्रम अध्यक्ष जे.सी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दिनेश मे कहा कि भारतीय संस्कृति में परिवार व्यवस्था बहुत आवश्यक अंग है। इसमें सभी सदस्य प्रेम से रहते हैं एवं संस्कारों का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरण सहजता से होता है। इस अवसर पर इकाई संरक्षक सुधीर कपूर, सुरेन्द्र सहगल, गगन श्याल, भूपेंद्र नागपाल,विकास रॉय, पी.के सिन्हा, उपस्थित रहे ।

हस्त मुद्रा योग, ज्योतिष एवं आध्यात्म

नवरात्रों में व्रत रखने के दौरान-श्रद्धालुओं के प्राकृतिक तौर पर - ऊर्जा वान बने रहने हेतु -प्रकृतिप्रदत्त - ऊर्जा स्त्रोत - प्राण हस्त मुद्रा अभ्यास!

- नवरात्रों में व्रत रख रहे श्रद्धालुओं द्वारा सुविधानुसार बीच बीच में - कुछेक मिनट - एक अथवा दोनों हाथों की कनिष्ठिका व अनामिका उंगलियों की टिप्स को अंगूठों की टिप्स संग मिलाकर रखने से - प्राण हस्त मुद्रा अभ्यास करते रहने से - उनकी - प्राकृतिक तौर पर ऊर्जा बरकरार रह - उनके भूख-प्यास - यकीनन नियंत्रण में रहेंगे!

- और भी अधिक ऊर्जावान बने रहने हेतु - चाहें तो - संग में - वं / ? वं नमः - जो भूख-प्यास को नियंत्रित करने का जल तत्व एवम स्वाधिष्ठान चक्र से सम्बंधित बीजमंत्र है - का भी चिंतन मनन कर सकते हैं!

- विशेष: अल्पाहार ग्रहण करने के कुछ समय पूर्व - 5/10 मिनट का - बाएं हाथ में - अंगूठे एवम आकाश तत्त्व की प्रतीक मध्यमा उंगली की टिप्स को आपस में मिला कर रख - आकाश हस्त मुद्रा एवम दाहिने हाथ में प्राण हस्त मुद्रा अभ्यास से - प्राकृतिक रूप में - कैल्शियम, फॉस्फोरस एवम अन्य आवश्यक विटामिन्स का बने रहना कहा गया है!

- नोट- अभ्यासी श्रद्धालु भक्तजनों से सादर अनुरोध - की उपरोक्त मंत्र मुद्राओं के अभ्यासोपरांत - इसबारे - उनकी - जैसी भी अनुभव प्राप्ति हो - कृपया उन्हें - अवश्य - शेयर कर - कृतार्थ करें!

शैक्षणिक प्रस्तुति : शिक्षाविद् डी सी चौधरी! (सम्पर्क सूत्र: 9911417418; 9868358257 व्हाट्सऐप)

ओएसटी सेंटर : कोरोनाकाल में नशा छोड़ने वाले मरीज आ रहे कम

कविता। फरीदाबाद

शहर में इंजेक्शन से नशा करने वाले लोगों को इससे निजात दिलाने के लिए जिले के सिविल अस्पताल में गत नौ मई 2013 को एक ओएसटी (ओपियो सब्सीट्यूट थैरेपी) सेंटर का शुभारंभ किया गया था। इस सेंटर में जहां पिछले कुछ समय से पुरूष आ रहे थे। लेकिन अब महिलाएं भी नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए यहां आ रही हैं। इस ओएसटी सेंटर में इंजेक्शन से नशा करने वालों को गोलियों द्वारा इंजेक्शन वाली नशे की लत से दूर किया जाता है। इसमें आने वाले मरीजों की संख्या 308 पर पहुंच चुकी थी। लेकिन कोरोना के कारण 132 मरीज दवा छोड़ कर जा चुके है। वहीं 25 मरीजों की डेथ हो चुकी है। एक मरीज ठीक हो गया था। फिलहाल 150 मरीज ही दवा के लिए आ रहे है। जिसमें 10 मरीज जेल के भी शामिल है। यहां मिलने वाली इन गोलियों का कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता।

25 की हो गई मौत, 10 जेल से भी है शामिल

150 रोगी ही ले रहे लगातार दवा

158 रेगूलर मरीज

इस ओएसटी सेंटर में अब आ रही है। इस बात का खुलासा जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. शीला भगत ने किया है। उन्होंने बताया कि इसमें कुल 308 मरीज नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए आ रहे थे। लेकिन कोरोना के कारण 132 मरीज इलाज बीच में छोड़कर जा चुके है। वहीं 25 मरीजों की मौत हो चुकी है। एक ठीक हो चुका है। जिसके कारण 150 रोगी ही गोलियां लेकर इलाज को आ रहे है।

दी जाती हैं गोलियां

जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. शीला भगत ने बताया कि सेंटर इंजेक्शन से नशा लेने के आदी मरीजों के लिए है। उन्हें इस नशे की लत से छुटकारा दिलाया जाता है।

मरीजों को ऐसी गोलियां दी जाती है। जिनमें इंजेक्शन जितना ही नशा होता है। लेकिन इनका कार्य लोगों के नशे की लत को कम करना होता है। जब मरीज इन गोलियों का सेवन करता है तो डोज धीरे-धीरे कम कर दी जाती है। जिससे एक समय ऐसा आता है कि वह नशे की बुरी तल को पूरी तरह से भूल जाता है। इसका पूरा इलाज मुफ्त है।

लाते हैं एनजीओ

ओएसटी सेंटर कर्मी अनिता ने बताया कि कुछ मरीज तो खुद ही नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए आ रहे है और कुछ एनजीओं की सहायता से यहां आ रहे है। अधिकतर मरीज यहां एनजीओं के सहयोग से आते हैं।

वैक्सीनेशन बढ़ाने को जिला में चार दिवसीय टीका उत्सव शुरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर देश में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक 'टीका उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है । जिसका उद्देश्य अधिकतम योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना है। ये विचार केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज रविवार को प्रिंसेस पार्क सेक्टर- 86 के प्रांगण में जिला स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय आरडब्ल्यूए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित टीकाकरण उत्सव की विधिवत शुरुआत करने उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस दौरान उन्होंने योग्य लोगों से टीका लगवाने की अपील कर उन्हें प्रेरित व प्रोत्साहित किया। लोगों से अपील की है कि 'टीका उत्सव' के दौरान बड़ी संख्या में वे टीका लगवाएं। उन्होंने कहा कि अब तक देश भर में करोड़ो टीके लगाए हैं। आज भारत दुनिया का सबसे तेज टीकाकरण अभियान चलाने वाला देश बनता जा रहा है। जिससे स्वस्थ एवं कोविड मुक्त भारत के लिये प्रयासरत देश के रूप में देश को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने कोविड-19 की स्थिति और टीकाकरण अभियान के दौरान स्वस्थ विभाग के अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि उन सभी लोगों का टीकाकरण कराने पर ध्यान केंद्रित करें जो पात्र हैं और 45 वर्ष से अधिक उम्र के हैं।

उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले की जयंती 11 अप्रैल को है और 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती है। उन्होंने आमजन से भी पुन: अपील करते हुए कहा कि इस 'टीका उत्सव' में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधा का भरपूर लाभ लें। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना चाहिए और स्वास्थ्य संसाधनों का लाभ लेना चाहिए। इससे हमारे समय- समय पर आयोजित टीकाकरण अभियान की क्षमता बढ़ेगी।

इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय क्षेत्र वासियों व स्थानीय गांव के लोगों के दल द्वारा रखी जन समस्याओं पर भी विचार-विमर्श कर उनका तत्परता से समाधान करवाने का आश्वासन दिया और उम्मीद जताई कि सभी के साझा प्रयासों से फरीदाबाद को फिर से एक नया स्वरूप प्रदान किया जा सकेगा। इस अवसर पर भाजपा खेल प्रकोष्ठ जिला प्रभारी वीरपाल पहलवान, भाजपा महामंत्री युवा मोर्चा गोल्डी अरोड़ा, मंडल अध्यक्ष मनीष बत्रा, मडल अध्यक्ष ज्ञानेंद्र, युवा मोर्चा स्टूडेंट की विवेक चंदीला, आरडब्ल्यूए के प्रधान विनोद छाबड़ी, जनरल सेक्रेटरी मनीष गौतम, सीएमओ रणदीप पूनिया, डिप्टी सिविल सर्जन राम भगत, इंचार्ज खेड़ी एसएमओ डॉ हरजेन्द्र, डॉ. गजेन्द्र अधाना सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति विशेष तौर पर उपस्थित थे।

कोरोना हुआ खतरनाक, 445 पॉजिटिव से आंकड़ा 50 हजार के पार

फरीदाबाद। जिले में कोरोना का सैकेंड स्ट्रेन खतरनाक होता जा रहा है। इस वर्ष के सर्वाधिक 445 नए मामले रविवार को सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 50249 यानी 50 हजार के पार पहुंच गया है। वहीं राहत की बात यह रही कि जिले में 167 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 95.3 प्रतिशत पर है। वहीं जिले पॉजिटिव केस रेट 3.9 प्रतिशत पर है।

यहां से पॉजिटिव : 445 पॉजिटिव मरीजों में सेक्टर-30, एनएच-5, से 8-8 मरीज है। धीरज नगर, आईपी कालोनी, जवाहर कालोनी, साईन कालोनी, सेक्टर-18, एनएच-4, गर्ग कालोनी, से 6-6 मरीज है। सेक्टर-8, एनएच-1, सेक्टर-16, से 7-7 मरीज है। सेक्टर-7, सूर्या कालोनी, इंदिरा नगर, शिव कालोनी, से 3-3 मरीज है। गोपाल हॉस्पीटल, सरपंच कालोनी, अहीरवाड़ा, भूदत्त कालोनी, नेहरू ग्राउंड, न्यू बसेलवा कालोनी, सवाना, तिलपत कालोनी,ने 1-1 मरीज है। ओम इंक्लेव, झाडसेतली, हरी बिहार, से 2-2 मरीज है। साबुन कालोनी, डबुआ कालोनी, एनएच-3, से 4-4 मरीज है। ग्रीन फिल्ड कालोनी और सेक्टर-86से सर्वाधिक 15-15 मरीज है। ग्रीन वैली, सेक्टर-28, एसजीएम नगर, से 5-5 मरीज है। सेक्टर-29 से 12 मरीज है। सेक्टर-49 से 14 मरीज है। सैनिक कालोनी, ग्रीन फिल्ड से 12-12 मरीज है। सेक्टर-21 से 10 मरीज है। सेक्टर-89 से 11 मरीज है। सेक्टश्र-37 से 9 मरीज है। सेक्टर-87 से 13 मरीजों के अलावा अन्य एरियों से 181 मरीज शामिल है।

यह है आंकड़े

अब तक कुल जांचें: 597749

अब तक पॉजिटिव	: 50246
अब तक ठीक	: 47874
अब तक नेगेटिव	:545154
रिपोर्ट आनी शेष	: 2349
ऑक्सीजन पर है	: 49
वैंटीलेटर पर है	: 4
अब तक मौत	: 426
एक्टिव केस	: 1946
रविवार सैम्पलिंग	:2805

बल्लभगढ़ से खाटूश्यामजी धाम को हुई सीधी बस सेवा शुरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के परिवहन, खनन एवं कौशल विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि अब बल्लभगढ से खाटूश्यामजी धाम के लिए आमजन की यातायात सुविधा के लिए सीधी बस हरियाणा राज्य परिवहन विभाग की जाएगी। यह जानकारी कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने गत रात्रि स्थानीय चावला कॉलोनी में श्री खाटू श्याम बाबा के जागरण धार्मिक समारोह में शिरकत करने के दौरान दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाबा खाटूश्याम के दर्शन करने से जीवन धन्य होता है। यह खाटू श्याम बाबा का कीर्तन भी देश और प्रदेश से कोरोना जैसी महामारी को दूर करने के उद्देश्य से किया गया है। इस मौके पर परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक एकादशी के दिन हरियाणा राज्य परिवहन विभाग की बस राजस्थान के सीकर जिले के श्री खाटू श्याम मंदिर के लिए भेजी जाएंगी। जिससे बल्लभगढ़ के लोगों को श्री खाटू श्याम बाबा के दर्शन करके अपने घर लौटने में सुविधा होगी।

हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने चावला कॉलोनी में आयोजित श्री खाटू श्याम बाबा के जागरण में पूजा अर्चना करके देश में लोगों के लिए सुख शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचाव का संदेश देते हुए कहा कि सभी लोग करोना के बचाव के लिए वैक्सीन जरूर लगवाएं।

फीस वृद्धि के विरोध में पेरेंट्स उतरे सड़कों पर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही फीस वृद्धि का विरोध भी शुरू हो गया है। पहले सेक्टर-14 के एक निजी स्कूल के अभिभावकों ने जिला शिक्षा अधिकारी से मिलकर स्कूल की फीस वृद्धि व बच्चों की ऑनलाइन क्लास बंद करने की लिखित शिकायत दर्ज कराई तो अब रविवार को सेक्टर-21 के एक निजी स्कूल के अभिभावकों ने एक बार पुन: स्कूल के सामने फीस वृद्धि को लेकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में स्कूल के पेरेंट्स तेजेंद्र खरबंदा, राजूद्दीन, चंद्र अरोड़ा, पंकज, सीमा अग्रवाल, राकेश आचार्य, विक्रम सिंह सहित सैकड़ों अभिभावक, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना व युवा आगाज के संयोजक जसवंत ने भाग लिया।

यह है मामला

अभिभावक सीमा ने कहा है कि स्कूल द्वारा रिपोर्ट कार्ड ना देने, ऑनलाइन क्लास रोकने पर कुछ दिन पहले स्कूल के सामने प्रदर्शन किया गया था तब रिपोर्ट कार्ड तो से दिया गया था लेकिन एनुअल चार्ज लेने के बारे में बाद में फैसला लेने की बात कही थी।

अब स्कूल प्रबंधक पेरेंट्स को नोटिस भेजकर पिछला एनुअल चार्ज देने के साथ साथ आगामी शिक्षा सत्र में बढ़ाई गई ट्यूशन फीस, एनुअल चार्ज व अन्य फंड्स देने के लिए दबाव डाल रहा है। अभिभावक एकता मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा व जिला सचिव डॉ मनोज शर्मा ने कहा है कि सीबीएसई व हरियाणा शिक्षा नियमावली के नियमों के तहत वैधानिक रूप से चुनी गई अभिभावक एसोसिएशन की सलाह व सहमति तथा फार्म 6 में दर्शाई गई थी फीस बढ़ोतरी की वैधानिकता की शिक्षा निदेशक द्वारा जांच करने के बाद ही फीस बढ़ोतरी की जा सकती है और उन्हीं फंडों में फीस ली जा सकती है जो राज्य सरकार ने निर्धारित किए हैं लेकिन स्कूल प्रबंधकों ने फार्म 6 जमा कराते ही फीस वृद्धि कर दी है। जिन स्कूल प्रबंधकों ने फार्म 6 जमा ही नहीं कराया है वे फीस नहीं बढ़ा सकते हैं लेकिन उन्होंने भी फीस वृद्धि कर दी है।

उन्होंने कहा कि चेयरमैन एफएफआरसी, जिला शिक्षा अधिकारी, शिक्षा निदेशक पंचकूला के पास लिखित शिकायत दर्ज कराएं और उसकी प्रति मंच को भी उपलब्ध कराएं मंच पूरी तरह से उनकी मदद करेगा।

पीटीआई टीचरों ने पुलिस पर लगाया धरनास्थल तोड़ने का आरोप

फरीदाबाद। जिले में बर्खास्त पीटीआई का धरना स्थल सेक्टर-12 लघु सचिवालय के सामने लगातार 307 दिन से चल रहा है। लेकिन शनिवार को पुलिस प्रशासन बल का प्रयोग करके धरना स्थल को तोड़ने की कोशिश की गई और धरना स्थल पर बर्खास्त पीटीआई सुबह 10 बजे पहुंचे, तो उनको जबरदस्ती सेक्टर 12 सेंट्रल थाना ले जाया गया और वहां पूरा दिन उनको बैठा कर रखा गया, शाम को 5 बजे उन्हें छोड़ा गया जो कि सिर्फ और सिर्फ उनका धरना तोड़ने की एक साजिश थी।

जब पुलिस अधिकारियों से इस बाबत बात की गई तो उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर किन्हीं विशेष मुद्दों को लेकर एक बैठक करने जा रहे हैं। इसके लिए लॉयन ऑर्डर को अपनाते हुए हम आसपास किसी भी प्रकार का प्रदर्शन विरोध प्रदर्शन नहीं करने देंगे।

सीएम के आदेश, गेहूं खरीद में नहीं होगी परेशानी: नयनपाल रावत

विधायक ने फतेहपुर बिल्लौच मंडी का किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा भंडारण निगम के चेयरमैन एवं पृथला विधानसभा क्षेत्र के विधायक नयनपाल रावत ने फतेहपुर बिल्लौच मंडी का औचक निरीक्षण किया और वहां फसल खरीद को लेकर जानकारी ली। विधायक को मंडी में देख अधिकारियों में हडकंप मच गया।

इस दौरान आढ़तियों व किसानों ने विधायक नयनपाल रावत को लिफ्टिंग न होने से अनाज ड़ालने की समस्या से उन्हें अवगत कराया। इसके अलावा अन्य समस्याएं भी बताई। इस पर विधायक ने मौके पर हैफेड के अधिकारी से बातचीत कर किसानों की समस्या के समाधान करने के आदेश दिए और किसानों को भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। वहीं उनकी फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। विधायक नयनपाल रावत ने किसानों को बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को आदेश दिए हुए है कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा और उन्हें तुरंत फसल का भुगतान किया जाएगा, अगर कोई अधिकारी इसमें लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पृथला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली मंडियों में फसल खरीद का कार्य सरकारी आदेशानुसार किया जा रहा है, इसके बावजूद अगर किसी किसान भाई को परेशानी हो रही है तो वह उनसे संपर्क कर सकता है ताकि लापवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जा सके। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह किसानों के साथ बेहतर तालमेल रखे और उन्हें हर सुविधा मुहैया करवाए, जो सरकार द्वारा दी जा रही है। उन्होंने किसान व आढतियों से कोरोना महामारी से बचाव के लिए मास्क लगाने व एक दूसरे से उचित दूरी बनाए रखने के लिए भी अपील की।

इस अवसर पर दिनेश आढ़ती, दिनेश सिंह, पदम सिंह, सुरेश चौहान, महेंद्र सिंह, रामू, प्रहलाद, मनोहर लाल, राजेश कुमार, विष्णु, ज्ञान कौशिक, सतीश, दिगम्बर चौधरी, नरेश पंवार सहित अनेकों लोग मौजूद थे।

जेसी बोस विश्वविद्यालय को दिया 'संस्थागत पुरस्कार'

फरीदाबाद। हरियाणा रेडक्रॉस सोसाइटी और फरीदाबाद जिला प्रशासन ने कोरोना महामारी में लॉकडाउन अवधि के दौरान जेसी बोस विश्वविद्यालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा किये गये सामाजिक सरोकार के कार्यों को मान्यता देते हुए 'संस्थागत पुरस्कार' प्रदान किया है तथा इस दौरान सहयोग देने वाले विश्वविद्यालय के अधिकारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है।

रेडक्रॉस सोसाइटी तथा फरीदाबाद जिला प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय पुरस्कार समारोह में हरियाणा परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने पुरस्कार वितरित किये। जेसी बोस विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किया। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कोरोना महामारी में लॉकडाउन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग तथा हरियाणा रेड क्रॉस सोसाइटी, चंडीगढ़ शाखा की उपाध्यक्ष सुषमा गुप्ता भी उपस्थित थी। इस अवसर पर कोरोना महामारी की रोकथाम में सहयोग देने वाली विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

विधायक के प्रयास से नहरपार बना ग्रेटर फरीदाबाद: आरडब्ल्यूए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद क्षेत्र की दर्जनों आरडब्ल्यूए ने किया विधायक राजेश नागर का स्वागत

तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर के प्रयास से नहरपार का नाम ग्रेटर फरीदाबाद होने को स्थानीय लोगों ने बड़े सम्मान के साथ जोड़ लिया है। आज रविवार को दर्जनों की संख्या में स्थानीय आरडब्ल्यूए ने नागर का जोरदार स्वागत किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि हमारे विधायक ने हमें सम्मानजनक नाम दिलाया है।

विधायक राजेश नागर के भतौला निवास पर जुटे आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने कहा कि नागर को स्थानीय समस्याओं और जरूरतों की पूरी तरह से जानकारी है। यही कारण है कि वह एक के बाद एक ऐसे कार्य कर रहे हैं जिनकी ओर कोई सोचता तक नहीं था। लेकिन विधायक राजेश नागर ने हमारी मांग को विधानसभा में उठाकर अब उसे पूरा भी करवा दिया है। स्वयं मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नहरपार को ग्रेटर फरीदाबाद करने की घोषणा की है। आज हमारे क्षेत्र का नाम ग्रेटर फरीदाबाद हुआ है कल यह ग्रेट भी बनेगा। इसका हमें पूरा विश्वास है। आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों ने खुशी खुशी में विधायक को फूलमालाओं से लाद दिया। इस अवसर पर विधायक राजेश नागर ने कहा कि स्थानीय लोगों को नहरपार पिछड़ा हुआ सा लगता था। जिसके कारण से उनके मन में रोष था। लेकिन मुख्यमंत्री ने उनकी मांग को सुनकर हमें सुखद अनुभव करवाया है। जिसके लिए पूरा क्षेत्र उन्हें धन्यवाद कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

टीका उत्सव के पहले दिन लगी 10912 को वैक्सीन

फरीदाबाद। जिले में जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 11 से 14 अप्रैल तक टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। जिसमें पहले दिन विभाग की तरफ से 10912 लोगों को कोरोना से बचाव की वैक्सीन लगाई गई। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश ने बताया कि जिले में 11 निजी अस्पतालों समेत 111 सरकारी स्थानों पर टीकाकरण किया गया। जिसमें हेल्थ केयर वर्करों को सैकेंड डोज निजी में 4 को और सरकारी में प्रथम डोज 12 को लगाई गई और सैकेंड डोज 4 को लगाई गई। वहीं फ्रंट लाइन वर्करों को सरकारी में पहली डोज 2 को और दूसरी डोज 6 को लगाई गई। वहीं 45 साल से ऊपर वरिष्ठ नागरिकों में निजी में प्रथम डोज 359 को और सैकेंड डोज 4 को लगाई गई। सरकारी में प्रथम डोज 7642 को और सैकेंड डोज 228 को लगाई गई। उन्होंने कहा कि 11 निजी में कुल प्रथम डोज 478 को और सैकेंड डोज 37 को लगाई गई। वहीं 111 सरकारी स्थानों पर प्रथम डोज 9815 को और सैकेंड डोज 582 को लगाई गई।

हजारों गणमान्य लोगों ने दी स्व. विद्यावती को श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक ललित नागर की माता स्व. विद्यावती की श्रद्धांजलि सभा रविवार को सेक्टर-16 स्थित किसान भवन में आयोजित की गई। इस दौरान हरियाणा कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा कुमारी सैलजा, केंद्रीय राज्यमंत्री चौ. कृष्णपाल गुर्जर, विधायक नीरज शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, फिरोजपुर झिरका के विधायक मम्मन खान, विधायक जगबीर सिंह मलिक, विधायक प्रशांत चौधरी, पूर्व विधायक उदयभान, पं. टेकचंद शर्मा, पूर्व विधायक लहरी सिंह, पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना, शीशपाल पहलवान, विजय प्रताप सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला, जेपी नागर, आप पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना, पं. योगेश गौड़, प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़, पूर्व महापौर अशोक अरोड़ा, उपमहापौर मनमोहन गर्ग, अब्दुल गफ्फार कुरैशी, दया भड़ाना, योगेश ढींगड़ा, पं. योगेश गौड़, बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल, कांग्रेस ओबीसी सैल के प्रदेश चेयरमैन ललित भड़ाना, किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव राकेश भड़ाना, पराग शर्मा, दामोदर दास गुर्जर, चौ. सोपाल सिंह बुलंदशहर, राजेद्रं सिंह भामला, सुरेंद्र बबली, चुन्नू राजपूत, नीरज गुप्ता, डा. एस.एल. शर्मा, योगेश ढींगड़ा, गौरव ढींगड़ा, बलजीत कौशिक, अनिल कुमार, गुलशन बगगा, डा. तेजपाल शर्मा, विजय कौशिक, रिंकू चंदीला, जाट समाज के महासचिव एचएस मलिक, प्रसिद्ध कवि दिनेश रघुवंशी, भारत अरोड़ा, सीमा जैन,, सुनीता फागना, अशोक रावल, बाबूलाल रवि, विनय भाटी, संजय सोलंकी, रणवीर चंदीला, टीटू सिंगला, नितिन सिंगला सहित तिगांव क्षेत्र से कई गांवों के पंच-सरपंच, राजनैतिक, शिक्षविद एवं धार्मिक संगठनों के हजारों लोगों ने श्रीमती विद्यावती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए नागर परिवार को ढांढस बंधाया।

धूमधाम से मनेगी बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती: गोपाल शर्मा

फरीदाबाद। भाजपा जिला कार्यालय सेक्टर-11 फरीदाबाद पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में ज़िला कार्यसमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, नगर निगम महापौर सुमन बाला, विधायक सीमा त्रिखा, राजेश नागर मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि 14 अप्रैल को देश के संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती को फ़रीदाबाद की सभी विधानसभाओं में अलग अलग कार्यक्रम आयोजित करके उत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बाबा साहब के जीवन दर्शन को कार्यकर्ताओं के सामने रखा जाएगा। आज की बैठक में जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, नगर निगम महापौर सुमन बाला, विधायक सीमा त्रिखा, राजेश नागर, वरिष्ठ भाजपा नेता सोहनपाल सिंह, जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, आर एन सिंह तथा सभी मोर्चों के मिडिया प्रमुख व मोर्चों के सोशल मिडिया संयोजक और अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुमारी शैलजा का फरीदाबाद आगमन पर किया स्वागत

फरीदाबाद। जिले में कांग्रेस पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने फरीदाबाद का दौरा किया। इस अवसर पर बाटा चौक पर फरीदाबाद महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सुनीता फागना व एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष विकास फागना ने कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कुमारी शैलजा ने महिलाओं को भीड़ को देख सुनीता फागना की पीठ थप थपाई और कहाकि अब वो दिन दूर नहीं जब हरियाणा में ही नहीं बल्कि पुरे भारत में कांग्रेस पार्टी का झंडा लहराएगा। उन्होंने कहाकि की अब महिलाएं को भी समझ आने लगा है की भाजपा की झूठे जुमले वाली सरकार का हाल जनता को झूठे वादे करके वोट मांगती है और काम जीरो। उन्होंने कहाकि किसान आंदोलन भाजपा शासन के लिए ताबूत की आखिरी कील साबित होगा। हक की इस लड़ाई में देश के अन्नदाताओं की ही जीत होगी। इस अवसर पर फरीदाबाद महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सुनीता फागना ने कुमारी शैलजा को विश्वास दिलाते हुए कहाकि कांग्रेस ने जो उन्हें यह पद सौपा है वह पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करेंगी और अधिक से अधिक महिलाओ को कांग्रेस पार्टी के साथ जोड़ने का काम करेंगी।

धूमधाम से मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

फरीदाबाद। लाला अमीचंद धर्मशाला चंदावली के प्रांगण में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती का आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले समिति रजिस्टर्ड के सदस्यों और ग्राम चंदावली के निवासियों द्वारा बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। चंदावली ग्राम पंचायत के मेंबर देवेंद्र सैनी ने महात्मा फुले के द्वारा बताए हुए पद चिन्हों पर चलने का विचार रखा जिससे समाज, देश और स्वयं का भला हो सके। महात्मा ज्योतिबा राव फुले सेवा समिति का प्रधान सुनील सैनी (आढती) ने कहा कि शिक्षा के द्वारा ही हम सब आगे बढ़ सकते हैं। सभी मौजूदा सदस्यों की एक ही पुकार है कि महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न दिया जाए। इस अवसर पर लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के जिला अध्यक्ष खेमचंद सैनी पहलवान, ब्लॉक समिति के मेंबर राजकुमार सैनी गोगा, कैप्टन दया चंद सैनी, संजय सैनी, पवन सैनी दयाल दास सैनी, हरिराम सैनी, प्रदीप सैनी एडवोकेट, गिर्राज सैनी तेजपाल, मदन सैनी, धर्मपाल सैनी आदि सदस्य मौजूद रहे।

पार्षद ने लगवाया टीकाकरण शिविर

फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र ठाकुर शैलेंद्र सिंह जिला पार्षद व भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा हरियाणा प्रदेश उपाध्यक्ष झज्जर प्रभारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन स्वास्थ्य विभाग हरियाणा सरकार की 11 अप्रैल से 14 अप्रैल टीका उत्सव में भाग लिया व करोना वैक्सीनेशन की प्रथम डोज स्वयं लगवाई। क्षेत्र की जनता से अपील करते हैं 45 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले सभी नागरिक कोविड-19 का टीका अवश्य लगवाएं। दोनों ही टीके सुरक्षित है। हमारे देश की भारतीय जनता पार्टी सरकार हर नागरिक के लिए चिंतित है। इसलिए समय-समय पर करोना से बचने के लिए नियम बताती है। जिसका पालन करना हम सभी नागरिकों का कर्तव्य है, तभी हम अपने परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का ध्यान रख सकेंगे।

सिलेंडर फटने से झुग्गियों में लगी आग, सब खाक

मानेसर के पास गांव नाहरपुर के खेतों में बनी झुग्गियों में लगी आग

फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत से बुझाई आग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के मानेसर के पास गांव नाहरपुर के खेतों में बनी झुग्गियों में लगी भयंकर आग।

गर्मी प्रचंड होने के साथ ही अब आग की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। एक सप्ताह में गुरुग्राम में आगजनी की दो बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। बुधवार की रात को शहर के बीचों-बीच पांच मंजिला दुकान के साथ अन्य दुकानें जलकर राख हो गई, वहीं रविवार को मानेसर के पास गांव नाहरपुर के खेतों में बनी झुग्गियों में सिलेंडर फटने से आग लगी और सभी झुग्गियां जलकर राख हो गईं।

रविवार दोपहर करीब 12 बजे इन झुग्गियों में आग लगी। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, आग ने सभी झुग्गियों को अपने आगोश में ले लिया। लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग लगने के कारण झुग्गियों में रखे छोटे सिलेंडर एक के बाद एक फटने लगे और आग बढ़ने लगी। रविवार को हवा भी चल रही थी, इस कारण आग हवा के रुख के साथ फैलती रही। कूड़ा बीनकर अपना गुजारा करने वाले लोगों के सपने अपने सामने ही जलते नजर आए क्योंकि उन्होंने बहुत सारा सामान कूड़ा से निकालकर यहां कबाड़ के रूप में एकत्रित कर रखा था। जिसे वे बेचते थे। सबसे अधिक यहां प्लास्टिक की खाली बोतलें थीं। आग बुझाने को दमकल विभाग के लिए कर्मचारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गनीमत रही कि आग लगने की सूचना के साथ ही झुग्गियों से लोग बाहर आ निकले। खूब शोर-शराबा मच गया। भगदड़ मची रही। पीड़ित लोग वहां चीख-पुकार मचा रहे थे। जिनकी झुग्गियां जली, उन्होंने पुलिस नियंत्रित करने के प्रयास कर रही थी। खेड़कीदौला पुलिस थाना के एसआई अजय सिंह दलबल सहित मौके पर तैनात रहे। वहां उन्होंने लोगों की भीड़ को तितर-बितर किया। सुनिश्चित किया कि कोई व्यक्ति झुग्गियों के अंदर तो नहीं है। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम के दमकल केंद्रों के अलावा हौंडा कंपनी व मानेसर फायर ब्रिगेड से कुल 10 गाड़ियां आग बुझाने को बुलाई गई। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

गुरुग्राम से चंडीगढ़ तक ट्रेन चलाने की करेंगे मांग: डा. डीपी गोयल

गुरुग्राम के रेलवे स्टेशन पर रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य डा. डीपी गोयल का स्वागत करते लोग व स्टेशन स्टाफ।

रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

गुरुग्राम। रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य डा. डीपी गोयल ने गुरुग्राम के रेलवे स्टेशन का दौरा करके वहां की समस्याओं को जाना और कर्मचारियों, अधिकारियों व आम नागरिकों द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान से सुना। आश्वासन दिया कि सभी के सुझावों पर काम होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि गुरुग्राम से सीधे चंडीगढ़ के लिए कोई ट्रेन नहीं है। अधिकारियों, कर्मचारियों व आम जनता को काम के लिए चंडीगढ़ जाना पड़ता है। इसलिए चंडीगढ़ तक ट्रेन चलवाने की मांग सरकार से की जाएगी।

डा. डीपी गोयल ने रेलवे के अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन का बारीकी से निरीक्षण किया। जहां पर स्वच्छता की कमी नजर आई, वहां सफाई के निर्देश दिए। उन्हें बताया गया कि स्टेशन पर सफाईकर्मी नहीं हैं। पिछला टेंडर खत्म हो चुका है। इस पर डा. डीपी गोयल ने कहा कि जल्द ही नगर निगम की ओर से यहां सफाईकर्मी लगवाए जाएंगे, ताकि स्वच्छता बनी रहे। फिलहा उन्होंने स्टेशन पर 28 डस्टबिन भी रखवाए।

ईश्वर आराधना से बड़ा कोई ज्ञान नहीं: शास्त्री

कैलाश मंगला। होडल

वाटर वक्स कालोनी स्थित सैनी धर्मशाला के प्रांगण में पिछले सात दिनों से चल रही भागवत कथा का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ। भागवत कथा समापन के मौके पर धर्मशाला के प्रांगण में भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर भागवत कथा व्यास महेश चंद शास्त्री ने कहा कि भागवत कथा सुनने से जहां मनुष्य के पाप समाप्त होते हैं वहीं मनुष्य के लिए मोक्ष के द्वार भी खुल जाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान की आराधना से बड़ा कोई ज्ञान नहीं है। हमें भगवान की पूजा-अर्चना के साथ-साथ भगवान का नाम रटते रहना चाहिए। भागवत कथा के इस मौके पर आसपास कालोनियों से हजारों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैनी समाज के प्रधान नारायण सैनी ने की। इस मौके पर सैनी समाज चौबीसी के प्रधान सुभाष सैनी, मुला सैनी, गोविन्द, रोहताश, भजनलाल, कृष्णा, देवकरण, प्रेम सैनी, देवेंद्र, रानी, पुष्पा सैनी, कमलेश, शीला के अलावा सैकडों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

श्याम बाबा के कीर्तन महोत्सव में झूमे भक्त

मंडल के सदस्यों ने बाबा के दर्शन कर भजनों का रसपान किया

कैलाश मंगला। होडल

श्याम बाबा के कीर्तन महोत्सव में श्याम बाबा का सजा भव्य दरबार।

कस्बा हसनपुर में स्थित दाऊजी मंदिर के प्रांगण में शनिवार को लखदातार श्याम मंडल के तत्वावधान में श्याम बाबा का कीर्तन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कीर्तन के इस मौके पर श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। कीर्तन में कस्बे के साथ-साथ होडल, हथीन, पलवल, बल्लभगढ, फरीदाबाद के अलावा अन्य दूरदराज से पहुंचे मंडल के सदस्यों ने बाबा के दर्शन कर भजनों का रसपान किया।

हसनपुर स्थित लखदातार श्याम मंडल द्वारा शनिवार को दाऊजी में आयोजित श्याम बाबा का कीर्तन महोत्सव का शुभारंभ श्याम बाबा की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर किया गया। कीर्तन महोत्सव पर दूर-दराज से पहुंचे कलाकारों द्वारा श्याम बाबा का भव्य स्वरूप सजाया गया। कीर्तन में फरीदाबाद से पहुंची। भजन गायक कोमल चौपडा ने खाटू वाले की बात निराली, नीले वाले की बात निराली व नगाडा, नगाडा, नगाडा बजा जैसे भजनों ने श्रद्धालुओं को झूमने-नाचने पर मजबूर कर दिया वहीं खाटू नगरी से पहुंचे भजन गायक अजहर अली ने श्रद्धालुओं को श्याम बाबा के भजनों में बाबा की लीला से अवगत कराया। इस मौके पर कीर्तन में हसनपुर समस्त श्याम प्रेमी मंडल का विशेष सहयोग रहा। कीर्तन के इस मौके पर बॉबी भाई, भान प्रकाश अग्रवाल, कुंजबिहारी गोयल, नवीन गर्ग, नरेंद्र मंगला, अंकित गोयल, मुकेश बघेल, विष्णु गोयल, पलवल एकादशी निशान यात्रा मंडल से कपिल गर्ग, होडल श्रीखाटू के दिवाने मंडल से सुनील गोयल, नरेश नागल, संजय बंसल, तपेंद्र कदेरा, प्रमोद गोयल के अलावा हजारों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु मौजूद थे।

नि:संकोच होकर लगवाएं कोरोना की वैक्सीन

कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक ने स्वयं भी लगवाई वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम की मियांवाली कालोनी में शिविर में वैक्सीन लगवाते डा. डीपी गोयल और उमड़ी भीड़।

कैनविन फाउंडेशन की ओर से चार स्थानों पर कोरोना वैक्सीनेशन कैंप, चेकअप कैंप, आयुष्मान योजना के कैंप लगाए गए। इन कैंपों में सैकड़ों लोगों को वैक्सीन भी लगाई गई। चेकअप के साथ-साथ सरकार की योजनाओं को लेकर जागरूक भी किया गया। कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल ने खुद भी मियांवाली कालोनी के सामुदायिक केंद्र में लगाए गए शिविर में वैक्सीन लगवाई।

डा. डीपी गोयल ने लोगों से कहा कि सुरक्षित है, नि:संकोच होकर दोनों में से कोई भी वैक्सीन लगवाएं। दोनों का ही हमारे शरीर में फायदा है। उन्होंने कहा कि हम सब इस बात से वाकिफ हैं कि कोरोना महामारी का फैलाव हो रहा है। देश के कई राज्यों में बहुत अधिक केस आ रहे हैं। हमें सामाजिक दूरी रखने के साथ मास्क का प्रयोग, सेनिटाइजर का प्रयोग जरूर करना होगा। डा. डीपी गोयल ने कहा कि वार्ड-18 से युवा समाजसेवी दंपति गगन गोयल-आशा गोयल लगातार समाजसेवा में लगे रहते हैं। यहां कैंप में 225 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। अपने आप में यह रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि कैनविन फाउंडेशन का यही उद्देश्य है कि हर व्यक्ति स्वस्थ रहे, सुखी रहे। इसी आधार पर काम किया जा रहा है। कोरोना महामारी काल में हमें और अधिक सक्रिय रहने की जरूरत है, ताकि हम कोरोना को हरा सकें। उन्होंने बताया कि कोरोना की शुरुआत से लेकर अब तक कैनविन फाउंडेशन ने चरणबद्ध तरीके से काम किया है। रक्तदान, प्लाज्मा दान, दवाओं की होम डिलीवरी आदि बिना किसी बाधा के किए हैं। डा. डीपी गोयल ने कहा कि कोरोना वैक्सीन लगवाने वाले लोग भी एक तरह से योद्धा हैं। वे वैक्सीनेशन के बाद लोगों में अधिक से अधिक अपना प्रचार करें और बताएं कि कोरोना वैक्सीन से कोई नुकसान नहीं है। अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए सभी नियमों के मुताबिक वैक्सीन लगवाएं।

गगन गोयल ने बताया कि कैंप में वैक्सीनेशन सेंटर पर सेल्फी बूथ भी बनाए गए, जहां पर वैक्सीनेशन के बाद लोगों ने सेल्फी बूथों पर तस्वीरें लेकर सोशल मीडिया पर सकारात्मक संदेश देने को अपलोड की। अपनी तस्वीरों को लोगों ने अपने वाट्सअप व अन्य सोशल अकाउंट्स पर डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) भी बनाया, ताकि लोग कोरोना वैक्सीनेशन के प्रति जागरुक हो सकें।

अवैध हथियार सहित अलग-अलग जगह से तीन युवक गिरफ्तार

पलवल। अपराध जांच शाखा पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र से तीन लोगों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। सीआईए इंचार्ज अशोक कुमार के अनुसार उन्हें मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि दो भाई हत्या के मामले में जमानत पर हैं, जिनके पास अवैध हथियार हैं। वे पलवल आए हुए हैं। फिलहाल बस स्टैंड की तरफ से मीनार गेट चौक की तरफ आ रहे हैं।

सूचना मिलते ही मीनार गेट चौक पर नाकाबंदी की गई। मुखबिर के इशारे पर दोनों युवकों को काबू किया गया। जिनकी तलाशी लेने पर एक देशी कट्टा व एक जिंदा राउंड बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम विष्णु उर्फ पतंगा व रविंद्र उर्फ लबू निवासी गांव मंढ़नाका बताया। इसी प्रकार दूसरी सूचना प्राप्त हुई कि गांव स्वीमका मोड से एक युवक अवैध हथियार सहित गुजरने वाला है।

मंदिर के पुजारी और तीन बच्चों को प्रसाद में दिया जहर

पुजारी और बच्चों को अलग-अलग अस्पताल में कराया गया भर्ती

मुकेश बघेल। पलवल

सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंदिर के पुजारी व तीन बच्चों को मिठाई में जहर देने का मामला प्रकाश में आया है। मिठाई के प्रसाद को खाने के बाद पुजारी व बच्चे बेहोश हो गए। जिनको अलग-अलग अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पुजारी की पत्नी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस जांच अधिकारी ब्रहमपाल के अनुसार गांव भिडूकी निवासी माया ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह अपने परिवार के साथ शुगर मिल के पास स्थित शिव संस्कृत महाविद्यालय में बने शिव मंदिर में रह रहे हैं। मंदिर में पीड़िता का पति हुकमचंद पिछले 20 वर्ष से पूजा पाठ कर उसकी देखरेख कर रहा है। 9 अप्रैल को पीड़िता का पति व पुत्र शेर सिंह व नीरज के बच्चे पीयूष, चीकी व आदित्य मंदिर में बैठे हुए थे। उसी दौरान एक अनजान व्यक्ति विक्की पर सवार होकर आया। वह मिठाई का डिब्बा देकर चला गया।

डिब्बे में कुछ प्रसाद पीड़िता के पति हुकम चंद ने खाया और कुछ को बच्चों को खिला दिया। जिसको खाने के बाद पीड़िता का पति व तीनों बच्चे बेहोश हो गए। जिनको उपचार के लिए सिविल अस्पताल लाया गया। जिनको नल्लहड़ नूंह के लिए रेफर कर दिया गया।

नल्लहड़ अस्पताल में हुकमचंद को तो दाखिल कर लिया गया लेकिन तीनों बच्चों को गंभीर हालात को देखते हुए उन्हें दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्कूल में विद्यार्थी खेल-खेल में प्राप्त करेंगे शिक्षा

सोहना। सोहना के गांव रायसीना स्थित राजकीय प्रकाशपुरी मिडिल स्कूल में विद्यार्थी खेल-खेल में शिक्षा प्राप्त करेंगे। स्कूल परिसर में बने भवनों पर फेश लिफ्टिंग के माध्यम से पेंटिंग कराई गई हैं। पेंटिंग के द्वारा यहां के भवनों की दीवारों पर सौर मंडल से लेकर देश की आजादी की वीर गाथा, प्रकृति में रहने वाले वन्य प्राणियों से लेकर आदि काल तक के जीवों को चित्रित कराया गया है।

रायसीना के राजकीय प्रकाशपुर मिडिल स्कूल के विद्यार्थी पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ-साथ परिसर में बने भवनों की दीवारों पर की गई पेंटिंग के माध्यम से भी पढ़ाई करेंगे। स्कूल के अंदर बनें सभी भवनों की दीवारों पर फेश लिफ्टिंग के द्वारा पेंटिंग कराई है। जिससे स्कूल भवनों का सौन्दर्यीकरण के साथ-साथ विद्यार्थी अपने क्लास से बाहर जाते व आते समय भी पाठ्यक्रम से संबंधित ज्ञान दीवारों पर पेंटिंग से ज्ञान प्राप्त करेगा।

> **स्कूल** का सौन्दर्यीकरण के साथ-साथ यहां शिक्षा प्राप्ति के लिए आने वाले विद्यार्थी पाठ्यक्रम से संबंधित ज्ञान पेंटिंग के द्वारा भी समझना आसान होगा।
> **सीपी सिन्हा, स्कूल प्रभारी**

पाठ्यक्रम से संबंधित हैं पेंटिंग

स्कूल के अंदर बनें भवनों की दीवार और बरामदों में शानदार पेंटिंग की गई है। पेंटिंग के माध्यम से यहां के विद्यार्थी सौर मंडल से लेकर देश की आजादी में हंसते-हंसते अपनी कुर्बानी देने वाले वीर सपूतों की फोटो छपी है। इसके अलावा कक्षा प्रथम से लेकर पांच में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी शब्दों की वर्णमाला, सप्ताह के नाम, महीनों के नाम, वन्य जीव प्राणी, भारत द्वारा अंतरिक्ष में किए गए आविष्कार आदि को दर्शाया गया है।

भाजपा विधायक प्रवीण डागर पहुंचे हथीन अनाज मंडी

हथीन। भाजपा विधायक प्रवीण डागर ने हथीन अनाज मंडी में हो रही गेहूं की खरीद का रविवार को औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर भाजपा विधायक ने हथीन अनाज मंडी के सचिव अजय सिंह से गेहूं की खरीद बारे जानकारियां लीं। उन्हें निर्देशित किया कि किसानों को उनकी फसल बेचने में कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। पीने के पानी व अन्य सुविधाओं पर लगातार गौर करें।

इस अवसर पर विधायक ने हथीन अनाज मंडी के आढ़तियों से भी विचार-विमर्श किया। कहा कि हथीन अनाज मंडी के अंदर व प्रदेश में मुख्यमंत्रीजी के नेतृत्व में गेहूं की खरीद एमएसपी पर की जा रही है। हरियाणा प्रदेश के प्रत्येक किसान का संपूर्ण गेहूं सरकार एमएसपी पर खरीदेगी। 48 घंटे के अंदर सीधे किसानों के खाते में उनका पैसा दिया जाएगा। देरी की सूरत में 9 फीसद ब्याज के साथ किसान का पैसा के खाते में डाला जाएगा। हमारे आढ़ती भाइयों को भी कोई परेशानी इस गेहूं की खरीद के सीजन में नहीं आने दी जाएगी,उनको प्रत्येक सुविधा चाहे, बारदाना, उठान की संपूर्ण व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है।

मारपीट और धमकाने के दो मामलों में हुए छह नामजद

पलवल। अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत लाठी-डंडा से हमला करने व जान से मारने की धमकी देने के दो मामले प्रकाश में आए हैं। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार जवाहर नगर कैंप निवासी रमेश छाबड़ा ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि मीन बाजार में उसकी राम स्वीटस के नाम से दुकान है। बाजार निवासी सुरेंद्र सिंगला पिछले कई दिनों से परेशान कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। जिसकी शिकायत पीड़ित ने 23 फरवरी व 19 मार्च को पुलिस को दी हुई है लेकिन किसी प्रकार की कार्रवाई अमल में नही आने पर सुरेंद्र सिंगला के हौंसले और बुलंद हो गए। 7 अप्रैल को सुरेंद्र सिंगला पीड़ित की दुकान पर आया और पुत्र चिराग को गाली गलौज देने लगा। उसके बाद सुरेंद्र डंडा लेकर आया और दुकान के कारीगरों के साथ मारपीट करने लगा। पीड़ित के पुत्र चिराग ने कारीगरों को बचाया। कुछ देर बाद पीड़ित भी दुकान पर आ गया जिसको देख सुरेंद्र बर्फ वाला सूआ ले आया। जिसको लोगों ने रोक लिया। लोगों के जाने के बाद सुरेंद्र टिक्की बनाने वाला पलटा लेकर आया पीड़ित के सिर पर उससे हमला कर दिया। पीड़ित के पुत्र ने बचाने का प्रयास किया तो उस पर भी हमला कर दिया। उस समय सुरेंद्र के साथ जानो, नने व राजू भी मौजूद थे। इसी प्रकार इंद्रपुरी मोहल्ला निवासी सुरेंद्र ने गदपुरी थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि नौ अप्रैल की रात को गांव नंगला भिकू स्थित कंपनी में अपनी सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी पर तैनात था। उसी समय एक व्यक्ति अपने पुत्र का खाना देने के लिए गेट पर आया। जिसको पीड़ित ने अंदर भेज दिया। उसके साथी को बाहर गेट पर ही रोक दिया।

पीड़ित ने कंपनी से बाहर सड़क पर देखा तो दो लोग एक व्यक्ति को पीट रहे थे। पीड़ित जब इस युवकों को देखने लगा तो उन्होंने पीड़ित पर भी लाठी-डंडा से हमला कर दिया। पीड़ित पर हमला करने वाले युवक गांव मिंडकोला निवासी नरवीर सिंह व सुरेश हैं, जो कि कंपनी के सामने जिम चलाते हैं। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मैन ऑफ प्लेटिनम का लेटेस्ट कलेक्शन

एक नया भविष्य पुनर्निमित करने वाले चरित्रवान पुरुष को एक श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अप्रत्याशित चुनौतियों एवं बोध के साल, 2020 ने हमें सीखना, भूलना, फिर से सीखना और फिर से बनाना सिखाया। इसने हमसे उसका आंकलन करने का आग्रह किया। जो वास्तव में महत्वपूर्ण है, इसने हमें आभार के साथ जो भी हमारे पास है। उसे महत्व देना सिखाया क्योंकि उससे हम एक नए भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इसने हर बाधा को परिवर्तन एवं एक बेहतर भविष्य की नींव के रूप में देखते हुए दृढ़ता की मिसाल स्थापित की।

'चरित्रवान पुरुष' पुरुषों की एक नई पीढ़ी के उद्भव का संकेत है, जो अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने के बाद भी अपने मूल्यों, अपने विश्वासों पर कायम रहते हैं। इन पुरुषों में पुन: कल्पना करने एवं पुनर्निर्माण करने की दृढ़ता है, उनमें दोबारा शुरुआत करने की विनम्रता है और उनमें अपनी कहानी फिर से लिखने की प्रतिबद्धता है। उनमें अपने सोए हुए सपनों को पुन: जगाने का साहस है। वो निरंतर समावेशी बनने के लिए प्रयासरत रहते हैं क्योंकि वो जानते हैं कि एक नई दुनिया तभी संभव है, जब व्यक्ति अलग-अलग काम करने की बजाय संगठित होकर काम करे। ये चरित्रवान पुरुष पिछले साल से मिली सीख को एक नए बेहतर भविष्य की कार्ययोजना बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं और 'रिराईट द बिगनिंग' (पुन: शुरुआत करने) का विकल्प चुनते हैं।

इस सीजन प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल की ओर से मेन्स प्लेटिनम ज्वेलरी-मैन ऑफ प्लेटिनम इन पुरुषों को सम्मानित कर रहा है, जिनमें अनुकूलित होने, अभिनवता लाने और नया मार्ग बनाने की क्षमता है। ये पुरुष प्लेटिनम को अपने चहेते मेटल के रूप में चुनते हैं, क्योंकि यह उनके दुर्लभ मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। यह उनकी एक विश्वास की व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है। सितारों से जन्मी, शुद्ध ब्वाइट मेटल, प्लेटिनम की ज्वेलरी, पहनने वाले व्यक्ति के स्टाइल को उत्तम बनाती है और भीड़ से अलग

चलिए इस कलेक्शन के कुछ आभूषण देखें

प्लेटिनम ड्युअल टोंड लिंक चेन रेयर प्लेटिनम में रोज गोल्ड की छटा के साथ, ऐसे लिंक्स, जो सामान्य से अलग हैं, उनमें बना हुआ यह आभूषण 'चरित्रवान पुरुष' एवं चुनौतियों के बीच अलग तरह से सोचने की उसकी क्षमता को श्रद्धांजलि देता है। यह हर अवसर की पुन: कल्पना करने की उसकी क्षमता को इंगित करता है।

प्लेटिनम ड्युअल टोन डाइनामिक ब्रेसलेट

प्लेटिनम की शक्ति के साथ बना हुआ यह स्लीक एवं मजबूत ब्रेसलेट इंटरलॉकिंग लिंक्स का वैकल्पिक पैटर्न प्रस्तुत करता है। अंडरस्टेटेड बल द्वारा आपस में जुड़े ये हैं लिंक। उनका आकर्षण प्रस्तुत करती है। इस कलेक्शन में प्लेटिनम चेन, पेंडेंट एवं रिस्ट वियर की विस्तृत श्रृंखला है। यह स्टाइल की भावना के संकेतस्वरूप खूबसूरती कारीगरी द्वारा डिजाइन की गई है। यह स्टाइल उसी भांति दुर्लभ एवं क्लासी है, जिस भांति इसे पहनने वाला पुरुष। ये आभूषण विविध मूल्यों के प्रतीक हैं, जो मिलकर ऐसे पुरुष का गठन करते हैं, जिसके लिए मूल्य एवं चरित्र सबसे शक्तिशाली होते हैं, फिर चाहे परिस्थितियां कैसी भी क्यों न हों।

संक्षिप्त समाचार

मंडी आढ़ती से गन प्वाइंट पर हुई हजारों की लूट

पलवल। अनाज मंडी में आढ़त की दुकान करने वाले आढ़ती से बाइक सवार चार युवक गन प्वाइंट पर हजारों रुपये की नकदी को लूटकर फरार हो गए। कैंप थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी महेंद्र के अनुसार ओमेक्स सिटी में रहने वाले संजय गर्ग ने शिकायत दर्ज कराई है कि मंडी में 22 नंबर आढ़त की दुकान है। पीड़ित 9 अप्रैल की रात को अपनी आढ़त से बाइक पर सवार होकर घर के लिए आ रहा था। रात करीब 12 बजे के करीब जिंदल नर्सिंग होम से थोड़ा आगे नाले के पास बाइक सवार चार युवकों ने पीड़ित को रोक लिया। गन प्वाइंट पर 19 हजार 300 रुपये की नकदी को लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कई थाना क्षेत्रों में दो महिला और एक बालिग लड़की हुई लापता

पलवल। अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो महिला व एक बालिग लड़की रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस ने पीड़ित परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने चांदहट थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 20 वर्षीय बेटी आठ अप्रैल को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसको काफी तलाश किया गया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। इसी प्रकार दूसरी शिकायत एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी बीती सात अप्रैल को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसका आज तक कहीं कुछ पता नहीं चला। इसी प्रकार तीसरी शिकायत एक पीड़ित ने कैंप थाना पुलिस को दर्ज कराई है कि उसकी 32 वर्षीय पत्नी चार अप्रैल को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। पीड़ित ने अपनी पत्नी को काफी तलाश किया, लेकिन कहीं सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

गाली देने और झूठे केस में फंसाने की धमकी, केस दर्ज

पलवल। घर में घुसकर गालियां देने व दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। शहर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी राजेश के अनुसार हुडा सेक्टर-2 निवासी दिनेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि 9 अप्रैल को एक युवक बगैर किसी अनुमति के घर के अंदर आ गया और पत्नी मंजू को गालियां देने लगा। सूचना पाकर पीड़ित मौके पर पहुंचा तो देखा कि आरोपी युवक गंदी-गंदी गालियां दे रहा था। पूरा पड़ोस एकत्रित हो रखा था। पीड़ित ने जैसे-तैसे आरोपी युवक को घर से बाहर निकाला। जो कि जाते-जाते परिवार को जान से मारने व पुत्र को झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देता हुआ चला गया। पीड़ित ने शिकायत में कहा कि घर में घुसकर गालियां देने व धमकी देने वाले का नाम अमित शर्मा निवासी पंचवटी कालोनी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सट्टा खाईवाड़ी करते एक युवक गिरफ्तार

पलवल। कैंप थाना पुलिस ने एक युवक को सट्टा खाईवाड़ी करते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी कुलदीप के अनुसार उन्होंने पलवल के हरी नगर निवासी दीपक को पड़ोस में ही सट्टा खाईवाड़ी करते काबू किया। साथ ही उसके कब्जे से 730 रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

नौ दिन होगी मां जगदंबा के स्वरुपों की पूजा

गुरुग्राम। चैत्र मास के नवरात्रे आगामी 13 अप्रैल से शुरु हो रहे हैं। इन नवरात्रों में एक भी तिथि क्षय नहीं है यानि कि पूरे 9 दिन मां दुर्गा की आराधना श्रद्धालुओं द्वारा की जाएगी। इसे श्रद्धालुओं के लिए सुख-समृद्धि का संकेत माना जा रहा है। हालांकि कोरोना का संकट नवरात्रों पर भी मंडराता दिखाई दे रहा है। वैसे अभी तक प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन ने मंदिरों को लेकर कोई विशेष दिशा-निर्देश अभी जारी नहीं किए हैं। केवल फेस मास्क व सामाजिक दूरी का पालन करने व सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने के दिशा-निर्देश दिए हैं। पंडित मुकेश शर्मा का कहना है कि चैत्र नवरात्र के साथ हिंदुओं का नव संवत 2078 भी प्रारंभ होगा। इसमें भी कई शुभ संकेत बन रहे हैं, जो बड़े विशेष हैं। उनका कहना है कि श्रद्धालु पूरे 9 दिन तक 9 देवियों मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी व सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना कर मनवांछित फल पाएंगे। पंडित जी का कहना है कि मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा-अर्चना की जानी चाहिए, तभी मनवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र नवरात्र के पहले दिन सृष्टि का आरंभ हुआ था। इसी दिन देवी ने ब्रह्मा को सृष्टि की रचना करने का कार्यभार सौंपा था व इसी दिन से काल गणना भी शुरू हुई थी। देवी भागवत पुराण के अनुसार इसी दिन देवी मां ने सभी देवी-देवताओं के कार्यों का बंटवारा किया था। इसीलिए चैत्र नवरात्र पर हिंदू नववर्ष का प्रारंभ माना जाता है। सृष्टि आरंभ से पूर्व अंधकार का साम्राज्य था। तब आदिशक्ति जगदंबा अपने कुष्मांडा अवतार में विभिन्न वनस्पतियों और वस्तुओं को संरक्षित करते हुए सूर्य मंडल के मध्य में स्थापित हुई थी।

गोशाला में जल्द ही शेड का निर्माण कराएंगे: प्रदीप महाराज

गुरुग्राम। फर्रूखनगर स्थित श्रीगोशाला पहुंचने पर महाबल धाम आश्रम एवं श्री हनुमान मंदिर के संचालक प्रदीप महाराज के पहुंचने गऊशाला प्रबंधन कमेटी ने उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर गऊशाला कमेटी ने कहा कि प्रदीप जी महाराज गऊशाला में हर तरह से सहयोग करते रहेंगे।

युवाओं को जागरूक कर मेवात को अपराधमुक्त बनाएगा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

दीपक कुमार। नूंह

वर्कशॉप में कहा, जीवन मूल्यों को सही से समझकर राष्ट्रनिर्माण करें

देश के राष्ट्रवादी संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक खुर्शीद राजाका ने युवाओं को आदर्श नागरिक बनने का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच मेवात को अपराधमुक्त बनाने के लिये काम करेगा।

मेवात जिला मुख्यालय नूंह में युवाओं की वर्कशॉप में कहा कि हमें जीवन के मूल्यों को सही से समझकर राष्ट्रनिर्माण करना चाहिए क्योंकि देश के कानून का पालन कर नेक रास्ते पर चलकर ही कोई व्यक्ति आदर्श नागरिक बन सकता है। उन्होंने बताया कि नशा, सट्टा, जुआ, शराब, भ्रष्टाचार, ठगी और आर्थिक अपराध जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लोगों को जागरूक कर मेवात को अपराधमुक्त बनाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कोरोना महामारी, जल ही जीवन है और यातायात नियमों पर विचार रखते हुए कहा कि सरकारी निर्देशों का पालन करना सबका कर्तव्य बनता है। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि अपने परिवार के लिये शिक्षा को प्राथमिकता देना बहुत ही जरूरी है क्योंकि शिक्षित समाज कानून का ज्यादा सम्मान करेगा।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक खुर्शीद राजाका और उनके साथ मौजूद सामाजिक बुराइयों के खात्मे को आगे आए युवा।

मंच के मीडिया प्रभारी नदीम सलम्बा ने आदर्श नागरिक के कर्तव्य और गुण बताकर सबकी वाह वाह लूटी। इसके अलावा हाफिज अहमद जमशेद, परवेज राजाका, शाहबाज और माजिद हथनगांव ने मेवात को अपराधमुक्त बनाने पर विचार रखे। राष्ट्रीय संयोजक खुर्शीद राजाका ने मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार का संदेश पढ़कर सुनाया और इस्लाम के पवित्र रमजान की अग्रिम मुबारकबाद देते हुए युवाओं से अपील करी कि पवित्र रमजान में सभी बुरी आदतों को त्यागने का संकल्प लें और समाज में कौमी एकता को मजबूत कर आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये चीनी समान का बहिष्कार करें।

इस युवा वर्कशॉप में असरु सरपंच अकलीमपुर ,साजिद नीमका, सालिम मन्नाकी आजाद सैफी, रज्जी भादस, जावेद घासेड़ा, तालीम पचगांव, हाफिज यूनुस आलीमेव ,फारुख जलालपुर, रुकमुद्दीन डालाबास,मुस्तफा फिरोजपुर नमक सहित काफी युवाओं ने भाग लिया।

दिव्यांगों के लिए जल्द जारी किया जाएगा टोल फ्री नंबरः राज्य आयुक्त

नौकरी के लिए दिव्यांगों को चार प्रतिशत आरक्षणः राजकुमार मक्कड़

दीपक कुमार। नूंह

दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए राज्य आयुक्त राजकुमार मक्कड़।

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन हरियाणा राजकुमार मक्कड़ ने रविवार को जिला रेडक्रास समिति द्वारा आयोजित प्रथम दिव्यांगजन जागरूकता कैंप का बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं। जिन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करना चाहिए। इसके लिए सरकार हर प्रकार से प्रयासरत है, जिसमें जन सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए नौकरी में चार प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही दिव्यांगों के लिए टोल फ्री भी जारी किया जाएगा।

मक्कड ने कहा कि दिव्यांगों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि भेदभाव की भावना को दूर कर उनको सफल बनाने में उनका साथ देना चाहिए। ताकि वे समाज में आत्मनिर्भर बन सकें। दिव्यांगों को विशेषाधिकार प्राप्त हैं, जिनकी उन्हें जानकारी होनी चाहिए। सरकार ने दिव्यांगों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रखी हैं, जिनका उन्हें पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। इन योजनाओं का लाभ उठाकर दिव्यांग बेहतरीन भविष्य बना सकते हैं।

राज्य आयुक्त राजकुमार मक्कड़ ने कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म अच्छे कर्म करना है, इसलिए मनुष्य को जीवन में अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी से करना चाहिए। उन्हें दिव्यांगजनों के सहायता के लिए हर समय आगे आना चाहिए ताकि दिव्यांगों को भी समाज की मुख्यधारा के साथ जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि दिव्यांग प्रतिभाशाली होते हैं, जिसे तलाशने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके लिए सरकार हर संभव मदद दे रही है। दिव्यांगों के लिए पैंशन योजना भी है। इसका पूरा लाभ उन्हें मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तहत भी दिव्यांगों के कल्याणार्थ प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज को दिव्यांगों के लिए समर्पित भाव से प्रयास करने चाहिए। दिव्यांगों को उनके अधिकारों के साथ दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी देनी चाहिए।

रेडक्रास सचिव महेश गुप्ता ने बताया कि इस जागरूकता कैंप में 440 दिव्यांगजन ने रजिस्ट्रेशन करवाया। जिनमें से 320 मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल 50 दिव्यांग रोजगार के लिए, 30 दिव्यांगजन पेंशन सम्बन्धित, 40 दिव्यांग प्रमाण पत्र से सम्बन्धित समास्यों को यथाशीघ्र निवारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर उप-सिविल सर्जन डा. राकेश चावला, डा.एके यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी सरफराज, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र पटेल, नगरपालिका की चैयपर्सन मनीता गर्ग, रक्तदान कमेटी के सदस्य दिनेश नागपाल,ज्ञानचंद आर्य मास्टर असरफ हुसैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

दिव्यांग पाएं नौकरी और कृत्रिम अंग

राज्य आयुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांगजनों को मुफ्त में कृत्रिम अंग मुहैया करवाए जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा भी 2016 में दिव्यांग अधिकार अधिनियम पास किया गया है। जिसमें दिव्यागों को अनेक अधिकार दिए गए है जिसमें रोजगार का भी अधिकार दिया गया है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों को अपना रोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों द्वारा भी कम ब्याज पर लोन मुहैया करवाया जा रहा है।

कोरोना से बचाव को अपनाएं स्वस्थ जीवनशैली और आयुर्वेदः उपायुक्त

सफल टीकाकरण अभियान है कोरोना रोकथाम का एक समाधान

नूंह। उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने जिला वासियों का आह्वान किया है कि वे कोरोना को हराने के लिए स्वस्थ जीवनशैली एवं आयुर्वेद को अपनाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं। जागरूक बने सुरक्षित रहें। कोरोना स्ट्रेन में हमारे घर की शान बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। कोरोना का 3-टी मंत्र से करेंगे सामना। देश में बनी दोनों कोरोना वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित एवं प्रभावी हैं। कोरोना टीका को लेकर किसी के बहकावें में न आएं। उपायुक्त ने कहा है कि टीका लगवाने के लिए मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा टीका लगवाने के लिए वेबसाईट पर भी पंजीकरण करवा सकते हैं।

इस महामारी के लक्षण नजर आने पर तुरंत जांच अवश्य करवाएं। टीकाकरण जागरूकता के लिए 200 घरों पर एक आशा एवं एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लगाई गई है। पूर्व निर्धारित रोग से ग्रस्त 45 वर्ष आयु के व्यक्ति एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करें।

उन्होंने कहा है कि कोरोना को हराने के लिए सभी स्वस्थ जीवन शैली तथा आयुर्वेद को अपनाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं। भोजन में हल्दी, जीरा, धनिया एवं लहसुन का उपयोग करें। प्रतिदिन गिलोय का भी सेवन करें। तुलसी, दालचीनी, काली मिर्च, शुंठी, मुनक्का आदि से बना काढ़ा पिएं। हल्दी युक्त गर्म दूध का सेवन करें। तिल, नारियल का तेल या घी नाक के दोनो छिद्रों में लगाएं। योगासन, प्राणायाम व ध्यान करें। केवल जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से परहेज करें।

उन्होंने कहा है कि बुजुर्ग हमारे घर की शान है। कोरोना स्ट्रेन में बुजुर्गो का विशेष ध्यान रखें। घर पर हल्का व्यायाम व योग करें। अपनी निर्धारित दवाएं नियमित रूप से लें। घर पर बने ताजे भोजन के माध्यम से उचित पोषण प्राप्त करें। दैनिक प्रयोग की वस्तुएं जैसे चश्मा, रिमोट इत्यादि को क्लीनर से बार-बार साफ करें।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात चोरों ने दो बाइकों पर किया हाथ साफ

पुन्हाना। बाइक चोरी की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पुन्हाना-पिनगवां क्षेत्र में शायद ही कोई दिन ऐसा बीत रहा हो, जिस दिन दो या तीन बाइक चोरी की वारदात नहीं हो रही हो। रविवार को अज्ञात चोरों ने पिनगवां कस्बे से दो बाइको को अपना निशाना बनाते हुए चुराने में कामयाबी पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक जल्द ही चोर का सुराग लगाकर चोरी हुई बाइको व चोरों को पकड़ा जाएगा। पुलिस को दी शिकायत में धर्मेंद्र पुत्र नत्थीराम ने बताया कि अज्ञात चोर उनकी बाइक को चुरा ले गए। इसी तरह गांव फिरोजपुर मेव निवासी असफाक की बाइक पर चोरों ने हाथ साफ करते हुए कामयाबी पाई है। लगातार बाइक चोरी की घटनाओं को लेकर आमजन पूरी तरह भयभीत है। लोग अपने कामो के लिए बाइकों को ले जाने से भी कतराने लगे है क्योंकि कोई काम के लिए जाने की बाद बाइक मालिक का अधिकांश ध्यान बाइक पर रहता है। चोरो का आतंक इस कदर है कि दिन हो रात सरकारी कार्यालय हो मुख्य बाजार कही से भी और कभी भी बाइक चोरी की घटना को अंजाम देने से नही चूकते हैं। सबसे बड़े चौकाने वाली बात ये है कि लगातार बाइक चोरी की वारदातों के घटित होने के बावजूद पुलिस प्रशासन चोरों के खिलाफ कोई बड़ी कार्यवाही करने के मूड में नहीं है। उल्टा बाइक चोरी होने वाले पीड़ितों को ही पुलिस तरह तरह कानून पढ़ाने को तैयार बैठी रही है। बहरहाल आम नागरिकों के पचास साठ हजार रुपये की बाइक की कब चपत लग जाये कोई पता नहीं चलता। पुलिस ने दोनों बाइक चोरी घटनाओं की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत

मेवात। जिले के पुनहाना-जमालगढ़ मार्ग पर बाइक सवार पिता-पुत्र को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे पिता-पुत्र की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुन्हाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अल आफ़िया सामान्य अस्पताल भेज दिया। जहां से पंचनामा कर उनके शव परिजनों के हवाले कर दिए। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के रहने वाले पिता-पुत्र पिछले करीब 10 सालों से पुन्हाना स्थित मजीद के किराए के मकान में रहते थे। अपनी बाइक से रोजाना चूड़ी बेचकर गुजारा करते थे। रोजाना की तरह रविवार को भी दोनों पिता-पुत्र अपनी बाइक पर सवार होकर चूड़ी बेचने के लिए पड़ोसी गांव में जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक पुन्हाना शहर में जमालगढ़ मोड़ के समीप पहुंची तो पीछे से ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में जुम्मा पुत्र खान मोहम्मद उम्र 42 साल तथा उनके पुत्र कुरमान पुत्र जुम्मा उम्र 12 साल की मौके पर ही मौत हो गई। पुन्हाना थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मुकदमा दर्ज कर आरोपी ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

हथियार के बल पर चार बदमाशों ने लूटी कार

तावडू। उपमंडल के गांव सुन्ध में शनिवार देर रात हथियारों के बल पर बदमाशों द्वारा एक व्यक्ति से कार छीन कर फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गोवर्धन निवासी सुन्ध थाना तावडू जिला नूंह ने बताया कि शनिवार देर रात वह अपनी आल्टो गाड़ी में सवार होकर तावडू से अपने घर आ रहा था। रात करीब 9 बजे जब अपने गांव में शराब के ठेके के नजदीक पहुंचा तो ब्रेकर के नजदीक बाइक सवार चार अज्ञात बदमाशों ने उनकी गाड़ी के सामने बाइक को लगा दिया। सभी ने बाइक से उतर कर उनकी गाड़ी के दरवाजे खोल लिए। उसे जबरन नीचे खींच लिया। गोवर्धन ने बताया कि उन्हीं में से एक व्यक्ति ने अपने हाथ में देसी कट्टा का बट उनके सिर में मारा। जिससे वह घायल हो गए। बदमाश उनकी गाड़ी लूटकर फरार हो गए। गाड़ी में उनका एक मोबाइल भी था। जिसे भी बदमाश लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले में पीड़ित गोवर्धन की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी पहलाद सिंह का कहना है कि पुलिस ने गाड़ी को बरामद कर लिया है। वही मौका-ए-वारदात पर मौजूद कांग्रेस प्रवक्ता खालिद हुसैन चाहल्का ने पुलिस की कार्यशैली पर इस मामले में सवाल उठाया है कि लूटी गई कार को ग्रामीणों ने बदमाशों का पीछा कर छुड़ाया था। इस घटना के बाद पुलिस को सूचित किया गया तो पुलिस करीब दो घंटे देरी से पहुंची तब तक बदमाश फरार हो चुके थे।

कोरोना वैक्सीनेशन उत्सवः तावडू सीएचसी पहुंचे स्वास्थ्य निदेशक

तावडू। रविवार को शुरू हुए कोराना वैक्सीनेशन के अवसर पर हरियाणा स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ असरुदीन तावडू सीएचसी का निरीक्षण करने पहुंचे। सीएचसी भवन परिसर का निरीक्षण करने के बाद सभी कर्मचारियों और चिकित्सकों को उन्होंने कोविड-19 से संबंधित जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 70 फीसदी लोगों को वैक्सीन लग जाएगी तब यह संक्रमण की चेन स्वत: टूट जाएगी। प्रदेश स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक डॉ. असरूद्दीन ने कहा कि शुरू हुए कोरोना वैक्सीनेशन उत्सव के मद्देनजर पहले दिन तावडू सीएचसी का दौरा कर वैक्सीनेशन का जायजा लिया है। चिकित्सकों व स्टाफ को इस संदर्भ में विभिन्न दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि तावडू सीएचसी में अलग से ऑब्जरवेशन रूम बनाने के आदेश दिए गए हैं। कोरोना वैक्सीननेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने को लेकर हमें प्लानिंग व स्ट्रेटजी से कार्य करने की जरूरत है। जिस भी गांव, शहर या वार्ड में हम वैक्सीनेशन करें वहां चार-पांच दिन पहले प्रचार प्रसार शुरू कर दें। लोगों को समय व स्थान बताएं। आशा वर्कर आंगनवाड़ी वर्कर, एएनएम, सोशल मीडिया व मीडिया के मार्फत जागरूकता फैलाएं। उन्होंने बताया कि मेवात जिले में कोरोना की दोनों कोविशील्ड व कोवैक्सीन इन दोनों वैक्सीन की आगे कतई कमी नहीं रहेगी। कोरोना वैक्सीनेशन के बावजूद जो लोग कोरोनावायरस से संक्रमित हो जाते हैं यह दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने के फलस्वरुप इंफेक्शन की वजह से है। उन्होंने कहा कि जब 70 फीसदी लोगों को वैक्सीन लग जाएगी तब यह संक्रमण की चेन स्वत: टूट जाएगी। लोगों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगाने के बाद भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना, मास्क पहनना व हाथों को धोते रहना इन नियमों का पालन करना ही होगा।

गो रक्षक दल के कार्यकर्ताओं ने पांच गोवंशों को बचाया

एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, दूसरा भागा

ललित गर्ग। पुन्हाना

गो रक्षक दल के कार्यकर्ताओं की मेहनत से पांच गोधन की हत्या होने से बच गई। ऐसे में कार्यकर्ताओं ने एक आरोपी को गोकशी में प्रयुक्त होने वाले औजारों के साथ पकड़कर पुन्हाना पुलिस को सौंप दिया। सभी गोधनों को गोशाला सुरक्षित भिजवा दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गोभक्त व गोरक्षा दल के जिलाध्यक्ष लोकेश सिंगला ने बताया कि बीती देर सायं सूचना मिली कि गांव खडेला पुन्हाना में शरीफ उर्फ खुट्टा व राशिद निवासी खेड़ला जो गोकशी का काम करते हैं। उन्होंने आज शनिवार को अपने घर में गोकशी की नीयत से दुबले पतले गोवंश बांधे हुए हैं। यदि समय पर छापेमारी की जाए तो गोवंशों की हत्या होने से बच सकती है। सूचना पाकर टीम सदस्य रोहताश, कृष्ण, सौरभ, कुक्की, ओमी इत्यादि ने मौके पर जाकर देखा तो पाया कि शरीफ उर्फ खुट्टा के मकान में दो गाय, एक बैल व दो बछड़ा बंधे हुए थे। जिन्हें दोनों आरोपी काटने के लिए खड़े थे। जिनमें से एक आरोपी को मौके पर पकड़ लिया। दूसरा घर की छत से कूदकर भाग गया। जिसकी सूचना तुरन्त पुन्हाना पुलिस को दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही सभी गोधनों व पकड़े गए आरोपी व बरामद गोकशी में प्रयुक्त होने वाले लकड़ी के गुटके व तेजधार चाकू पुलिस को सौंप दिया। जिसका सीधा सा अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिन निकलते ही बड़े-बड़े गांवों में सैकड़ों गौवंशों को आज भी गोकशी का शिकार बनाकर होटलों व लोगों के घरों तक पहुंचाया जा रहा है। इस संबंध में जांच अधिकारी कमल ने बताया शिकायत के आधार पर दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गोहत्यारों से छुड़ाए गोवंशों के साथ गोरक्षा दल के कार्यकर्ता।

सीएमओ और डिप्टी सीएमओ भी निकले कोरोना पॉजिटिव

दोनों ही अफसर ले चुके हैं वैक्सीन की दोनों डोज

डिप्टी सिविल सर्जन बोले, उन्हें किसी प्रकार का भय नहीं

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

मेवात जिला के सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र यादव एवं डिप्टी सिविल सर्जन डॉ बसंत दुबे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। खास बात यह है कि दोनों ही स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारी हैं। दोनों ही कोरोना वैक्सीन की दो डोज ले चुके हैं। उसके बाद उनके कोरोना पॉजिटिव पाए जाने को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गरम है।

आपको बता दें कि सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र यादव कई दिन पहले पॉजिटिव पाए गए थे, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इस खबर को पूरी तरह से गोपनीय रखा। उसके बाद डिप्टी सिविल सर्जन एवं जिला नोडल अधिकारी प्रतिरक्षण डॉक्टर वसंत दुबे की तबीयत नासाज होने लगी। कोविड टेस्ट कराया गया तो उनकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव। अब दोनों अधिकारी होम आइसोलेशन में है और घर पर ही जरूरी कामकाज निपटाने में लगे हुए हैं। डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर बसंत दुबे ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों डोज लेने के बावजूद भी सिविल सर्जन एवं उनको कोरोना हुआ है, लेकिन उन्हें किसी प्रकार का कोई भय नहीं है। उन्होंने कहा कि डोज लेने के बावजूद भी कोरोना के लक्षण पाए जा सकते हैं, लेकिन वैक्सीन लगने के बाद मौत होने का खतरा नहीं होता, इसलिए ना उन्हें कोई घबराने की जरूरत है और ना जनता को ऐसी सूरत में घबराने की कोई जरूरत है। हर किसी को कोरोना वैक्सीन लगवानी चाहिए, इससे किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है बल्कि इंसान की सुरक्षा है। डॉक्टर बसंत दुबे ने कहा कि कोरोना वैक्सीन के टीके लगने के बावजूद भी कोरोना नियमों का पालन उसी तरह करना चाहिए। उन्होंने कहा 2 गज की दूरी, मास्क लगाना तथा बार-बार हाथों को साबुन से धोना अति आवश्यक है। तभी जाकर कोरोना महामारी से जंग जीती जा सकती है।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

**दिनों-दिन बढ़ रही है मुल्क़ में फिर से महामारी
नहीं दिखती किसीको भी यहाँ जनता की लाचारी
नहीं रस्ता कोई दिखता नहीं उम्मीद कोई अब
मिटेगी भूख कैसे अब मिटेगी कैसे बेकारी**

दस दिन पूर्व रखवाए ट्रांसफार्मर से झुलसा छात्र

बोले, पुलिस और बिजली विभाग ने त्वरित कार्रवाई न करने पर जाएंगे अदालत

रिजवान कासिम। मेवात

पीड़ित परिजन शिकायत लेकर थाने में खड़े हुए। इनसेट में बिजली करंट से झुलसा छात्र।

पिनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत तेड गांव के मिडिल स्कूल के समीप राजनीतिक दबाव एवं अधिकारियों से सांठगांठ कर करीब दस दिन पहले ग्रामीणों एवं सरपंच के विरोध के बावजूद रखवाए गए बिजली ट्रांसफार्मर से आठवीं कक्षा का छात्र झुलस गया। बिजली करंट से झुलसे छात्र की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित परिवार ने बिजली विभाग के अधिकारियों एवं जबरन बिजली ट्रांसफार्मर रखवाने वाले ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए पुलिस विभाग को शिकायत दे दी है। इतना ही नहीं पीड़ित परिवार ने बिजली विभाग के आला अधिकारियों से ट्रांसफार्मर को दूसरी जगह रखवाने की गुहार लगाई है, साथ ही कहा है कि अगर पुलिस तथा बिजली विभाग ने त्वरित कार्यवाही नहीं की तो अदालत का दरवाजा भी खटखटाया जा सकता है।

पीड़ित परिवार की शिकायत में मिडिल स्कूल के हेड मास्टर की नीयत पर भी सवाल उठाए गए हैं। कुल मिलाकर पुनहाना विधानसभा के बड़े गांव तेड का यह ट्रांसफार्मर पिछले करीब एक महीने से चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक नदीम पुत्र सद्दाम निवासी तेड मिडिल स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र है। एक-दो दिन पहले जब छात्र स्कूल की चारदीवारी के समीप से गुजर रहा था, तो वहां रखे गए ट्रांसफार्मर के करंट ने उसे झुलसा दिया। बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे अल आफिया अस्पताल मांडीखेड़ा ले जाया गया। उसके बाद उसकी नाजुक हालत के चलते उसे नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। डॉक्टरों ने झुलसे छात्र को दो दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी, लेकिन घर पहुंचते ही फिर छात्र की हालत खराब होने लगी तो परिजन उसे इलाज के लिए अलवर के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां झुलसा छात्र अभी भी मौत व जिंदगी की जंग लड़ रहा है। अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन पीड़ित परिवार द्वारा दी गई शिकायत पर कब तक गंभीर होता है या फिर एक बार हटाने के बाद फिर राजनीतिक सांठगांठ एवं दबाव से रखवाए गए ट्रांसफार्मर के मामले को ठंडे बस्ते में डालता है, लेकिन पीड़ित परिवार ने भी बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ स्कूल के मुख्य अध्यापक एवं उन ग्रामीणों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है, जिनकी वजह से एक छात्र झुलस गया। लेकिन इलाके के एक सफेदपोश नेता के दबाव में बिजली विभाग के अधिकारियों ने पुलिस बुलाकर जबरन उस ट्रांसफार्मर को उसी जगह रख दिया, जहां से उसे नीचे उतारा गया था। अब सवाल लाख टके का यह है कि अगर ट्रांसफार्मर सही जगह लगा हुआ था, तो उसे पहले बिजली विभाग ने क्यों उतारा और फिर ऐसी क्या मजबूरी हुई कि उतारने के बाद उसे दोबारा उसी जगह पर लगाना पड़ा।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

महाराष्ट्र प्रकरण
साझा जांच की आवश्यकता

महाराष्ट्र के सचिन वाजे प्रकरण में जांच करने वाली सीबीआई व एनआईए के कामकाज में समन्वय के अच्छे नतीजे निकल सकते हैं। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो-सीबीआई व नेशनल इन्विस्टीगेशन एजेंसी-एनआईए दो स्वतंत्र जांच एजेंसियां हैं। वे महाराष्ट्र के पद से हटाए गए गृह मंत्री अनिल देशमुख तथा बर्खास्त इंस्पेक्टर सचिन वाज़े की जांच के मामले में अनेक साझा सुराग तलाश सकती हैं। इन प्रमुख जांच एजेंसियों की जांच संभवत: अनेक बिंदुओं पर एकसाथ आएगी और यदि ये दोनों एजेंसियां परस्पर संगति में काम करें तो न्याय के लिए अच्छा होगा। इस तर्क का विस्तार करते हुए दोनों एजेंसियों के अधिकारियों को शामिल कर एक साझा टीम बनाने पर विचार हो सकता है क्योंकि दोनों मामले एक दूसरे से जुड़े हैं। संयुक्त जांच में सामूहिक रूप से सबूत जुटाने, बयान दर्ज करने तथा दोषियों पर शिकंजा कसने में आसानी होगी। सीबीआई की दो टीमें वाज़े का बयान दर्ज करने एनआईए कार्यालय पहुंची थीं क्योंकि वह एनआईए की हिरासत में था। एक विशेष एनआईए अदालत ने सीबीआई को बर्खास्त पुलिसकर्मी वाज़े और विनायक शिंदे की 'वसूली' डायरियों तक पहुंचने की अनुमति दी थी। विशेष एनआईए अदालत को लिखे चार पेज के एक पत्र में सचिन वाज़े ने सनसनीखेज खुलासा किया था कि राज्य परिवहन मंत्री शिवसेना के अनिल परब ने उनसे एक ट्रस्ट के मामले में जांच बंद करने के लिए '50 करोड़ पर समझौते' की बात करने को कहा था। मंत्री ने वाज़े से बीएमसी में धोखाधड़ी करने वाले 50 ठेकेदारों की तलाश कर उनसे कम से कम दो करोड़ वसूली की मांग की थी।

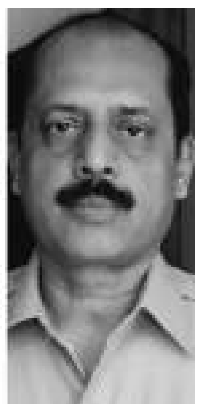

पत्र में आरोप लगाया गया है कि रांकापा सुप्रीमो शरद पवार द्वारा वाजे की बहाली रद्द करने पर विचार के बाद देशमुख ने उससे कथित रूप से 'दो करोड़ रुपये की मांग' की थी। इसके अनुसार, उप मुख्यमंत्री अजित पवार के 'बहुत निकट' एक व्यक्ति ने वाज़े से एक अवैध गुटखा विक्रेता से हर माह 100 करोड़ रुपये वसूल करने को कहा था। पहले वाज़े ने कहा था कि उसे बलि का बकरा बनाया गया है। इन आरोपों से यह संकेत भी मिलता है कि न केवल देशमुख, बल्कि महाविकास अघाड़ी-एमवीए सरकार में कई अन्य गंदी मछलियां भ्रष्टाचार में गले तक डूबी थीं। बंबई उच्च न्यायालय द्वारा सीबीआई को अपने खिलाफ भ्रष्टाचार आरोपों की प्राथमिक जांच की अनुमति देने के बाद देशमुख ने 'नैतिक आधार' के बहाने इस्तीफा दिया था। उनको सर्वोच्च न्यायालय से भी कोई राहत नहीं मिली जिसने बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी तथा एमवीए सरकार की याचिका खारिज कर दी। महाराष्ट्र का घटनाक्रम अपराधियों की बालीवुड कहानी जैसा लगता है जिसमें राजनेताओं, भ्रष्ट अधिकारियों और अपराधियों के बीच गठजोड़ सामने आता है। लेकिन फिल्मों में भ्रष्ट व्यवस्था से लड़ने वाले नायकों के उलट महाराष्ट्र में ऐसा कोई नायक फिलहाल नहीं दिखाई देता है। उम्मीद करनी चाहिए कि सीबीआई और एनआईए द्वारा शिकंजा कसने के बाद एमवीए सरकार के कई अन्य प्रभावशाली नेताओं की असलियत उजागर होगी। रांकापा, कांग्रेस व शिवसेना की इस गठबंधन सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। विपक्ष ने अक्सर आरोप लगाए हैं कि केन्द्र इन एजेंसियों का प्रयोग विरोधियों पर निशाना लगाने तथा बदला लेने के लिए करता है। लेकिन इसके बावजूद यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार में अनेक ऐसे दागी लोग हैं जिनकी उचित जगह विधानसभा के बजाय जेल की सलाखों के पीछे है।

उत्तर कोरिया को लेकर चीन की मंशा

पूरी दुनिया जानती है कि केवल चीन उत्तर कोरिया को बचाए रखता है। पश्चिम में कई लोगों ने चीन पर उत्तर कोरिया के खिलाफ वैश्विक प्रतिबंधों को दरकिनार करने का आरोप लगाया है।

माखन सैकिया
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

यद्यपि उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षा पर अमेरिका और चीन दोनों ने चिंता व्यक्त की है, लेकिन एक ही लक्ष्य के लिए उनके दृष्टिकोण अलग-अलग हैं। अमेरिका चाहता है कि चीन किम पर परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने के लिए दबाव डालने के लिए अपने आर्थिक लाभ का उपयोग करे। हालांकि, शी के तहत चीन केवल वही करने को तैयार है जो उसके हितों के अनुकूल हो चीन ने दुनिया के लगभग सभी कोनों में अपना जाल फैला रखा है। उत्तर कोरिया के साथ, चीन ने स्थिरता का समर्थन करने और इस रहस्यमय भूमि के परमाणु गियर पर पकड़ बनाने के लिए एक अनूठी रणनीति बनाई है।

सफल चीनी नेताओं ने उत्तर कोरिया के प्रति तीन अलग-अलग रणनीतियों को बनाए रखा है- पहला, युद्ध को भड़काने के लिए नहीं; दूसरा, यथास्थिति बनाए रखने के लिए; और अंत में, परमाणु शस्त्रागार के लिए नहीं।

सफलतापूर्वक, चीन उत्तर कोरिया का हर मौसम मित्र है। इस प्रकार, हालांकि बीजिंग उत्तर कोरिया के परमाणु विकास की घोर निंदा करता है, लेकिन यह उस रहस्यमय राष्ट्र पर कठोर वैश्विक प्रतिबंधों का विरोध करता है। और चीन की रणनीति दो प्रमुख महत्वपूर्ण चिंताओं को संबोधित करने के उद्देश्य से है- 870 मील सीमा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर शरणार्थी बाढ़ को रोकने के लिए कि यह उत्तर कोरिया के साथ साझा करता है और किम शासन के तत्काल पतन को रोकता है।

चीन और उत्तर कोरिया के बीच संबंधों को इस चीनी कहावत के माध्यम से स्पष्ट रूप से वर्णित किया जा सकता है : चुन वांग छी हान (यदि होंठ चले गए हैं, तो दांत ठंडे होंगे)। यह सही संकेत देता है कि दोनों देश अंतर-निर्भर हैं। प्योंगयांग के लिए बीजिंग का समर्थन ऐतिहासिक 1950-53 के कोरियाई युद्ध से जुड़ा है। वे दिन थे, चेयरमैन माओ के अधीन चीन, पूंजीवादी दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने उत्तरी कम्युनिस्ट सहयोगी उत्तर कोरिया की सहायता करने के लिए उत्सुक था। उत्तर कोरिया को इसका समर्थन प्योंगयांग में सत्ता में आने के बावजूद जारी है।

1948-94 से किम इल-गाया, किम जॉन-इल (1994-2011) और अब किम जोंग-उन 2011 से आज तक, चीन किम के विभिन्न शासनों को राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह के समर्थन देते रहे हैं।

रिकॉर्ड पर, चीन उत्तर कोरिया का अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वास्तव में, 2000-2020 से, दोनों राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग दस गुना बढ़ गया है। यहां तक कि उत्तर कोरिया के खिलाफ सख्त अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद, चीन-उत्तर कोरिया की लंबी सीमा अभी भी मोबाइल फोन, रेशम के कीड़ों, ईंधन, समुद्री भोजन आदि जैसे वस्तुओं में स्थापित व्यापार मार्गों के लिए खुली है।

इन नियमित आर्थिक गतिविधियों से परे, चीन ने अपने सीमावर्ती शहरों जैसे डंडोंग और शेनयांग के बीच एक उच्च गति रेलवे लिंक स्थापित किया है ताकि उत्तर कोरिया के साथ व्यापार को बढ़ावा दिया जा सके। दोनों राष्ट्रों ने उत्तर कोरिया से चीन को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कार्गो और कंटेनर शिपिंग मार्ग भी खोला है। चीन उत्तर कोरिया को मुख्य रूप से खाद्य और ऊर्जा क्षेत्रों में सहायता प्रदान करता है। चीन, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया ने 1995 के बाद से उत्तर कोरिया को 75 प्रतिशत से अधिक खाद्य सहायता प्रदान की। देश का गंभीर अकाल 1990 के दशक में दस लाख से अधिक लोगों की जान लेने वाले भारी बाढ़ और सूखे के कारण हुआ था। दुर्भाग्य से, देश आज तक इस लंबे खाद्य संकट से बाहर नहीं आ पाया है। इस प्रकार, प्योंगयांग पूरी तरह से चीन और उसकी सद्भावना पर निर्भर है।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा प्रकट अनुमानों के अनुसार, देश की 43 प्रतिशत से अधिक आबादी कुपोषित है। यद्यपि किम जोंग-उन तेजी से आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, लेकिन देश गंभीर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण किसी भी विदेशी निवेश को आकर्षित करने में सक्षम नहीं है। इसकी एकमात्र उम्मीद चीन है और देश पूर्व के साथ मजबूत आर्थिक संबंधों की तलाश कर रहा है।

हालांकि, प्योंगयांग को चीन का समर्थन लगातार जारी था, जब बाद में अक्टूबर 2006 में परमाणु हथियार का परीक्षण किया गया। इसके बाद, बीजिंग को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्प संख्या 1718 को वापस लेना पड़ा जिसके कारण उत्तर कोरिया के खिलाफ गंभीर प्रतिबंध लगाए गए। और पहली बार, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने अपने उत्तरी कम्युनिस्ट पड़ोसी के प्रति एकमुश्त दंड के लिए निरंतर राजनयिक समर्थन से चीन की रणनीति के संक्रमण को देखा। जब नवंबर 2017 में, किम ने फिर से एक मिसाइल का परीक्षण किया, तो बीजिंग ने कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव पैदा करने वाले सभी कार्यों को प्रतिबंधित करने के लिए प्योंगयांग को बुलाया। ये सभी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं कि चीन उत्तर कोरिया के जुझारू कदमों से सावधान है जो दोनों देशों के आपसी हितों के खिलाफ हो सकता है। बीजिंग ने उत्तर कोरिया पर सभी उच्च प्रोफ़ाइल वैश्विक वार्ता के दौरान एक पावरब्रोकर की भूमिका निभाई है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के बीच दो महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलनों के बाद, अंतर्राष्ट्रीय नीति निर्माताओं ने अब तक मुख्य रूप से नाभिकीय चरणों पर ध्यान केंद्रित किया है, कोरियाई प्रायद्वीप में शांति के लिए तत्काल उपाय और अंत में, इसी प्रतिबंधों से राहत मिलती है। हालाँकि, प्योंगयांग एक एशियाई टिंडर बॉक्स बन गया है। किम का पागलपन और गुप्त परमाणु कार्यक्रम पूरे कोरियाई प्रायद्वीप को महाद्वीप के गंभीर युद्ध क्षेत्र में बदल सकता है।

संभवत:, किम वंश से निपटना चीन सबसे अच्छी तरह जानता है। लेकिन फिर कभी-कभी कुछ मूलभूत प्रश्न उठते हैं कि क्या उत्तर कोरिया रणनीतिक दायित्व है या चीन के लिए एक अवसर है। बीजिंग में कम्युनिस्ट नेताओं ने इस तथ्य को महसूस किया होगा कि इसके उत्तरी पड़ोसी को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी संभावित लाभ के लिए इस्तेमाल किया जाना है।

दुनिया ने उत्तर कोरिया को एक राज्य के रूप में ब्रांड किया है, लेकिन बीजिंग किम शासन को अन्यथा लेता है। हालांकि स्पष्ट रूप से चीन ने उत्तर कोरिया के खिलाफ एक ठोस परमाणु राज्य बनने के अपने निरंतर प्रयासों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का समर्थन किया है, अपने वित्तीय और व्यापार समर्थन को सीधे और प्रभावी रूप से लंबे समय तक किम की परमाणु मशीन की सुविधा दी है। इससे उत्तर कोरियाई आर्थिक रूप से अब तक जीवित रहने में मदद मिली है। इसके अलावा, इन चीनी प्रयासों ने अप्रत्यक्ष रूप से दोनों कोरिया के पुनर्मिलन की उम्मीदों को धराशायी कर दिया। अमेरिका सचमुच उत्तर कोरिया पर अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने का दबाव बना रहा है। वाशिंगटन का कहना है कि एक बार यह हो जाने के बाद, दुष्ट राज्य के साथ व्यापार, राजनयिक संबंध, सहायता और संबंधों के सामान्यीकरण की गारंटी हो सकती है। यद्यपि अमेरिका और चीन दोनों ही उत्तर कोरिया को बदनाम करने में रुचि रखते हैं, लेकिन एक ही लक्ष्य के लिए उनके दृष्टिकोण पूरी तरह से अलग हैं। अमेरिका चाहता है कि चीन अपने आर्थिक लाभ का इस्तेमाल दबाव बनाने या किम को परमाणु महत्वाकांक्षा को छोड़ने के लिए मनाए। इस प्रकार वाशिंगटन के अधिकारी चीन को समाधान के एक हिस्से के रूप में देखते हैं लेकिन दुर्भाग्य से बीजिंग तेजी से केवल कोरियाई कोन्ड्रोम का हिस्सा बन रहा है। शी के लिए, चीनी राष्ट्रपति, जो अब एक जीवन-समय के नेता हैं, घरेलू मोर्चे पर ब्राउनी अंक जीतने के लिए उत्तर कोरिया का उपयोग करना चाहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन पूरी तरह से जानते हैं कि केवल चीन इस क्षेत्र में स्थिरता बनाए रख सकता है अगर अभी के लिए कोरियाई पहेली को हल न करें। निश्चित रूप से, बीजिंग इस अवसर का उपयोग अपने पक्ष में अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को चालू करने के लिए करेगा जो लगातार हांगकांग, ताइवान, तिब्बत, शिनजियांग और दक्षिण चीन सागर की तरह शी को परेशान कर रहे हैं।

किम के साथ क्या समस्या है? किम अपने पारिवारिक शासन को बनाए रखना चाहता है। और उसके लिए, परमाणु बटन उसके लिए एकमात्र गारंटी है कि वह अपने वंशानुगत शासन को बनाए रखने और पड़ोसियों और दुनिया को धमकी देने के लिए। उत्तर कोरिया पर लाभ उठाने के बावजूद, चीन और दक्षिण कोरिया किम को वार्ता की मेज पर लाने में विफल रहे हैं। किम पूरी तरह से अपने देश में सुधार लाने के खिलाफ है। इस तरह के सुधार के उपायों से उनके राज पर से पर्दा उठ सकता है। उत्तर कोरिया के कुलीन लोग यह अच्छी तरह से जानते हैं कि इसकी केंद्रीय समस्याएं बाहर नहीं बल्कि भीतर ही हैं। इस प्रकार, वे, किम के साथ, यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई सुधार नहीं हो रहा है, ताकि इसके खराब आबादी पर अपना नियंत्रण जम सके। जाहिर है किम के साथ खोखली शिखर वार्ता नहीं चलेगी। वह परमाणु मोर्चे पर गंभीर बातचीत की मांग करता है। ट्रम्प ने जिस तरह से भव्य इशारों का विस्तार किया, उससे बिडेन के लिए बेहतर है। कई बार, बीजिंग के मालिकों ने किम जोंग-उन के प्रति सख्त रुख प्रदर्शित किया है। लेकिन पश्चिमी देशों, विशेष रूप से, अमेरिका कभी भी चीन के इरादों पर विश्वास नहीं करेगा। क्योंकि कहीं भी चीनी नेतृत्व ने इस पुनरावर्ती राष्ट्र पर सीमित व्यापार प्रतिबंधों को लागू करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संकेत दिया है। और पूरी दुनिया जानती है कि केवल चीन उत्तर कोरिया को बचाए रखता है और सभी बाधाओं के खिलाफ ठीक बचता है। पश्चिम में कई लोगों ने चीन पर उत्तर कोरिया के खिलाफ वैश्विक प्रतिबंधों को दरकिनार करने का आरोप लगाया है।

समाप्त नहीं हुई भारत-पाक शांति की संभावना

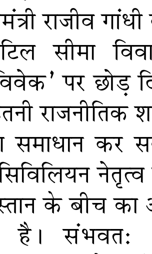

गौरी द्विवेदी
(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सभी जानते हैं कि अनेक नीतिगत मुद्दों पर बार-बार विचार बदलने के कारण पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान वह थोड़ी सी विश्वसनीयता भी खो चुके हैं जो इस देश में सिविलियन सरकारों को मिली थी। यह समझने के लिए भी किसी राजनीतिक विद्वान की जरूरत नहीं है कि वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तरह नहीं हैं जिन्होंने जटिल सीमा विवादों को 'अगली पीढ़ियों के विवेक' पर छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री मोदी को इतनी राजनीतिक शक्ति प्राप्त है कि वे समस्या का समाधान कर सकते हैं। दोनों दुश्मन देशों के सिविलियन नेतृत्व के बीच अंतर से भारत-पाकिस्तान के बीच का अंतर भी समझा जा सकता है। संभवत: वर्तमान शत्रुतापूर्ण परिवेश में व्यापार व खेल संबंधों की बहाली जैसे छोटे कदमों से शांति बहाली की उम्मीद करना सही नहीं होगा। हालांकि, भारत-पाकिस्तान संबंधों में सकारात्मक परिवर्तन के तीन स्पष्ट कारण भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था वर्तमान यथास्थिति नहीं झेल सकती है जिसमें भारत के साथ व्यापार न करना भी शामिल है। इस्लामाबाद ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष-आईएमएफ से 13वीं बार कर्ज लिया है तथा अर्थव्यवस्था भयानक मुद्रास्फीति की शिकार है। गेंहू के बढ़ते आयात से पाकिस्तान का आर्थिक संकट और बढ़ा है। सालों तक आत्मनिर्भर रहने के बाद अब पाकिस्तान को गेंहू आयात करना पड़ रहा है। उसकी तुलना में बांग्लादेश की जीडीपी वृद्धि दर शानदार आठ प्रतिशत है और उसका विदेशी मुद्रा भंडार चार गुना है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने अकारण ही 18 मार्च के भाषण में भू-अर्थव्यवस्था की बात नहीं की है। पाकिस्तान के वर्तमान आर्थिक संकट को किसी लफ्फाजी से नहीं ढका जा सकता है। पाकिस्तानी सेना यह तथ्य ज्यादा अच्छी तरह समझती है क्योंकि वह अर्थव्यवस्था का प्रमुख अंग है। यदि भारत पर 'लगाम लगाने' का भ्रम और रक्षा पर इतना अधिक खर्च न होता तो क्या पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था इसी हाल में होती? शायद भारत के साथ व्यापार शुरू करना संबंध सामान्य बनाने की दिशा में पहला छोटा कदम होगा, लेकिन क्या यह पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए जरूरी है। पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की बदहाली अभी पूरी तरह सामने आना बाकी है। उसे चीन को भारी भुगतान करना है। चीन ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे में भारी निवेश किया है जो बेल्ट एंड रोड इनीशियेटिव का प्रमुख हिस्सा है। चीन एक सूदखोर देश है और वह मित्रों को खैरात देने में विश्वास नहीं करता है। देर-सवेर चीन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति वाले पाकिस्तान में लगाए अपने पैसे की वसूली करना चाहेगा। पाकिस्तानी अवस्थापना के कुछ समझदार लोगों की चिन्ता है कि यदि पाकिस्तान केवल भारत के प्रति घृणा को केन्द्र में न रखता तो बीजिंग से उसके संबंध कैसे होते। ऐसे में उसके चीन के साथ सामान्य संबंध होते और केवल नई दिल्ली को नीचा दिखाने के लिए वह उसका मुहरा न बनता। हालांकि, इस प्रक्रिया में वह चीन का भारी कर्जदार हो गया है। कर्ज का भुगतान अब पाकिस्तान के लिए बड़ा सिरदर्द है।

अफगानिस्तान की घटनाओं पर भी इस्लामाबाद की गहरी नजर है जिनका प्रभाव भारत-पाक संबंधों पर भी पड़ सकता है। कुछ खबरों के अनुसार अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद वहां अराजकता पैदा होने से रोकने के लिए बहुराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र टीम तैनात की जा सकती है। ऐसे में नई दिल्ली का इस टीम में शामिल होना संभव है क्योंकि अमेरिका ने हमेशा भारत से बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद की है। इस्लामाबाद यह स्थिति पसंद नहीं करेगा क्योंकि इससे उसका भू-रणनीतिक महत्व तथा अमेरिका से लेनदेन की क्षमता घटेगी। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अफगानिस्तान के बारे में परोक्ष संवाद हो सकता है जिसमें भारत व पाकिस्तान दोनों अपनी भूमिका निभा सकें।

आखिरकार पाकिस्तान को कश्मीर संबंधी लफ्फाजी से कोई लाभ नहीं हुआ है और अनुच्छेद 370 समाप्त करने के मुद्दे पर उसे विश्व शक्तियों का समर्थन नहीं मिला है। इसके उलट अमेरिका के अफगानिस्तान से जाने के बाद काबुल में अपनी भूमिका से इस्लामाबाद को ज्यादा लाभ मिल सकता है। क्या इमरान खान या उनके सैनिक हुक्मरान कश्मीर मुद्दे को स्थगित रख कर अफगानिस्तान में बड़ी भूमिका निभाना चाहेंगे? क्या वे कश्मीर में युद्धविराम जैसे सकारात्मक कदमों के बदले काबुल का भविष्य तय करने में ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहेंगे?

इन सवालों का जवाब स्पष्ट है, लेकिन इसका क्रियान्वयन भारत व पाकिस्तान के बीच 'अनौपचारिक' वार्ताओं से तय होगा। यह पाकिस्तान में सभी निर्णय लेने वालों के लिए महत्वपूर्ण है, भले ही उनमें इमरान खान शामिल हों या नहीं। जुलाई में पाकिस्तानी सेना और सिविलियन सरकार के कुछ तत्व गिलगिट-बाल्टिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर-पीओके को अपना पांचवां व छठा प्रांत बनाने का मामला उठाएंगे। यदि इमरान ऐसा करते हैं तो नई दिल्ली की प्रतिक्रिया स्वाभाविक रूप से बहुत तीखी होगी क्योंकि भारत सरकार ने इन दोनों क्षेत्रों को वापस लेने की इच्छा व प्रतिबद्धता प्रकट की है। ऐसी स्थिति में भारत व पाकिस्तान के बीच संबंधों में लचीलेपन की संभावना बहुत कम हो सकती है। 5 अगस्त, 2019 के बाद भारत सरकार ने अपना दृष्टिकोण पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि 'अब भविष्य में सारी चर्चा केवल पीओके पर होगी।' पाकिस्तानी सेना की संस्थागत वैधता 'कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए' भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने पर केन्द्रित है। यदि पीओके पाकिस्तानी प्रांत बन जाता है तो दोनों पक्षों की जनता का दबाव इतना अधिक होगा कि संबंधों में आगे बढ़ना असंभव हो जाएगा। इन जटिलताओं को देखते हुए बंद दरवाजों के पीछे व औपचारिक राजनयिक चैनलों से दूर अनौपचारिक वार्ताओं का कोई नतीजा निकलना कठिन है।

इस प्रकार भारत और पाकिस्तान घृणा, दुश्मनी और तनाव झेलने के लिए शायद अभिशप्त नहीं हैं। भारत द्वारा अनेक प्रयासों के पाकिस्तानी आतंकी हमलों के कारण विफल होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्विपक्षीय संबंध सुधार की दिशा में आगे बढ़ने के इच्छुक हो सकते हैं। फिलहाल शांति भले ही भ्रामक लग रही हो, पर यह बात शांति प्रक्रिया के बारे में नहीं कही जा सकती है। सभी आयामों को देखने से स्पष्ट है कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और इससे कुछ मतभेद दूर हो सकते हैं। भले ही इस उप-महाद्वीप की सर्वाधिक जटिल भू-राजनीतिक समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान फिलहाल न दिख रहा हो, पर हमें इस दिशा में बढ़ने की इच्छाशक्ति दिखानी चाहिए।

आप की बात

विधायक भी लगवाएं वैक्सीन

वर्तमान समय में संपूर्ण देशभर में कोरोना संक्रमण का घातक दौर जारी है। इस जानलेवा महामारी से चारो तरफ खौफ़नाफ़ माहौल निर्मित है। कोरोना संक्रमण को परास्त करने के लिए देशभर मे टीकाकरण हो रहा है। और निर्धारित मापदण्डों के अंतर्गत जनता जनार्दन लाभ ले रही है। परन्तु विडम्बना देखिए कि जनता जनार्दन के चुने विधायको को टीकाकरण में दिलचस्पी नजर नही आती। समाचार पत्र से ज्ञात समाचार के आधार पर विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश के बाद भी अभी तक 133 विधायकों ने कोरोना वैक्सीन नही लगवाया। जबकि टीकाकरण प्रदेश में शहर से लेकर गांव कस्बो में सरकार ने टीका केंद्र खुलवाये है। अब समझ से परे लगता है कि आखिर विधायकों की वैक्सीन के प्रति इतनी उदासीनता क्यो... ? सूत्रों द्वारा ज्ञात है कि 229 में से 96 विधायकों ने ही वेक्सीनेशन करवाया है। कोरोना संक्रमण महामारी को देखते हुए विधानसभा सचिवालय ने विधायकों से वेक्सीनेशन नही कराने का कारण पूछा तो विधायकों की तरफ से अजीबोगरीब तर्क मालूम हुए। अब समझ मे नही आता की ये जनता के चुने जन प्रतिनिधियों की इस तरह अनदेखी रहेगी तो आम जनता से क्या उम्मीद कर सकते हैं ?

- **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

न्यायपालिका की क्षमता बढ़ाएं

देरी से मिला न्याय, अन्याय के समान होता है। भारत की न्याय व्यवस्था, विश्व में उदहारण पेश करती है। मौजूदा समय में, सर्वोच्च न्यायालय में 29 जज हैं, जिसको कि बढ़ाकर अधिकतम 34 किया जा सकता है।वही पूरे देश में 25 उच्च न्यायालय हैं, जिसमें करीब 1079 जज हैं। वर्ष 2020 में लगभग 3.65 करोड़ केस थे, जो कि बढ़कर 4 करोड़ हो गए हैं। अपूर्ण केस में लगातर हो रहीं बढ़ोतरी, न्याय पालिका की क्षमता को कम कर रहीं है।ऐसे में न्यायपालिका समेत मौजूदा सरकार और राष्ट्रपति को विशेष ध्यान देना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा था कि अधीनस्थ न्यायतंत्र को पर्याप्त संख्या में न्याय कमरा, मदद के लिए स्टाफ, जज के लिए रहने की व्यवस्था, कम बजट आवंटन जैसी बुनियादी जरूरतों के कमी से केस में लगातर बढ़ोतरी हो रही। अगर अपूर्ण केस को खत्म या फिर पूर्ण करना है तो ई कोर्ट को बढ़ावा देना होगा, लोक अदालत और ग्राम न्यायालय के माध्यम से, तुच्छ व छोटे केस से कोर्ट के समय को बर्बाद न किया जाए। इन मसलों को उसी स्तर पर हल कर लिए जाए, जो आगे के लिए बेहतर और उच्चतम एवं सर्वोच्च न्यायालय पर भार कम रहेगा।

- **अमन जायसवाल,** दिल्ली विश्वविद्यालय

जल्दबाजी न करे अमेरिका

लहूलुहान अफगान से एक और बुरी खबर आई है। अमेरिका वहां शेष बचे अपने सैनिकों की वापसी की योजना बना रहा है हालांकि ऐसा वह आम सहमति से ही करेगा मगर अमेरिका का अफगान से हटना तालिबानियों के हौसले बुलंद करेगा। इससे हिंसा और रक्तपात बढ़ने का अंदेशा रहेगा। अच्छा यही होगा कि ताजा संघर्ष की समाप्ति के बाद ही अमेरिकी सेना वहां से प्रस्थान करें तो स्थाई शांति की उम्मीद बनी रहेगी। लंबे समय से संघर्ष की आग में जल रहा अफगानिस्तान लाखों निर्दोष लोगों की मौत का मंजर देख चुका है। तालिबानियों के घात लगाकर हमले और प्रत्युत्तर में अफगान सरकार की जबरदस्त सैनिक कार्रवाई से निर्दोष मौतें ही हुई है। आधिपत्य की लड़ाई में वहां की जनता फिजूल ही हिंसा की भेंट चढ़ी है। अमेरिका ने वार्ताओं के जरिए मध्यस्थता के प्रयास भी किए मगर चालू वार्ता के बावजूद तालिबानियों के हमले जारी रहे जिससे वार्ता भी सफल नहीं हो पाई है। क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती के कारण तालिबान हल्का पड़ रहा था।

- **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

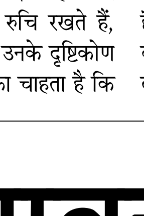

"**सीतलकुची** में नरसंहार हुआ था। मैं सीतलकुची का दौरा करना चाहूंगी। चुनाव आयोग कूच बेहर में प्रवेश प्रतिबंधित कर तथ्यों को दबाने की कोशिश कर रहा है।

- **ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

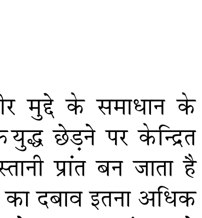

राज्य सरकार राष्ट्रीय राजधानी में लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं है, लेकिन अगर स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त हो गई तो लॉकडाउन एकमात्र विकल्प होगा।

- **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

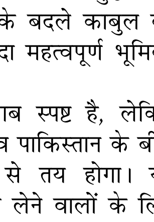

माइक्रो कंटेंनमेंट जोन के बारे में हम कितना जागरूक हैं, इससे हमारी सफलता तय होगी। हमारी सफलता का फैसला हमारे द्वारा किया जाएगा, जब जरूरत न हो तो हम घरों से बाहर कदम न रखें।

- **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री"

कोरोना के पॉजिटिव मामलों में वृद्धि चिंताजनक, एकजुट प्रयासों से नियंत्रण संभव : जैन

पूर्व मीडिया सलाहकार ने किया नि:शुल्क कोविड टीकाकरण शिविरों का शुभारंभ

रणबीर रोहिल्ला। सोनीपत

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव जैन ने रविवार को विभिन्न स्थानों पर कोविड टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने आम जनमानस का आह्वान किया कि वे अनिवार्य रूप से कोविड की वैक्सीन लगवाएं, ताकि इस गंभीर वायरस के फैलाव को रोका जा सके।

शिवा स्कूल में कोविड की वैक्सीन लगवाने वीरेन्द्र बंसल।

अदूद बिरादरी भवन, शिवा स्कूल, धानक चौपाल में लगाया कोविड टीकाकरण शिविर

पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने बतौर मुख्य अतिथि सर्वप्रथम सारंग रोड ऋषि नगर स्थित अदूद बिरादरी भवन में नि: शुल्क नेत्र जांच तथा कोविड टीकाकरण शिविर का शुभारंभ किया। तदोपरांत उन्होंने शिवा शिक्षा सदन, देवडू रोड, कालूपुर स्थित धानक चौपाल सहित कई अन्य स्थानों पर नि: शुल्क कोविड टीकाकरण शिविर की शुरुआत की। जैन ने शिविरों के शुभारंभ अवसर पर आम जनमानस को प्रोत्साहित किया कि वे कोरोना की लड़ाई में एकजुटता के साथ जिला प्रशासन व सरकार का साथ दें। एकजुट प्रयासों से ही इस महामारी को नियंत्रित किया जा सकता है। लोगों को चाहिए कि वे कोविड-19 कोरोना वायरस से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों की गंभीरता व ईमानदारी से पूर्ण अनुपालना करें। इस समय लोगों में लापरवाही देखने को मिल रही है जो कि उचित नहीं है। अब कोरोना वायरस पुन: फैल रहा है, जिस पर रोक लगानी बेहद जरूरी है। जैन ने कहा कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए हमें घर से बाहर निकलते समय अनिवार्य रूप से मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग की अनुपालना करनी चाहिए। सैनेटाइजर का प्रयोग करना चाहिए। बेवजह भीड़ का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। साथ ही हमें कोरोना से संरक्षित रहने के लिए वैक्सीन भी अवश्य लगवानी चाहिए। वैक्सीन नि:शुल्क रूप से लगाई जा रही है। लोगों को इसका पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। वैक्सीन को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहना चाहिए। वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है, जिसके कोई दुष्प्रभाव नहीं है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी वैक्सीन लगवा चुके हैं और पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। इन मौकों पर पार्षद अतुल जैन, विरेंद्र कुमार बंसल, अशोक जैन, दीपक जैन आदि मौजूद थे।

किसानों को नहीं होने दी जाएगी कोई परेशानी: विधायक सुभाष

विधायक सुभाष सुधा ने थानेसर मंडी का किया औचक निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

विधायक सुभाष सुधा ने रविवार को थानेसर अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। विधायक सुभाष सुधा ने मंडी में पहुंचकर गेहूं की ढेरियों का जायजा लिया। बारीकी से खरीद कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान विधायक ने व्यापारियों, किसानों और मजदूरों से उनकी समस्याओं को जाना तथा मंडियों में चल रही खरीद के बारे में फीडबैक भी ली है।

विधायक ने कहा कि राज्य सरकार किसानी और किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार 1 अप्रैल 2021 से रबी खरीद सीजन 2021-22 शुरू हो चुका है। इस सीजन के दौरान किसानों को किए जाने वाले भुगतान में किसी प्रकार की देरी नहीं होगी। यदि भुगतान में देरी होती है तो लगभग 9 प्रतिशत ब्याज (बैंक दर और एक प्रतिशत) के साथ भुगतान किया जाएगा। यह भुगतान किसानों के सत्यापित बैंक खातों में सीधे किया जाएगा।

विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश की मंडियों में पहली बार पारदर्शी और आधुनिक आनलाइन प्रणाली से गेंहू का उठान कार्य किया जा रहा है। इस प्रणाली में जैसे ही व्यापारी क्लिक करता है तो आनलाइन प्रणाली से ट्रांसपोटेशन की एजेंसी के पास रेडी टू लिफ्ट का संदेश पहुंच जाता है, इस संदेश के पहुंचने के बाद गेंहू का उठान कार्य तुरंत किया जा रहा है। इस प्रणाली से उठान कार्य पूर्णत: पारदर्शी हो गया है और अब व्यापारियों को किसी प्रकार का नजराना देने की भी जररुत नहीं पड़ रही है। इस प्रणाली से किसानों के खाते में 72 घंटे के अंदर-अंदर फसल का पैसा जमा करवा दिया जाएगा। इस सीजन में किसी भी किसान, व्यापारी और मजदूर को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। अगर किसी अधिकारी व कर्मचारी ने लापरवाही बरती तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मंडी के प्रधान दयाल चंद ने व्यापारियों की तरफ से राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहली बार गेहूं उठान कार्य को लेकर ठेकेदार को नजराना देने की जररुत नहीं पड़ी है। इससे पहले ठेकेदार को नजराना देकर ही गेंहू का उठान कार्य करवाना पड़ता था। इस बार सरकार की तरफ से खरीद और उठान के पुख्ता प्रबंध किए है। पल्लेदार एसोसिएशन से रामफल ने भी लिफ्टिंग और अनलोडिंग के कार्य को पारदर्शी बनाने पर राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस बार खरीद का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ चल रहा है।

गेहूं की ढेरियों का जायजा लेते विधायक सुभाष सुधा उनके साथ हैं किसान और अन्य लोग।

विभिन्न एजेंसियों ने अब तक खरीदा 83 हजार 306 एमटी गेहूं

गेहूं खरीद के सीजन में अब तक खरीद एजेंसियों द्वारा अलग-अलग खरीद केन्द्रों से कुल 83 हजार 306 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की है। इस जिले में खरीद केन्द्रों पर गेहूं की खरीद का कार्य सुचारु रुप से ल रहा है। इन खरीद केन्द्रों पर किसान अपनी फसलों को लेकर अपने निर्धारित शैडयूल के अनुसार खरीद केन्द्रों पर पहुंच रहे है। इसके साथ मंडियों में आने वाले किसानों व मजदूरों को कोविड-19 की गाईडलाईंस की पालना करने के लिए जानकारी देकर जागरुक भी किया जा रहा है। उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर कहा कि खरीद केन्द्रों पर 10 अप्रैल 2021 तक खरीद एजेंसियां द्वारा 83 हजार 306 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है, जिसमें से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 56 हजार 156 एमटी, हैफेड द्वारा 26 हजार 700, एफसीआई द्वारा 373 व हरियाणा वेयर हाउस द्वारा 77 एमटी गेंहू की खरीद की गई है। उन्होंने कहा कि अमीन मंडी में 415 एमटी, अजराना कलां मंडी में 441 एमटी, बाबैन मंडी में 4024 एमटी, बारना में 243 एमटी, भौर सैयदां में 187 एमटी, बोधनी में 77 एमटी, चढुनी जाटान में 130 एमटी, गुमथला गढु मंडी में 5834 एमटी, इस्माईलाबाद मंडी में 10914 एमटी, झांसा मंडी में 1374 एमटी, कराह साहब मंडी में 2280 एमटी, कुरुक्षेत्र मंडी में 12807 एमटी, लाडवा मंडी में 7750 एमटी, मलिकपुर मंडी में 737 एमटी, नीमवाला मंडी में 878 एमटी, पिहोवा मंडी में 16834 एमटी, पिपली मंडी में 5299 एमटी, शाहबाद मंडी में 9150 एमटी, थाना मंडी में 732 एमटी, ठोल मंडी में 3200 एमटी गेहूं की खरीद की गई है। सभी खरीद केन्द्रों पर गेंहू खरीद का कार्य सुचारु रुप से चल रहा है। सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए है सम्बन्धित खरीद केन्द्रों पर नजर रखे ताकि किसी प्रकार की कोई समस्या ना आए।

करनाल पीडब्लयूडी रेस्ट हाउस में क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनते घरौंडा विधायक हरविंद्र कल्याण।

हरविंद्र कल्याण ने समस्याएं सुनकर अफसरों दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

घरौंडा विधायक हरविंद्र कल्याण ने करनाल पीडब्लयूडी रेस्ट हाउस में खुला दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्या निदान के निर्देश भी दिए। यही नहीं उन्होंने अधिकारियों से ये भी पूछा कि समस्या के समाधान कितना वक्त लगेगा और किस समय तक काम कंपलीट होगा, उसका पूरा ब्यौरा लिखित में उनके पास भेजें।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे हर समस्या को गंभीरता से लेकर उसका समाधान करें क्योंकि मुख्यमंत्री मनोहरलाल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जाने जाते हैं। हर बार की तरह इस बार भी बिजली पानी की समस्या, सड़कों की मरम्मत के अलावा कंबोपुरा में नए कम्युनिटी सेंटर की डिमांड, कंबोपुरा स्कूल के अपग्रेडेशन और कश्यप चौपाल की मरम्मत की मांग भी उठी। मौके पर पुलिस व जमीनी विवाद के मामले भी आए। पानी की निकासी की समस्या, गलियों की मरम्मत की मांग करने पर उन्होंने संबंधित ग्रामीणों से कहा कि उनके क्षेत्र की हर समस्या के समाधान के लिए वे प्रयासरत हैं, उनकी कई मांगों का समाधान जल्द होने वाला है क्योंकि उन्होंने उस पर पहले ही वर्किंग कर दी है।

कहा, मुख्यमंत्री जाने जाते हैं व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए

कला परिषद आयोजित करेगी चित्रकला प्रतियोगिता

कुरुक्षेत्र। हरियाणा कला परिषद निरंतर कला और कलाकारों के संर्वधन व सरंक्षण के लिए प्रयासरत है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से एक ओर जहां कला परिषद द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कला में रुचि रखने वाले युवाओं को भी मंच देकर प्रदेश की संस्कृति को बल मिल रहा है। कोरोना महामारी के कारण लगभग एक साल से सांस्कृतिक गतिविधियों की चाल धीमी होने के बाद हरियाणा कला परिषद ने फिर से रफ्तार पकड़नी शुरु कर दी है। हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने बताया कि शिल्प मेला और नाट्य महोत्सव की सफलता के बाद नवरात्रि व रामनवमी के उपलक्ष्य में नि:शुल्क जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 12 से 18 वर्ष की आयु के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का विषय दुर्गाष्टमी/रामनवमी या कोरोना से छुटकारा रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

ज्योतिबा फुले और बाबा साहेब को जयंती पर किया याद

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ का एक दिवसीय कैडर कैंप में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान डॉ दिनेश नीबड़िया ने की। स्थानीय गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के हॉल में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की आयोजक जिला कार्यकारिणी हजरस कुरुक्षेत्र रही। हजरस ने अपने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले व संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के रूप में भी याद किया। महापुरुषों की विचारधारा के कारण ही हजरस आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर राज्य महासचिव चन्द्र मोहन ने सांगठनिक चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि आज अवसर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लेने का है। हजरस के पूरे प्रदेश में हजारों की संख्या में पदाधिकारी हैं, सभी निष्ठावान हैं आंदोलन में लगे हुए हैं। राज्य प्रधान डॉ दिनेश निंबड़िया ने कहा कि हमारी लड़ाई प्रदेश की गैर बराबरी की व्यवस्था के खिलाफ है। सबके साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए व अधिकार बहाल करने चाहिए। आज प्रदेश में सरकार हमारे साथ गैर बराबरी का बर्ताव कर रही है। इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी से खजान सिंह, दलबीर राठी, देवेन्द्र कटारिया, रविंद्र नरवाल, सुशील कुमार, राजबीर पाई, राजेन्द्र भट्टी, राजेश दहिया, वीरेन्द्र सिंह, राज कु मार तुषार, जिला कोषाध्यक्ष राम दिया बहल, पवन कुमार, राजबीर कोल, राजेन्द्र टंडन, जिला प्रधान नरेश फुले, खंड प्रधान बारू राम, राजकुमार, रामेश्वर, रमेश रंगा, डा.भूपेन्द्र सिंह, सुखदेव गजलाना, राजेश राज, राम कुमार, राजेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

डॉ. अशोक वर्मा दूसरी बार बने प्रधान

कुरुक्षेत्र। तीन वर्ष का निश्चित कार्यकाल पूरा होने पर हरियाणा पुलिस रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र का पुनर्गठन किया गया। जिला पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र में डॉ. सत्य नारायण शर्मा के पर्यवेक्षण में रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र के प्रधान डॉ. अशोक कुमार वर्मा और कार्यकारिणी ने अपना त्यागपत्र दिया। तत्पश्चात सर्वसहमति से हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा को पुन: आगामी तीन वर्षों के लिए रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र का प्रधान नियुक्त कर उन्हें कार्यकारिणी के विस्तार की शिक्त प्रदान की गई। डॉ. अशोक वर्मा की अध्यक्षता में राजकुमारी पंवार और कर्म चंद को वरिष्ठ उपप्रधान, शिक्षक भारतेन्दु हरीश को उपप्रधान, पुलिस उप निरीक्षक भीम सिंह को महासचिव, पंकज ठकराल को सचिव, नरेश सैनी को अंकेक्षक, डॉ. अरुण धीमान को कोषाध्यक्ष, विश्व बेदी को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

देवी नवरात्र को लेकर किला सिखां में प्रभात फेरी आज

कुरुक्षेत्र। श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर शाहबाद मारकंडा में प्राचीन वार्षिक देवी मेला 19 से 22 अप्रैल तक लगेगा। मंदिर प्रबंधन समिति के प्रधान पवन कुमार गर्ग ने बताया कि मेले के दौरान चारों दिन नगर में सुंदर-सुंदर झांकियां निकाली जाएंगी। भंडारा भी नियमित रूप से चलेगा। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान 20 अप्रैल अष्टमी के दिन रात्रि में मां भगवती जागरण होगा। 26 अप्रैल को सुबह हवन के उपरांत माता की कढ़ाई का प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेले को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है और विभिन्न प्रदेशों से श्रद्धालु महामाई के दर्शन करने के लिए यहां पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि मेले को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और प्रभात फेरिया भी निकाली जा रही हैं, जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं को मेले का न्योता दिया जा रहा है। गर्ग ने बताया कि इसी श्रृंखला में सोमवार की प्रभातफेरी किला सिखां में जसपाल सिंह दुग्गल के निवास पर जाएगी।

कोरम पूरा न होने के चलते बैठक हुई स्थगित

सोनीपत। दी अम्बेडकर एजुकेशनल सोसायटी ककरोई रोड की आम सभा की बैठक डॉ. अम्बेडकर भवन में प्रात: 09 बजे आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सोसायटी के प्रधान सत्यवान भाटिया ने की। कोरम पूरा ना होने के कारण बैठक को स्थगित कर दिया गया। सोसायटी के सचिव राजेश कटारिया ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों को बताया कि आम सभा की अगली बैठक 02 मई 2021 को प्रात: 9 बजे डॉ अम्बेडकर भवन में आयोजित की जाएगी। जिसमें वर्ष 2019-20 व 2020-21 का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जायेगा। सोसायटी द्वारा अपने स्तर पर 14 अप्रैल को बाबा साहेब डा. अम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। बैठक में पदाधिकारियों ने कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया

बैसाखी मनाने के लिए पाकिस्तान की यात्रा पर जत्था कुरुक्षेत्र से रवाना

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्रीअमृतसर द्वारा बैसाखी पर पाकिस्तान धार्मिक यात्रा के लिए हरियाणा की संगत का जत्था कुरुक्षेत्र से रवाना हुआ। इससे पहले धर्मनगरी के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के समक्ष संगत ने शीश नवा कर हाजरी भरी।

इसके उपरांत शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर की कार्यकारिणी समिति के मेंबर जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना, धर्म प्रचार कमेटी के मैंबर तजिंदर पाल सिंह लाडवा, जसबीर सिंह मसाना, एसजीपीसी सचिव डा. परमजीत सिंह सरोहा, सिख मिशन हरियाणा प्रभारी मंगप्रीत सिंह, सब-आफिस प्रभारी परमजीत सिंह दुनियामाजरा, गुरुद्वारा साहिब के मैनेजर अमरिंदर सिंह, हरकीरत सिंह और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेताओं ने एसजीपीसी सब-आफिस कुरुक्षेत्र से इस जत्थे को रवाना किया। जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना ने बताया कि पाकिस्तान धार्मिक यात्रा के लिए 52 लोगों ने आवेदन करते हुए अपने पासपोर्ट जमा करवाए थे, लेकिन इनमें से 39 लोगों के ही वीजा लग पाए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो लोग इस यात्रा से वंचित रह गए हैं, पाकिस्तान में सुशोभित गुरुद्वारा साहिबान के दर्शन के लिए उन्हें यह मौका दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस जत्थे को श्रीअमृतसर तक ले जाने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्रीअमृतसर द्वारा निशुल्क बस सेवा मुहैया करवाई है। एसजीपीसी हैड ऑफिस अमृतसर से आई बस में इस जत्थे को अमृतसर भेजा जाएगा और फिर वहां से यह जत्था पाकिस्तान के लिए 12 अप्रैल को रवाना होगा।

जत्थे को रवाना करते एसजीपीसी कार्यकारिणी समिति मेंबर जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना और अन्य।

सिद्धपीठ तीर्थ सतकुंभा धाम पर सोमवती अमावस्या पर भरेगा मेला

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

शहर से 24 किलोमीटर दूरी पर स्थित खेड़ी गुज्जर के टीले पर सिद्धपीठ तीर्थ सतकुंभा धाम है। लगभग 800 साल पहले बसे खेड़ी गज्जर के तीर्थ स्थल को पुरातत्व विभाग के रिकार्ड में दर्ज किया गया है।

सतकुंभा मेले में आसपास क्षेत्र के गांवों के अलावा दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग यहां दर्शन और स्नान करने के लिए आते हैं। सोमवती अमावस्या 12 अप्रैल को सतकुंभा धाम पर मेला भरेगा और भंडारा आयोजित किया जाएगा। जिला सोनीपत की प्राचीन ऐतिहासिक सांस्कृतिक विश्वविख्यात 68 तीर्थो में पुण्यदायक सिद्धपीठ तीर्थ सतकुंभा धाम पर आज सोमवार को सोमवती अमावस्या पर मेला लगेगा। सतकुम्भा धाम के प्रबंधक सूरज शास्त्री ने बताया कि अपने पितरों की मोक्ष कामना के लिए स्नान करें। महाकुंभ हरिद्वार स्नान का पुण्य सतकुंभा तीर्थ में स्नान करके करें। सूरज शास्त्री ने बताया कि श्रद्धालु बहुत दूर-दूर से सतकुंभा धाम पर पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के लिये सतकुंभा तीर्थ में साफ जल की व्यवस्था की गई है और नि:शुल्क पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

बिजली बिलों में सिक्योरिटी राशि लेने को देंगे चुनौती

सिरसा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी कानूनी प्रकोष्ठ के जिला चेयरमैन आरपी शर्मा एडवोकेट ने बिजली निगम के बिलों के हिसाब से पुन: दो प्रतिशत सिक्योरिटी राशि लेने की निंदा करते हुए इसे विद्युत उपभोक्ताओं के हितों पर कुठाराघात बताया है। आरपी शर्मा एडवोकेट ने कहा कि यदि समय रहते हुए सरकार व बिजली निगम ने यह फैसला वापस न लिया तो कांग्रेस का कानूनी प्रकोष्ठ इस निर्णय को हरियाणा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन में चुनौती देगा।

केएमबीएल ने लगातार दूसरे वर्ष दिल्ली कैपिटल्स का गौरवशाली आधिकारिक पार्टनर बनने की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा / गाजियाबाद।

कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड (केएमबीएल) ने लगातार दूसरे वर्ष दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का गौरवशाली आधिकारिक पार्टनर बनने की आज घोषणा की। बीते साल कोटक मायटीम इमेज कार्ड को डीसी फैन्स की जो उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली। उससे प्रोत्साहित होकर केएमबीएल इस वर्ष मायटीम कार्ड की दूसरी इनिंग पेश कर रहा है- क्रिकेट थीम वाले डेबिट व क्रेडिट कार्ड्स की यह रेंज खास तौर पर डीसी फैन्स के लिए डिजाइन की गई है।

कोटक मायटीम इमेज क्रिकेट एडिशन रेंज के डेबिट व क्रेडिट कार्ड्स पर खिलाड़ियों की आकर्षक तस्वीरें हैं, दिल्ली कैपिटल्स का लोगो और वाटरमार्क है। डीसी टीम के आधिकारिक रंग भी हैं, जो इन कार्ड्स को हर डीसी सपोर्टर का बेहतरीन ईनाम बना देते हैं। कोटक मायटीम इमेज कार्ड केवल रु. 199 की विशेष कीमत पर उपलब्ध है।

दिल्ली कैपिटल्स का गौरवशाली आधिकारिक पार्टनर बनने की आज घोषणा की

पुनीत कपूर, प्रेसिडेंट- प्रोडक्ट्स, आल्टरनेट चैनल्स और कस्टमर ऐक्सपीरियेंस डिलिवरी, कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड, ने कहा, ''दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपनी सहभागिता की घोषणा करते हुए हम बहुत खुश हैं। पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर इंग्लैंड के साथ रोमांचक श्रृंखला के बाद हमारे देशवासी और ज़्यादा क्रिकेट के लिए तैयार हो चुके हैं क्योंकि यह ऐसा देश है। जहां लोग क्रिकेट को भोजन-पानी सा मानते हैं, जिनके श्वास में क्रिकेट है, जो क्रिकेट को जीवन मानते हैं। और ऐसे में कोटक क्रिकेट प्रशसंकों के लिए खुश कर देने वाली पेशकश लेकर आया है। डीसी फैन्स कोटक मायटीम कार्ड के रूप में अपनी पसंदीदा टीम की निशानी साथ रखकर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई कर सकते हैं।''

दिल्ली कैपिटल्स के अंतरिम सीईओ विनोद बिष्ट ने कहा, ''दिल्ली कैपिटल्स एक बार फिर कोटक महिन्द्रा बैंक का पार्टनर बन कर बेहद प्रसन्न है। पिछले साल हमारी टीम लगभग पूरे टूर्नामेंट में टिकी रही और हम उम्मीद कर रहे हैं कि 2021 में हम बेहतर करेंगे। कोटक जैसे प्रतिष्ठित नाम का हमारे साथ जुड़ना खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाता है। दोनों पक्ष मिलकर प्रशंसकों की खुशी दोगुनी करना चाहते हैं- यानी एक ओर मैदान पर प्रदर्शन और दूसरी ओर कोटक के इनोवेटिव दिल्ली कैपिटल्स इमेज डेबिट व क्रेडिट कार्ड, जो प्रत्येक डीसी प्रशंसक के पास होने ही चाहिए।''

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा
हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

मिल जाएंगी मंजिलें अगर चलने का है हौसला,
तिनके जोड़ने की है हिम्मत तो बना लेंगे अपना घोंसला,
राहों में फूल ही रह जाएंगे जब कांटों को चुन लेंगे,
थक कर बैठने की बजाय जब चलने की धुन लेंगे।

हिंदू नववर्ष विक्रमी संवत पर होगी भव्य आतिशबाजी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

दुबई के बुर्ज खलीफा जैसी भव्य आतिशबाजी इस बार 13 अप्रैल को हिंदू नववर्ष विक्रमी संवत पर हरियाणा के एकमात्र प्राचीन शक्तिपीठ श्रीदेवी कूपमां भद्रकाली मंदिर के 108 फुट ऊंचे गुंबद पर नजर आएगी। प्रथम नवरात्र को रात्रि आठ बजते ही भव्य आतिशबाजी शुरू होगी। यह पांच मिनट तक चलेगी।

यह आतिशबाजी न केवल मंदिर परिसर बल्कि दूर-दूर तक दिखाई देगी। यह आतिशबाजी ऑटोमेटिक रिमोट कंट्रोल से चलेगी। जो चारों दिशाओं में अपनी रंग बिरंगी रोशनी बिखेरेगी। पटाखे एक्सपर्ट की पांच सदस्यीय टीम रविवार को मंदिर परिसर में पहुंच जाएगी। टीम तीन दिन इसकी तैयारियां करेगी। शोभायात्रा ज्योति प्रतिस्थापना के पश्चात महाआरती होगी, जिसके बाद मंदिर के गुंबद पर इस भव्य नजारे को देखा जा सकेगा। मंदिर पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा ने बताया कि दुबई में नववर्ष पर हर साल बुर्ज खलीफा पर आतिशबाजी देखने के लिए हजारों की संख्या में भारतीय जाते हैं। उसी प्रकार नए साल पर इस तरह का आयोजन अब श्रीदेवीकूप मां भद्रकाली मंदिर में हर साल किया जाएगा। यह विक्रमी संवत के मुताबिक हिंदू नूतन वर्ष का पहला दिन हिंदुओं को गौरवान्वित कराने वाला दिन होता है, जिसे भव्य रूप से मनाया जाएगा।

ऐतिहासिक भद्रकाली मंदिर की 108 फुट ऊंची गुंबद दिखेगी रंगबिरंगी

सोनीपत में आठवीं कक्षा तक के स्कूल 30 अप्रैल तक बंद

कोरोना की रोकथाम को स्कूलों में निर्देशों का करें अनुपालना: उपायुक्त

निर्देशों की अवहेलना करने वालों पर होगी होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने राजकीय तथा निजी विद्यालयों में कोविड-19 कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए जारी दिशा-निर्देशों की पूर्ण अनुपालना पर बल दिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि निर्धारित निर्देशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त पूनिया ने कहा कि 30 अप्रैल तक पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल बंद किये गये हैं, किंतु इस दौरान शिक्षकों को नियमित रूप से स्कूलों में आना होगा। स्कूलों में दाखिले, परीक्षा परिणाम तैयार करने तथा अन्य आवश्यक प्रशासकीय कार्यो के समय पर निपटान के लिए शिक्षकों को नियमों की अनुपालना करते हुए स्कूलों में आना होगा। विद्यालयों में कोरोना वायरस से बचाव के सभी प्रबंध किये जायें। शिक्षण तथा गैर-शिक्षण कर्मचारी मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग की पूर्ण अनुपालना करें। सैनेटाईजेशन, हाथों को धोने और स्वच्छता रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उपायुक्त ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र तथा ऋच भी 30 अप्रैल तक बंद करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि इस समयावधि के दौरान केंद्रों को लॉकडाउन के समय की भांति चलाया जाए। सप्लिमेंट्री न्यूट्रिशन वितरण कार्यक्रम जारी रखा जाए। विभागीय योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को दिया जाए, किंतु इस दौरान एक समय में किसी भी केंद्र में 20 से अधिक व्यक्ति एकत्रित न हों। कोरोना से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों की पूर्ण अनुपालना की जाए। आगंतुकों को मास्क के प्रयोग के साथ सोशल डिस्टेंसिंग की अनुपालना करनी होगी।

हनुमान गोदारा बने भाजपा के बड़ागुढ़ा मंडल के अध्यक्ष

सिरसा। कालांवाली को-आपरेटिव मार्केटिंग कम प्रोसेसिंग सोसायटी के चेयरमैन हनुमान गोदारा ख्योवाली को बड़ागुढ़ा मंडल का प्रधान नियुक्त करने पर उनके समर्थकों ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई और भाजपा हाईकमान का आभार व्यक्त किया। वहीं दूसरी तरफ पूर्व विधायक बलकौर सिंह ने भी नव नियुक्त मंडल प्रधान हनुमान गोदारा को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। इस मौके पर इकबाल सिंह, गुरसेवक सिंह, शंटी सिंह, डीसी सिंह आदि मौजूद थे। उनकी नियुक्ति पर कालांवाली मंडल के प्रधान राजू सोनी व चेयरमैन नरेश गर्ग की अगुवाई में समर्थकों ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई।

संक्षिप्त समाचार

देवसर दुर्गा माता मंदिर में भंडारे की अनुमति नहीं

भिवानी। नवरात्रों के अवसर पर 13 अप्रैल से 26 अप्रैल तक दुर्गा माता मंदिर देवसर में लगने वाले मेले में कोरोना महामारी संक्रमण से बचाव के मद्देनजर श्रद्धालुओं के लिए मास्क पहनना और दो गज की दूरी बनाए रखना जरूरी है। मेले के दौरान प्रसाद व जल वितरिण तथा भंडारा लगाने पर प्रतिबंद रहेगा। पूजा के लिए मंदिर में पांच से अधिक व्यक्तियों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। जिलाधीश जयबीर सिंह आर्य ने राज्य आपदा प्रबंधन के निर्देशों की अनुपालना में जिला में नागरिकों के कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए ये आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा है कि नवरात्रों में लगने वाले मेले के दौरान भीड़ से कोरोना महामारी संक्रमण फैलने से इंकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे में मेले के दौरान श्रद्धालुओं को हर हाल में मास्क पहनना होगा और दो गज की दूरी बनाए रखनी होगी। मेले में प्रसाद व पवित्र जल वितरण पर पाबंदी होगी। इसी प्रकार से मेले में एकत्रि होकर आरती भी नहीं की जा सकेगी। पूजा अर्चना के लिए व्यक्तिगत रूप से आरती की जा सकेगी। मेला प्रबंधन समिति द्वारा मेले के दौरान मंदिर परिसर को सेनीटाईज करवाना होगा। आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए जिलाधीश श्री आर्य ने पुलिस विभाग, उपमंडल अधिकारी ना., संबंधित इंसीडेंट ऑफिसर, सचिव नगर परिषद और मंदिर प्रबंधन को निर्देश जारी किए हैं।

कुरुक्षेत्र में कोरोना से संक्रमित 194 नए केस सामने आए

कुरुक्षेत्र। जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र से 159 मरीजों को ठीक होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके साथ-साथ कुरूक्षेत्र में कोरोना से संक्रमित 194 नए केस सामने आए है। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक 11091 मरीज ठीक होकर घर लौट गए है। अहम पहलू यह है कि अभी तक लिए गए 268422 में से 254165 सैम्पलों की रिपोर्ट नेगटिव आ चुकी है। जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने देर सायं जारी एक हेल्थ बुलेटिन में कहा कि कुरुक्षेत्र में अलग-अलग जगहों से कोरोना वायरस से संक्रमित 194 नए केस सामने आए है और कुरुक्षेत्र में 159 मरीजों की कोरोना रिपोर्ट नेगटिव आने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है। कोरोना पाजिटिव गांव दयालपुर कुरुक्षेत्र निवासी 70 वर्षीय एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। इस जिले में अब तक 12661 पॉजिटिव केस सामने आ चुके है। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस की जांच के लिए इस जिले से अब तक 268422 में से 254165 सैम्पल की रिपोर्ट नेगटिव आ चुकी है। इनमें से 11091 मरीज ठीक होकर घर जा चुके है और 157 कोरोना पाजिटिव मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस के 1413 एक्टिव केस है।

राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में प्रतिभा दिखाएगा हरजीत सिंह

सिरसा। जयपुर में हुई 40वीं नॉर्थ जॉन शूटिंग चैंपियनशिप में गांव बणी के पिस्टल शूटर हरजीत सिंह ने निशानेबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है। हरजीत सिंह ने 10 मीटर पिस्टल शूटिंग में अपने सटीक निशाने से 400 में से 374 का बेहतरीन स्कोर हासिल किया और 50 मीटर पिस्टल शूटिंग में भी शानदार प्रदर्शन किया। हरजीत सिंह का नेशनल के लिए क्वालीफाई करना गांव और जिला के लिए बहुत ही गौरव की बात है। हरजीत सिंह के पिता जगपाल सिंह एक किसान हैं। उनका सपना है कि हरजीत सिंह देश के लिए खेले। कोच कैप्टन गुरपाल सिंह ने हरजीत सिंह की सफलता पर कहा कि हरजीत सिंह मेहनती है और उन्हें उम्मीद है कि वह नेशनल चैंपियनशिप में भी सटीक निशाने लगाएगा।

सीआईडी ने दिया था विरोध होने का इनपुट

किसानों की चेतावनी से बैकफुट पर सरकार

किसान संगठनों ने किया था सोनीपत में सीएम के समानांतर कार्यक्रम का ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

किसान संगठनों द्वारा विरोध किए जाने के ऐलान के बाद मनोहर सरकार बैकफुट पर आ गई है। सरकार ने अंबेडकर जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को रद् कर दिया है। अब आयोजन को लेकर सोमवार को दोबारा मंथन किया जाएगा। यह फैसला किसानों द्वारा मंत्रियों का विरोध किए जाने तथा सोनीपत में सीएम के समानांतर कार्यक्रम आयोजित करने के ऐलान के बाद किया गया।

पिछले कई माह से मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व मंत्रियों का सार्वजनिक कार्यक्रमों में विरोध हो रहा है। मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों को कई बार कार्यक्रम रद्द भी करने पड़े हैं। पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री आवास पर हुई मंत्री समूह की अनौपचारिक बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा के बाद अंबेडकर जयंती पर एक साथ प्रदेशव्यापी कार्यक्रमों का फैसला किया गया था।

मंत्री समूह की बैठक के बाद गृहमंत्री अनिल विज ने मुख्यमंत्री व मंत्रियों के कार्यक्रमों को लेकर पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था के भी निर्देश जारी किए थे। जिसके चलते नौ अप्रैल को निदेशक अनुसूचति जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने प्रदेश में होने वाले कार्यक्रमों को लेकर पत्र जारी किया था। सोनीपत के बड़ोली में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बतौर मुख्य अतिथि शामिल होना था।

14 अप्रैल को करीब दो माह के अंतराल के बाद पहली बार सरकार के सभी मंत्रियों को एक साथ फील्ड में उतरना था।

इस बीच शनिवार को प्रदेश के कई किसान संगठनों ने मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों के कार्यक्रमों के विरोध का ऐलान कर दिया। एक तरफ सरकार द्वारा अंबेडकर जयंती कार्यक्रमों की तैयारी की जा रही थी तो दूसरी तरफ किसान संगठनों ने विरोध को लेकर बैठकें शुरू कर दी थी। किसान संगठनों ने सोनीपत में समानांतर कार्यक्रम करने का ऐलान कर दिया था।

इस बीच शनिवार की रात सीआईडी ने सीएम, डिप्टी सीएम व मंत्रियों के विरोध को लेकर इनपुट जारी कर दिया। जिसके बाद रविवार को अनुसूचति जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने फिर से एक पत्र जारी करके 14 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है। अब अंबेडकर जयंती समारोह को लेकर सोमवार की बैठक में फैसला होगा।

रोहतक में भी सीएम का रद्द हुआ कार्यक्रम

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को रविवार को रोहतक पीजीआई में होने वाले कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेना था। इस कार्यक्रम को लेकर भी कई संगठनों द्वारा विरोध का ऐलान किया था। सरकार द्वारा अधिकारिक तौर पर कोरोना का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया।

धूमधाम से मना भारतीय योग संस्थान का स्थापना दिवस

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

भारतीय योग संस्थान का 55वां स्थापना दिवस देश विदेश में बड़ी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के मुख्यालय रोहिणी, दिल्ली में आयोजित भव्य एवं उत्कृष्ट कार्यक्रम को आज प्रात: 7 बजे से देश-विदेश के साधकों ने संस्थान के यूट्यूब चैनल के माध्यम से देखा। भारतीय योग संस्थान के संस्थापक ब्रह्मलीन श्रद्धेय प्रकाश लालजी का जीवन सादगी से परिपूर्ण था। उनमें ये सभी सद्‌गुण उनमें कूट-कूट कर भरे थे।

भीष्म जिले के कार्यक्रम में डॉ. मोहित गुप्ता, कृष्ण जिले के जिंदल पार्क में संरक्षक गोविंद लाल सेतिया, हरिओम मंदिर में पूर्व प्रांतीय संगठन मंत्री डॉ. मनीष कुकरेजा, अर्जुन जिले में सेक्टर-7 में प्रांतीय प्रधान ओम प्रकाश, योग भवन में अन्नपूर्णा शर्मा, ब्रह्मसरोवर जिले में प्रांतीय प्रधान ओम प्रकाश एवं जिला प्रधान कमला देवी, करण जिले में पूर्व प्रधान के के कौशल मुख्य अतिथि थे। हरियाणा के अन्य स्थानों जैसे रोहतक, जींद, जुलाना, भिवानी, हिसार, उकलाना, अंबाला शहर नीलकंठ व अर्बन, अंबाला कैंट, करनाल, पानीपत, मडलोडा, सफीदों, सोनीपत, यमुनानगर, कैथल, नरवाना, फतेहाबाद, सिरसा, लाडवा, शाहबाद सहित सभी स्थानों पर स्थापना दिवस प्रांतीय जिला एवं जोन अधिकारियों के सुयोग्य मार्गदर्शन में बड़ी सादगी एवं श्रद्धा से उत्साह पूर्वक मनाया गया।

कर्मचारियों ने कृषिमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया, सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

हुडडा पार्क में एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा सम्बंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फैडरेशन के आह्वान पर झज्जर व भिवानी जिले के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर स्थानीय हुडडा पार्क में एकत्रित हुए तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

विरोध प्रदर्शन की संयुक्त अध्यक्षता मा. सुखदर्शन सरोहा व रामबीर सिंह द्वारा की गई तथा संचालन संगठन सचिव सहदेव रंगा ने किया। कर्मचारी अपनी मांगों की फटटी व बैनर लेकर हुडडा पार्क से बासिया भवन, रेस्ट हाऊस, पुलिस लाइन होते हुए कृषिमंत्री आवास पर पहुंचे। पुलिस प्रशासन द्वारा बैरीगेट लगाकर कर्मचारियों को रोकना चाहा लेकिन कर्मचारी नहीं रूके तथा बैरीगेट हटाकर मंत्री आवास पर पड़ाव डाल दिया। कृषिमंत्री की अनुपस्थिति में उनके पीए को 21 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया गया।

कोरोना रोकने के लिए सभी पात्र लगवाएं वैक्सीन: सुधा

विधायक ने सेंट थॉमस स्कूल से किया टीका उत्सव का शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कोरोना वैक्सीन लगवाते लाभार्थी।

विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी को रोकने के लिए पूरी दुनिया के पास सिर्फ टीकाकरण ही एकमात्र विकल्प है, इसलिए कोरोना को हराने के लिए सभी लोगों को टीका लगवाने का संकल्प लेना चाहिए। यह टीकाकरण पूर्णत: सुरक्षित है और किसी को घबराने की जरुरत नहीं है।

विधायक सुभाष सुधा रविवार को सेंट थॉमस कान्वेंट स्कूल में स्कूल प्रबंधक कमेटी व लॉटस आरडब्लयूए के तत्वावधान में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से टीका उत्सव को लेकर टीकाकरण शिविर का शुभारम्भ अवसर पर बोल रहे थे। इससे पहले विधायक सुभाष सुधा, केडीबी के सीईओ अनुभव मेहता, स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक डा. जगदीप सिंह, सेंट थॉमस कान्वेंट स्कूल की प्रबंधक निदेशक अंजली मरवाह, सीएमओ डा. सुखबीर सिंह, डिप्टी सीएमओ डा. अनुपमा सैनी, आरडब्लयूए के प्रधान राममूर्ति शर्मा ने विधिवत रुप से भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर व महात्मा ज्योतिबा फुले को समर्पित टीका उत्सव का रिब्बन काटकर शुभारम्भ किया। इस दौरान विधायक व अन्य मेहमानों ने टीका लगवाने वाले लोगों से बातचीत की और उनका उत्सावर्धन किया तथा टीका लगने के बाद लोगों से उनके अनुभवों को भी सांझा किया। इसके साथ ही विधायक ने पंजीकरण से लेकर टीकाकरण प्रक्रिया का अवलोकन किया।

दादूवाल को गुरुद्वारा थडा साहिब में घुसने नहीं दिया जाएगा

गुरुद्वारा थडा साहिब झीवरेहडी में हुई बैठक में उपस्थित सिख समाज के लोग।

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

गुरुद्वारा थडा साहिब झीवरेहडी में लगभग एक महीने बाद फिर गुरुद्वारे की लोकल कमेटी व हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के बीच गुरुद्वारे पर अपनी दावेदारी जताने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सोमवार को हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष बलजीत सिंह दादूवाल द्वारा गुरुद्वारा थडा साहिब झीवरेहडी में आने की घोषणा किये जाने के बाद मामला गहरा गया है। दादूवाल के झीवरहेडी गुरुद्वारे में पहुंचने की सूचना मिलने पर रादौर क्षेत्र की बड़ी संख्या में संगत रविवार को गुरुद्वारा पहुंची और मामले को लेकर चर्चा की।

इस अवसर पर आयोजित बैठक में हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की 11 सदस्यीय अंतरिम कमेटी के सदस्य अपार सिंह किशनगढ़ ने बैठक में कहा कि बलजीत सिंह दादूवाल को गुरुद्वारा थडा साहिब में घुसने नहीं दिया जायेगा। संगत दादूवाल को काले झंडे दिखाकर उसका जोरदार विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी कमेटी दादूवाल को अपना अध्यक्ष मानने से इंकार करती है। 13 मार्च को दादूवाल भारी संख्या में पुलिसबल लेकर गुरुद्वारा थडा साहिब में पहुंचे थे। इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को भारी ठेस पहुंची है। उधर सोमवार को दादूवाल के गुरुद्वारा थडा साहिब पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद कमेटी के सदस्य अपार सिंह किशनगढ़ व लोकल कमेटी के प्रधान गुरबाज सिंह बडैच ने जिला पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल से बात की। उन्होने कहा कि दादूवाल के गुरूद्वारे पहुंचने पर बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। इसलिए प्रशासन उन्हें गुरुद्वारे पहुंचने से रोके। जिसके बाद पुलिस के बड़े अधिकारी मामले को लेकर गंभीर हुए और दादूवाल से बात कर उन्हें सोमवार को गुरुद्वारा थडा साहिब न आने बारे कहा गया है। जिससे दोनों पक्षों में बड़ा विवाद हो सकता है। उल्लेखनीय है कि 13 मार्च को हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष बलजीत सिंह दादूवाल भारी पुलिस बल के साथ गुरुद्वारा थडा साहिब झीवरेहडी पहुंचे थे। इस दौरान गुरूद्वारे में लोकल कमेटी व हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के बीच गुरुद्वारे पर नियंत्रण को लेकर घंटों बैठक चली थी।

सलारपुर रोड पर निर्माण कार्य धीमा होने से आमजन खासे परेशान

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

सड़क के बीच खोदे गए नाले को दिखाते एडवोकेट अंकित गुप्ता।

ऑल इंडिया लॉयर्स फौरम के हरियाणा स्टेट सेक्रेटरी एवं हरियाणा प्रदेश अग्रवाल वैश्य सम्मेलन के जिलाध्यक्ष एडवोकेट अंकित गुप्ता ने कहा कि प्रशासन द्वारा लाला लाजपत राय रोड (सलारपुर रोड) पर सड़क के बीच में नाले का निर्माण करने के लिए जो सड़क मार्ग बंद किया गया है।

अब यह समस्या बहुत ही गंभीर होती जा रही है क्योंकि अब मंडियों में गेहूं आ रहा है, सड़क मार्ग बंद होने के कारण इसका जाने का रास्ता बदलकर हरगोबिंद नगर व कृष्णा नगर गामडी से भी किया गया है, जहां सड़क पहले से ही टूटी हुई है, और गड्ढे बने हुए हैं तथा कोई ना कोई हादसा होता रहता है जबकि प्रशासन को चाहिए था कि अगर मेन रास्ता बंद करना था तो इतना अल्टरनेटिव रास्ते की रिपेयर कराई जानी चाहिए थी, ताकि वहां से वाहन निकलने का कार्य सुचारु रुप से होता रहता, अब यहां कालोनी में से गेहूं भरे हुए वाहन जाने से और भी ज्यादा हादसे का खतरा हो सकता है। अंकित गुप्ता ने कहा कि प्रशासन द्वारा इस उपरोक्त लाला लाजपत राय रोड पर बीच नाले निर्माण करने के लिए 15 दिन का समय मांगा था, जो कि अब लगभग दो महीने का समय हो गया है।

बाबा साहेब के संविधान से पा सकते हैं सर्वोच्च पद: प्रदेशाध्यक्ष

पीएल वर्मा। कैथल

संविधान के मुख्य शिल्पकार हैं भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर : राज्यमंत्री

हरियाणा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने ऐसे संविधान का निर्माण किया है। जिसके प्रावधानों से साधारण से साधारण व्यक्ति भी देश का सर्वोच्च स्थान हासिल कर सकता है।

उन्होंने समाज को शिक्षित, संगठित और संघर्ष करने का आह्वान किया, जिसका अनुसरण करके समाज आगे बढ़ रहा है और बुलंदियों को छु रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ डॉ. भीम राव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष में सिरटा रोड स्थित वाल्मीकि सामुदायिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इसके साथ-साथ सांसद नायब सैनी, विधायक लीला राम, जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, एडवोकेट वेद प्रकाश, जिला प्रभारी कर्ण सिंह रानोलिया आदि शामिल रहे।

जिले में 93 कोरोना संक्रमित मिले

सिरसा। जिला में रविवार को कोरोना संक्रमण के 93 मामले सामने आए, जबकि 56 मरीजों को स्वस्थ होने पर छुट्टी दे दी गई।

डिप्टी सीएमओ डॉ. वीरेश भूषण ने बताया कि रविवार को कोरोना संक्रमण के 93 नए मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक जिलाभर से 278213 लोगों के सैंपल लिए गए हैं, जिनमें से 9062 की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। 8397 लोग अब तक जिला में स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 1182 लोगों की रिपोर्ट अभी आना बाकी है। उन्होंने बताया कि जिला में 543 एक्टिव केस है। जिला में अब तक कोरोना से 122 लोगों की मौत हो चुकी है।

बिजली मंत्री के घेराव को निकले कर्मचारी पुलिस ने रोके

मंत्री के सचिव ने दिया 14 को बातचीत कराने का आश्वासन

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

सिरसा में मंत्री रणजीत सिंह के आवास का घेराव करने जाते कर्मचारी।

सर्व कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने अनुभव आधार पर डीसी रेट लागू करवाने व कर्मचारियों की अन्य लंबित मांगों को लेकर रविवार को बस स्टैंड स्थित विश्वकर्मा पार्क से जुलूस की शक्ल में बिजली मंत्री के आवास का घेराव करने निकले, लेकिन पुलिस ने कर्मचारियों को भूमणशाह चौक पर ही रोक लिया और कर्मचारी वहीं रोड पर धरना देकर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे।

इसके बाद बिजली मंत्री के निजी सचिव कर्मचारियों के बीच पहुंचे और उन्होंने कर्मचारियों को मंत्री से 14 अप्रैल को बातचीत का आश्वासन देकर कर्मचारियों को शांत किया। वहीं कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर फिर से वायदाखिलाफी की गई तो कर्मचारी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मौके पर मुख्य वक्ता सर्व कर्मचारी संघ के राज्य कोषाध्यक्ष राजेन्द्र बाटू, कृष्ण नैण, फतेहाबाद से जिला सचिव सुरजीत ने बताया कि सरकार व अधिकारी बार-बार वायदाखिलाफी कर कर्मचारियों को आंदोलन के लिए मजबूर कर रहे हैं, जिसे कर्मचारी अब बर्दाश्त नहीं करेंगे। कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर कई बार अधिकारियों व सरकार को अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन हर बार उनकी मांगों को अनसुना किया जा रहा है, जिससे कर्मचारी वर्ग में भारी रोष है। इस मौके पर रतिया ब्लाक प्रधान देवीलाल, बिजली राज्य उप प्रधान अविनाश कम्बोज, रोडवेज यूनियन से सुरजीत अरोड़ा, डबवाली रोडवेज प्रधान पृथ्वी चाहर, स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी से जिला प्रधान सुमित्रा, उप प्रधान राजेन्द्र, भीम सोनी, मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन से संजय, औमप्रकाश, सीटू से जिला प्रधान कृपा शंकर त्रिपाठी, फायर यूनियन से सुखदेव, रणवीर फगोडिया, राजेश खिचड़, कालांवाली ब्लाक से सुरेन्द्र कुमार, रानियां से ब्लाक प्रधान गुरमेल सिंह, डबवाली ब्लाक प्रधान सुभाष ढाल, ऐलनाबाद से ब्लाक प्रधान राजकुमार गुर्जर, रिटायर कर्मचारी संघ से जिला प्रधान किशोरी लाल मैहता, अशोक पटवारी, महेन्द्र शर्मा, युनिवर्सिटी से नेता महेन्द्र बेनीवाल, जन स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग नेता शिवचरण, रिटायर कर्मचारी नेता बेगराज, नगरपालिक नेता रमेश तुषामढ़ आदि उपस्थित थे।

पूर्व विधायक विर्क ने किया टीकाकरण उत्सव का शुभारंभ

कोरोना टीका महोत्सव के प्रथम दिन 250 ने लगवाई वैक्सीन

पूर्व विधायक ने लोगों से बिना झिझक टीका लगवाने की अपील की

पायनियर समाचार सेवा। असंध

नगर के सामान्य अस्पताल में पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क ने रिबन काटकर कोरोना वैक्सीन टीका महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने लोगों को आगे आकर बिना झिझक टीका लगवाने की अपील की।

उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए बख्शीश विर्क ने कहा कि सरकार देश के नागरिकों केलिए प्राप्त वैक्सीन मुहैया करवा रही है परंतु कुछ लोग अज्ञानतावश वैक्सीन को लेकर अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो लोग मानवता के दुश्मन हैं और ऐसा करके वो खुद और बाकी लोगों को खतरे में डाल रहे हैं।

कार्यकारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ जयपाल चहल ने बताया कि आज प्रथम दिन 254 लोगों ने कोरोना का टीका लगवाया।

कूच बिहार में नेताओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाकर तथ्य दबा रहा निर्वाचन आयोग: बनर्जी

बनर्जी ने कहा, मैं 14 अप्रैल तक सीतलकूची जाना चाहती हूं

एजेंसी। सिलीगुड़ी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूच बिहार में गोलीबारी की घटना को नरसंहार करार देते हुए रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग ने 72 घंटे के लिए जिले में नेताओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि वह तथ्यों को दबाना चाहता है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों ने राज्य विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के दौरान सीतलकूची इलाके में लोगों के धड़ों पर गोलियां चलाईं।

बनर्जी ने कहा, सीतलकूची में नरसंहार हुआ। मैं 14 अप्रैल तक सीतलकूची जाना चाहती हूं। आयोग कूच बिहार में प्रवेश को प्रतिबंधित करके तथ्यों को दबाने की कोशिश कर रहा है। हमारे पास एक अयोग्य गृहमंत्री और अयोग्य केंद्र सरकार है। पुलिस ने कहा था कि कूच बिहार जिले में शनिवार को स्थानीय लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने कथित तौर पर गोलीबारी की, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। ऐसा कहा जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने सीआईएसएफ

जवानों की राइफलों को छीनने की कोशिश कीं।

बनर्जी ने कहा, सीआईएसएफ को स्थितियों से निपटना नहीं आता। मैं चुनाव के पहले चरण से कह रही हूं कि केंद्रीय बलों का एक वर्ग लोगों पर अत्याचार कर रहा है। मैंने नंदीग्राम में भी यह मामला उठाया था, लेकिन किसी ने मेरी बात पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन के दौरान सीतलकूची में मारे गए एक व्यक्ति के भाई से वीडियो कॉल पर बात भी की और शोकसंतप्त परिवार को सभी प्रकार की मदद मुहैया कराने का आश्वासन दिया। वीडियो कॉल के दौरान व्यक्ति यह कहता सुनाई दिया कि जवानों ने मतदाताओं पर गोलियां चलाई थीं।

व्यक्ति ने मुख्यमंत्री से कहा, वह (गोलीबारी में मारे गए चार लोगों में शामिल व्यक्ति) एक पंक्ति में खड़ा था, तभी जवानों ने गोलियां चला दीं। उसकी पत्नी गर्भवती है। उसका तीन साल का एक बच्चा भी है। हमारे माता-पिता सदमे में हैं और पूरी तरह टूट गए हैं।

बनर्जी ने सीतलकूची से वीडियो कॉल का प्रबंध करने वाले तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता से कहा कि वह इस मामले में दर्ज कराई गई प्राथमिकी की एक प्रति उन्हें भेजें। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आज भारी मन के साथ चुनावी सभा को संबोधित करूंगी। यह घटना मुझे डरा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता घटना के खिलाफ राज्यभर में प्रदर्शन करेंगे। बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, ईसी (निर्वाचन आयोग) को एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) का नाम बदलकर मोदी आचार संहिता कर देना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा सकती है, लेकिन दुनिया में कोई भी मुझे अपने लोगों के साथ रहने और उनका दुख साझा करने से नहीं रोक सकता। वे मुझे कूच बिहार में मेरे भाई-बहनों से मिलने से तीन दिन तक रोक सकते हैं, लेकिन मैं चौथे दिन वहां पहुंच जाऊंगी।

मोदी ने लोगों को दिया संदेश: दवाई भी, कड़ाई भी

टीका उत्सव कोविड-19 के खिलाफ दूसरी बड़ी लड़ाई की है शुरुआत : प्रधानमंत्री

बोले, हमें देश की टीकाकरण क्षमता के सर्वोत्कृष्ट उपयोग की तरफ बढ़ना

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश में टीका उत्सव की शुरुआत की। उन्होंने इसे कोविड-19 के खिलाफ दूसरी बड़ी लड़ाई की शुरुआत बताया। उन्होंने वायरस से मुकाबला करने के लिए जनता को अनेक सुझाव दिए। व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर स्वच्छता पर जोर देने को कहा।

मोदी ने कहा, आज 11 अप्रैल यानी ज्योतिबा फुले जयंती से हम देशवासी टीका उत्सव की शुरुआत कर रहे हैं। यह टीका उत्सव 14 अप्रैल यानी बाबा साहेब आंबेडकर जयंती तक चलेगा। उन्होंने एक वक्तव्य में कहा कि जनता इन चार बातों का खासतौर पर ध्यान रखे-ईच वन-वैक्सीनेट वन, ईच वन-ट्रीट वन, ईच वन-सेव वन और माइक्रो कन्टेनमेंट जोन। प्रधानमंत्री ने लोगों से आग्रह करते हुए कहा, ईच वन वैक्सीनेट वन अर्थात जो लोग कम पढ़े-लिखे हैं, बुजुर्ग हैं, जो स्वयं जाकर टीका नहीं लगवा सकते, उनकी मदद करें।

उन्होंने कोविड उपचार में, मास्क को बढ़ावा देकर वायरस से बचाव में अन्य लोगों की मदद करने की अपील

की और कहा, ईच वन-सेव वन अर्थात हर व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की रक्षा करे, हर व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का बचाव करे। प्रधानमंत्री ने समाज के लोगों, परिवारों से कोविड-19 की स्थिति में छोटे निषिद्ध क्षेत्र बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी को कोरोना वायरस संक्रमण होने की स्थिति में, छोटे निषिद्ध क्षेत्र (माइक्रो कन्टेनमेंट जोन) बनाने का नेतृत्व समाज के लोग करें।

मोदी ने कहा कि जहां पर संक्रमण का एक भी मामला आया है, वहां परिवार के लोग, समाज के लोग छोटे निषिद्ध क्षेत्र बनाएं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे सघन जनसंख्या वाले देश में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई का एक महत्वपूर्ण तरीका छोटे निषिद्ध क्षेत्र भी हैं। मोदी ने कहा, संक्रमण का एक भी मामला आने पर हम सभी का जागरूक रहना, बाकी लोगों की भी जांच कराना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा, हमारी सफलता इस बात से तय होगी कि छोटे निषिद्ध क्षेत्र के प्रति कितनी जागरूकता हम लोगों में है। हमारी सफलता इस बात से तय होगी कि जब जरूरत न हो, तब हम घर से बाहर न निकलें। हमारी सफलता इस बात पर तय होगी कि जो टीका लगवाने का हकदार है, उसे टीका लगे, इसका पूरा प्रयास समाज को भी करना है और प्रशासन को भी। हमारी सफलता इस बात पर तय होगी कि हम मास्क पहनने और अन्य नियमों का किस तरह पालन करते हैं।

मोदी ने कहा, टीके की एक भी खुराक व्यर्थ न हो, हमें यह सुनिश्चित करना है। हमें उस दिशा में बढ़ना है जहां एक भी खुराक बेकार न जाए। इस दौरान हमें देश की टीकाकरण क्षमता के सर्वोत्कृष्ट उपयोग की तरफ बढ़ना है। ये भी हमारी क्षमता बढ़ाने का ही एक तरीका है। प्रधानमंत्री ने कहा, इन चार दिनों में व्यक्तिगत स्तर पर, समाज के स्तर पर और प्रशासन के स्तर पर हमें अपने-अपने लक्ष्य बनाने हैं, उन्हें प्राप्त करने के लिए पूरा प्रयास करना है।

मोदी सरकार की गलत नीतियों के चलते भारतीयों पर कहर बरपा रहा है कोविड-19: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कोविड-19 महामारी से निपटने को लेकर केंद्र पर हमला बोलते हुए रविवार को कहा कि मोदी सरकार के अहंकार और अक्षमता के कारण कोरोना वायरस भारत के लोगों और अर्थव्यवस्था पर कहर बरपा रहा है। विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण समाज का हर वर्ग परेशानी में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ना कोरोना पर काबू, ना पर्याप्त टीके, ना रोजगार, ना किसान-मजदूर की सुनवाई, न लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) सुरक्षित, ना मध्यमवर्ग संतुष्ट। आम खाना तो ठीक था लेकिन कम से कम आम आदमी को तो छोड़ देते। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से देश में हालात को लेकर भी सरकार की आलोचना की। पार्टी ने ट्वीट किया, एक साल बीत गया है लेकिन कोविड-19 भारत के लोगों और भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगातार कहर बरपा रहा है। इसका श्रेय मोदी सरकार और उसके अहंकार तथा अक्षमता को जाता है। एक अन्य ट्वीट में पार्टी ने दावा किया कि सरकार की नीतियों के कारण देश का हर वर्ग परेशान है। पार्टी ने कहा, कोरोना वायरस बेलगाम होता जा रहा है, टीके का अभाव है, किसान-मजदूर परेशान हैं, अर्थव्यवस्था चरमरा रही है, छोटे उद्योग- धंधे चौपट हो रहे हैं और मध्यम वर्ग भी परेशान है। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने और टीकाकरण अभियान को लेकर सरकार की आलोचना करता रहा है।

टीकाकरण में देशवासियों को प्राथमिकता देना समय की जरूरत है : चड्ढा ने मोदी से कहा

एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा ने देश में सभी को कोविड-19 रोधी टीका लगाए जाने और टीकाकरण में देशवासियों को प्राथमिकता दिए जाने को समय की जरूरत बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि टीकों की उपलब्धता के मामले में पहले-भारत की ठोस नीति अपनाई जानी चाहिए। आप नेता ने पत्र में कहा कि केन्द्र सरकार ने 84 देशों को टीकों की छह करोड़ 40 लाख से अधिक खुराक देने का फैसला किया, जबकि देश के नागरिक ऐसा टीकाकरण केन्द्र शिद्दत से खोज रहे हैं, जो अब भी खुला हो।चड्ढा ने कहा, मैं भारत सरकार से पूछना चाहता हूं कि उसकी प्राथमिकता दिल्ली की जनता है या डोमिनिकन गणराज्य की? उसकी प्राथमिकता महाराष्ट्र की जनता है या मॉरिशस की? उसकी प्राथमिकता बंगाल की जनता है या बांग्लादेश की? उसकी प्राथमिकता गुजरात की जनता है या गुयाना की? उसकी प्राथमिकता ओडिशा की जनता है या ओमान की? उसकी प्राथमिकता उत्तर प्रदेश की जनता है या ब्रिटेन की? उसकी प्राथमिकता केरल की जनता है या केन्या की?

उन्होंने सरकार से महत्वहीन अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा बटोरने से पहले भारत की समस्त 135 करोड़ आबादी के टीकाकरण को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। चड्ढा ने कहा, मैं भारत सरकार से महत्वहीन अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा हासिल करने से पहले टीकाकरण में राष्ट्रवाद को अपनाने और भारत के समस्त 135 करोड़ लोगों को टीकाकरण में प्राथमिकता देने का अनुरोध करता हूं।

मप्र के चिकित्सा संस्थानों को मिलीं रेमडेसिविर की 8,000 शीशियां

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश में रेमडेसिविर इंजेक्शन की पिछले कुछ दिनों से चल रही कमी के बीच प्रदेश सरकार ने रविवार को कहा कि राज्य के शासकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों को शनिवार को इसकी 8,000 शीशियां प्राप्त हुई हैं।मध्य प्रदेश खाद्य व औषधि प्रशासन नियंत्रक तथा खाद्य सुरक्षा आयुक्त पी नरहरि ने बताया, शासकीय चिकित्सा संस्थानों के लिए कल शनिवार को इंदौर में रेमडेसिविर की चार हजार शीशियां प्राप्त हुईं हैं और निजी चिकित्सालयों के लिए भी लगभग इतनी ही शीशियां मिली हैं। नरहरि ने बताया कि आज यानी रविवार को शासकीय चिकित्सा संस्थानों के लिए रेमडेसिविर की 5,000 और निजी चिकित्सालयों के लिए लगभग 4,000 शीशियां प्राप्त होने की उम्मीद है।

भारत पूर्वी लद्दाख में तनाव कम करने को मौजूदा सकारात्मक माहौल का लाभ उठाए : चीनी सेना

एजेंसी। बीजिंग

पूर्वी लद्दाख के शेष इलाकों से सैनिकों की वापसी को लेकर चीन-भारत के बीच हुई नए दौर की वार्ता में सफलता नहीं मिलने के बाद चीन की सेना ने कहा है कि भारत को सीमा पर तनाव कम करने के मौजूदा सकारात्मक माहौल का लाभ उठाना चाहिए। दोनों देशों के बीच 13 घंटे तक चली 11वें दौर की सैन्य वार्ता के एक दिन बाद शनिवार को भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग, गोगरा और देपसांग में गतिरोध वाले शेष हिस्सों से सैनिकों की वापसी को लेकर विस्तृत चर्चा की और जमीन पर शांति बनाए रखने, किसी भी नए टकराव से बचने और शेष मुद्दों का हल तीव्र गति से निकालने पर सहमति व्यक्त की। इस मामले से जुड़े व्यक्तियों ने शनिवार को नई दिल्ली में कहा कि दोनों देशों के बीच हुई इस सैन्य वार्ता में कोई ठोस प्रगति दिखाई नहीं दी क्योंकि चीन का प्रतिनिधिमंडल पहले से तय सोच के साथ वार्ता में शामिल हुआ और संघर्ष चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच नौ अप्रैल को हुई वार्ता को लेकर जारी एक विज्ञप्ति में फरवरी में पैंगोंग झील के अधिकतर विवादित इलाकों से सैनिकों की वापसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि भारत को सीमा पर तनाव कम करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत की तरफ चुशूल सीमा केन्द्र पर हुई वार्ता को लेकर पीएलए के एक प्रवक्ता द्वारा जारी विज्ञप्ति का हवाला देते हुए चाइना ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क (सीजीटीएन) ने कहा कि दोनों पक्षों को पिछली वार्ताओं में बनी सहमति पर आगे बढ़ना चाहिए।

पीएम मोदी ने समाज सुधारक ज्योतिबा फुले को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रख्यात समाज सुधारक ज्योतिबा फुले को रविवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। कहा कि समाज सुधार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मोदी ने एक ट्वीट कर फुले को महान समाजसेवी, विचारक, दार्शनिक और लेखक बताया तथा कहा कि वह जीवनपर्यन्त महिलाओं की शिक्षा और उनके सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध रहे। महाराष्ट्र में 1827 में अत्यधिक पिछड़ी जाति में जन्मे फुले ने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी और सबसे वंचित समुदायों के बीच शिक्षा का प्रचार करने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री के सुझाव पर देश में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अधिकतम संख्या में योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना है। गौरतलब है कि 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई जाती है।

दूरसंचार पीएलआई योजना के दिशा-निर्देश एक सप्ताह में

सरकारी अधिकारियों ने कहा कि इसके लिए एक सप्ताह में आवेदन आमंत्रित किए जा सकते हैं

एजेंसी। नई दिल्ली

दूरसंचार विभाग क्षेत्र के विनिर्माताओं के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के क्रियान्वयन के दिशानिर्देश एक सप्ताह में जारी कर सकता है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि इसके लिए एक सप्ताह में आवेदन आमंत्रित किए जा सकते हैं। दूरसंचार उपकरण कंपनियों एरिक्सन और नोकिया ने भारत में अपने परिचालन के विस्तार की इच्छा जताई है। वहीं वैश्विक कंपनियों मसलन सैमसंग, सिस्को, सिएना और फॉक्सकॉन भारत में घरेलू बाजार और निर्यात के लिए दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों का विनिर्माण करने में रुचि दिखाई है।

एक अधिकारी ने कहा, सरकार दूरसंचार पीएलआई को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। दूरसंचार विभाग क्रियान्वयन के लिए दिशानिर्देशों, आवेदन फॉर्मेट और प्रोत्साहन आवंटन के साथ तैयार है। इसे एक सप्ताह में दूरसंचार विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जाएगा। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए पीएलआई योजना को 24 फरवरी, 2021 को अधिसूचित किया था। इसके तहत पांच साल में 12,195 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। भारत में दूरसंचार उपकरण विनिर्माण की योजना के तहत 2.44 लाख करोड़ रुपये के उपकरणों के विनिर्माण की उम्मीद है।

समग्र शिक्षा अभियान के विस्तार की कार्ययोजना तैयार : बाल वाटिका

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में योजना के विस्तार की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप समग्र शिक्षा अभियान योजना के विस्तार की कार्ययोजना को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत अगले कुछ वर्षों में चरणबद्ध तरीके से स्कूलों में बाल वाटिका, स्मार्ट कक्षा की व्यवस्था तथा आधारभूत ढांचे, व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षित शिक्षकों एवं रचनात्मक शिक्षण विधियों का विकास किया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने भाषा को बताया कि समग्र शिक्षा योजना के विस्तार और संशोधन के लिए वित्त व्यय आयोग

(ईएफसी) नोट को शिक्षा मंत्री एवं समन्वित वित्त प्रकोष्ठ की मंजूरी के बाद विभिन्न मंत्रालयों के पास उनके सुझावों एवं राय के लिए भेजा गया था। उन्होंने कहा कि विभिन्न मंत्रालयोंविभागों से प्राप्त सुझावों को शामिल करते हुए मसौदा तैयार कर इन्हें मंजूरी के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पास भेजा गया है।

सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति

व्यावसायिक शिक्षा पर होगा जोर

के प्रावधानों को समग्र शिक्षा अभियान के संशोधित रूप के साथ जोड़ने की तैयारी कर रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप समग्र शिक्षा अभियान की पुनर्गठित योजना के विषय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के साथ बैठक में इसपर आने वाले खर्च की समीक्षा की थी। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, समग्र शिक्षा अभियान के विस्तार के तहत स्कूलों में ऐसा समावेशी और खुशहाल स्कूली वातावरण तैयार करने पर जोर दिया जाएगा जो विविध पृष्ठभूमियों, बहुभाषी जरूरतों और बच्चों की विभिन्न अकादमिक क्षमताओं का ख्याल रखता हो। इसके तहत अगले एक वर्ष में चरणबद्ध तरीके से बाल वाटिका स्थापित करने के साथ शिक्षक पाठ्य सामग्री (टी एल एम) तैयार की जाएगी, साथ ही स्मार्ट कक्षा की भी व्यवस्था की जाएगी।

समग्र शिक्षा अभियान का दायरा बढ़ाते हुए विशेष मदद की जरूरतों वाली बालिकाओं के लिए अलग से मानदेय की व्यवस्था तथा प्रखंड स्तर पर विशेष जरूरत वाले बच्चों और उनके लिए बनाए गए केन्द्रों की पहचान की व्यवस्था की जाएगी। इसमें सीखने की प्रक्रियाओं की निगरानी, बच्चों के एक स्कूल से दूसरे स्कूल में प्रवेश को सुगम बनाने के साथ हिंदी और उर्दू भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति, शिक्षकों के क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण कार्य पर खास ध्यान दिया जाएगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन की कार्ययोजना में कहा गया है कि साल 2025 तक स्कूल एवं उच्च शिक्षा प्रणाली के माध्यम से 50 प्रतिशत शिक्षार्थियों तक व्यावसायिक शिक्षा की पहुंच सुगम की जाएगी। मंत्रालय के अनुसार समग्र शिक्षा के तहत कक्षा नौ से कक्षा 12 तक के लिए व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम को एकीकृत किया जा रहा है ।

संक्षिप्त समाचार

रेमडेसिविर इंजेक्शन का बंदोबस्त करने का अनुरोध किया

नागपुर (महाराष्ट्र)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दवा कंपनी सन फार्मा के प्रमुख को फोन करके उनसे नागपुर में रेमडेसिविर के 10,000 इंजेक्शन की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में रेमडेसिविर को खासकर उन वयस्क मरीजों के लिए महत्वपूर्ण एंटी-वायरल दवा माना जाता है, जो स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जटिलताओं का सामना कर रहे हैं। गड़करी के कार्यालय की ओर से शनिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि नागपुर से लोकसभा सदस्य ने सन फार्मा के प्रबंध निदेशक दिलीप सांघवी से फोन पर बात करके उन्हें यहां के हालात से अवगत करवाया तथा उनसे रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध करवाने की अपील की। विज्ञप्ति के मुताबिक, दवा कंपनी के प्रमुख ने गडकरी को आश्वासन दिया कि 5,000 इंजेक्शन तत्काल उपलब्ध करवा दिए जाएंगे, जबकि बाकी के 5,000 अगले दो से तीन दिन में भिजवा दिए जाएंगे। गड़करी ने नागपुर के लोगों से कोविड-19 से बचाव के लिए आवश्यक एहतियात बरतने की अपील की। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राज्य में रेमडेसिविर इंजेक्शन की भारी मांग है।

सीबीआई ने बुलाए पूछताछ को देशमुख के निजी सहायक

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में पूछताछ के लिए महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के निजी सहायकों को तलब किया। अधिकारियों ने बताया कि संजीव पलांडे और कुंदन को बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर शुरू की गई प्रारंभिक जांच के तहत पूछताछ के लिए सीबीआई टीम के समक्ष पेश होने को कहा गया है। सिंह ने पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि जब देशमुख ने निलंबित पुलिसकर्मी सचिन वाजे से मुंबई के बार एवं रेस्तराओं से 100 करोड़ रुपए प्रति माह जबरन वसूलने को कहा था, तो उस समय पलांडे भी वहां मौजूद थे। वाजे उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के निकट एक वाहन में विस्फोटक सामग्री मिलने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की जांच का सामना कर रहा है। कहा जाता है कि उसने अपने बयान में कहा था कि इस तरह की एक अन्य बातचीत के दौरान कुंदन भी वहां मौजूद थे। सीबीआई ने उच्च न्यायालय के आदेश पर देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की प्रारंभिक जांच मंगलवार को शुरू कर दी थी। इसके लिए अधिकारियों का एक दल दिल्ली से मुंबई भेजा गया है। सीबीआई वाजे, सिंह और मुंबई पुलिस के अन्य अधिकारियों से पहले की पूछताछ कर चुकी है।

आर्थिक तंगी से परेशान किसान ने खेत में फांसी लगाई

बांदा। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के कालिंजर थाना क्षेत्र के परसहर गांव में कथित तौर पर आर्थिक तंगी से परेशान एक किसान ने खेत में लगे पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कालिंजर थाना पुलिस ने रविवार को बताया कि परसहर गांव में दो बीघे कृषि भूमि के किसान चंदा उर्फ चन्द्रभान (52) का शव शनिवार को खेत में लगे एक पेड़ पर फांसी के फंदे में लटकता हुआ बरामद किया। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि किसान के बेटे शोभित ने पिता का शव फंदे में लटका देख पुलिस को सूचित किया। शोभित के हवाले से पुलिस ने बताया कि चंदा आर्थिक तंगी से परेशान था, घरेलू खर्च को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। शनिवार को भी मामूली विवाद होने के बाद वह खेत चला गया था।

मादक पदार्थ तस्करों की गोलीबारी में दो कांस्टेबलों की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में पुलिस के गश्ती दल पर दो अलग-अलग घटनाओं में हथियारों से लैस कथित मादक पदार्थ तस्करों द्वारा की गई गोलीबारी में दो पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि भीलवाड़ा जिले के कोटडी और रायला थाना क्षेत्रों में शनिवार देर रात नाकेबंदी के दौरान अलग अलग वाहनों में सवार हथियारबंद कथित मादक पदार्थ तस्करों द्वारा की गई गोलीबारी में दोनों थानों के एक-एक कांस्टेबल की मौत हो गई। भीलवाड़ा की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल मिश्रा ने बताया कि कथित मादक पदार्थ तस्करों के वाहनों के गुजरने के संबंध में मुखबीर की सूचना पर कोटडी थाना क्षेत्र में नाकेबंदी की गई थी और इसी दौरान वाहनों में सवार हथियाबंद तस्करों ने पुलिस कर्मियों पर गोलीबारी कर दी जिसमें कोटडी थाने के कांस्टेबल औंकार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उसके बाद वाहनों में सवार हथियार बंद तस्करों की तलाशी के लिए पूरे जिले में नाकेबंदी की गई। मिश्रा ने बताया कि जब रायला थाने की पुलिस नाकाबंदी कर रही थी, उसी दौरान वहां से एक स्कार्पियो तथा मादक पदार्थ से भरे एक वाहन में सवार लोगों ने पुलिस पर गोलीबारी कर दी जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। उन्होंने बताया कि इस मुठभेड़ में रायला थाने में तैनात कांस्टेबल पवन चौधरी की गोली लगने से मौत हो गई।

चीन में कोयला खदान में पानी भरने से 21 खनिक फंसे

बीजिंग। चीन के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में एक कोयला खदान में बाढ़ का पानी भरने से 21 खनिक फंस गए। शिन्हुआ संवाद समिति ने बताया कि शिंजियांग क्षेत्र की हुतुबी काउंटी स्थित खदान में शनिवार शाम करीब छह बजकर 10 मिनट पर पानी भर गया, जिससे वहां काम कर रहे खनिक फंस गए। बचावकर्ता इन खनिकों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं और आठ लोगों को बचा लिया गया है। चीन की खदानों में सुरक्षा के अभाव के कारण विस्फोट और गैस लीक की घटनाएं भी अकसर होती रहती हैं।

चीन का कोरोना वायरस संक्रमण रोधी टीका कम असरदार

बीजिंग। चीन के शीर्ष रोग नियंत्रण अधिकारी ने कहा है कि देश के कोरोना वायरस संक्रमण रोधी टीके कम असरदार हैं। सरकार इन्हें असरदार बनाने पर विचार कर रही है। चीन के रोग नियंत्रण केन्द्र के निदेशक गाओ फू ने शनिवार को चेंगदू शहर में एक संगोष्ठी में कहा कि चीन के टीकों में बचाव दर बहुत ज्यादा नहीं है।गाओ का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है जब बीजिंग ने अन्य देशों को टीकों की करोड़ों खुराके दी हैं और पश्चिमी देशों के टीकों के प्रभावी होने पर संशय पैदा करने और बढ़ावा देने की भी वह लगातार कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, अब इस बात पर गंभीरता से विचार हो रहा है कि क्या हमें टीकाकरण प्रक्रिया के लिए अलग-अलग टीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। ब्राजील के शोधकर्ताओं ने चीन की टीका निर्माता कंपनी सिनोवैक के संक्रमण रोधी टीकों के असरदार होने की दर लक्षण वाले संक्रमण से बचाव में 50.4 प्रतिशत पाई। वहीं इसके मुकाबले फाइजर द्वारा बनाए गए टीके 97 प्रतिशत असरदार पाए गए। गौरतलब है कि चीन ने अपने देश में किसी अन्य देश के टीके के इस्तेमाल को अभी मंजूरी नहीं दी है। गाओ ने टीके के संबंध में रणनीति पर किसी तरह के बदलाव के ब्योरे तो नहीं दिए लेकिन उन्होंने एमआरएनए का जिक्र किया। यह प्रयोग की एक तकनीक है जिसका इस्तेमाल पश्चिम देशों के टीका निर्माता करते हैं, वहीं चीन के दवा निर्माता पारंपरिक तकनीक का इस्तेमाल करते हैं।

वॉशिंग मशीन बाजार में 32 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सैमसंग का इस साल भारत में पूर्ण स्वचालित (फुली ऑटोमैटिक) वॉशिंग मशीन बाजार में नंबर एक खिलाड़ी बनने का लक्ष्य है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम भारतीय बाजार में नवोन्मेषण आधारित, कृत्रिम मेधा (एआई) अनुकूल वॉशिंग मशीनों के जरिए अग्रणी कंपनी बनने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। कंपनी का इरादा इस साल पूर्ण स्वचालित वॉशिंग मशीन बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 32 प्रतिशत करने का है। अभी इस श्रेणी में कंपनी की हिस्सेदारी 24.6 प्रतिशत है। सैमसंग ने हाल में पूर्ण स्वचालित फ्रंट लोड मशीन की नई श्रृंखला पेश की है, जो एआई आधारित है। इसमें हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषीय इंटरफेस है। सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार राजू पुलन ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमारी महत्वाकांक्षा पूर्ण ऑटोमैटिक खंड में नंबर दो से नंबर एक पर पहुंचने की है। हम अपनी बाजार हिस्सेदारी को 24.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। अभी पूर्ण स्वचालित वॉशिंग मशीन बाजार में उसकी प्रतिद्वंद्वी एलजी पहले स्थान पर है। पुलन ने कहा कि 32 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के लक्ष्य के साथ हम नंबर एक ब्रांड बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी विशेष उत्पादों और उत्पाद विविधता तथा भारतीय श्रृंखला में किए गए भारतीय नवोन्मेषण के जरिए इस लक्ष्य को हासिल करेगी।

बनें वैश्विक खिलाड़ी

प्रोफेसर बीएन मिश्रा का कहना है कि एक अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय विकास एमबीए एक कैरियर बदलने वाला कार्यक्रम है जो वैश्विक मोर्चे पर व्यक्ति को पदोन्नति के अनेक अवसर प्रदान कर सकता है

देशों में व्यवसाय विकसित करने वाली वैश्विक कंपनियों ने एक विविध और प्रतिस्पर्धी कार्यबल बनाया है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय चला सकता है। एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार विकास एमबीए प्रोग्राम से स्नातक होना एक कैरियर-बदलने वाली घटना है जो वैश्विक मोर्चे पर व्यक्ति को पदोन्नति के अवसरों में काफी वृद्धि कर सकती है।

आज, हर व्यवसाय का विस्तार होने जा रहा है। यह प्रतिस्पर्धा का दौर है और हर कोई पैसा कमाने की तकनीक अपनाने की कोशिश कर रहा है। जो कंपनियां किसी विदेशी देश में अपने व्यवसाय का विस्तार और स्थापना करने का लक्ष्य रखती हैं, उन्हें ऐसे उम्मीदवारों की आवश्यकता होती है जो अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्यों से निपटने के लिए प्रशिक्षित होते हैं और उन अवधारणाओं और सिद्धांतों के जानकार होते हैं जो व्यवसाय की स्थापना के लिए सहायक हो सकते हैं। यहां छात्रों को योग्यताएं विकसित करने के लिए इंटरनेशनल बिजनेस लॉ एंड एथिक्स, स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग एंड ब्रांडिंग, इंटरकल्चरल मैनेजमेंट एंड इंटरनेशनल नेगोशिएशन, इनोवेशन मैनेजमेंट, इंटरनेशनल पार्टनरशिप और मर्जर एंड एक्विजिशन, एडवांस्ड बिजनेस प्लानिंग, बिजनेस प्लान जूरी प्रेजेंटेशन, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स एंड माइक्रो मार्केट्स के बारे में पढ़ाया जाता है।

> **यह प्रतिस्पर्धा का युग है। जो कंपनियां किसी विदेशी देश में व्यवसाय का विस्तार और स्थापना करने का लक्ष्य रखती हैं, उन्हें ऐसे उम्मीदवारों की आवश्यकता होती है जो अंतरराष्ट्रीय परिदृश्यों से निपटने के लिए प्रशिक्षित हों और उन्हें अवधारणाओं और सिद्धांतों के बारे में ज्ञान हो जो व्यवसाय की स्थापना में मदद कर सकते हैं।**

भूमिका और जिम्मेदारियां

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विकास प्रबंधक विस्तार करने वाले जादूगर हैं जो कंपनियों के संपत्तियों पर अधिकतम मुनाफा कमाने हेतु नए कार्यक्षेत्रों में दाखिल होने की सफल रणनीतियां तैयार करते हैं। वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार विकास गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए जिम्मेदार हैं। प्रत्येक देश के लिए व्यक्तिगत व्यवसाय योजनाएं विकसित करते हैं। वे बिक्री और बाजार विकास गतिविधियों को बढ़ाने के लिए अभियान विकसित करते हैं।

व्यवसाय को उपयुक्त प्रगति प्रदान करने के लिए व्यावसायिक रणनीतियों का विश्लेषण करने और उसके लिए सुधार योजनाएं विकसित करने में सहायता करते हैं। वे सभी विकास प्रक्रियाओं का प्रबंधन करते हैं और सरकारी नीतियों व नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। अवसरों की पहचान करने और उसी को बढ़ाने के लिए रणनीतिक योजनाएं विकसित करने के लिए व्यवसायों की सहायता करते हैं। ग्राहक/ग्राहक संचार का प्रबंधन करते हैं और सभी के साथ एक प्रभावी संबंध बनाए रखते हैं। व्यवसाय विकास के लिए विभिन्न आकर्षक विधियों को तैयार व कार्यान्वित करते हैं। प्रतियोगी योजनाओं और प्रबंधन में उत्पादों व सेवाओं के प्रभाव की समीक्षा करते हैं। निदेशक के साथ समस्त संपर्क बनाए रखते हैं। बाजार के रुझानों का मूल्यांकन करते हैं और उत्पाद विकास के लिए उचित सहायता प्रदान करते हैं।

आवश्यक योग्यता

विश्लेषणात्मक व नेतृत्व योग्यताएं, रचनात्मकता, व्यवसाय विकास, बाजार अनुसंधान, परिगमन, नए ग्राहक, बिक्री लक्ष्य, विस्तार योजना, अंतर-सांस्कृतिक क्षमता अत्यंत अनिवार्य हैं।

संभावना - क्षेत्र

इस डिग्री को पूरा करने के बाद, आप कहीं भी विभिन्न उद्यमों या कंपनियों में शामिल हो सकते हैं। वैश्विक कंपनियों के अलावा, जो अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी हैं। उदाहरण के लिए, एयरलाइंस और चेन रेस्तरां, अंतरराष्ट्रीय व्यापार एमबीए प्रोग्राम के स्नातक अक्सर गैर-लाभकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों और बैंकों के भीतर रोजगार पाते हैं।

पात्रता

छात्र के पास किसी भी विषय में न्यूनतम तीन साल की स्नातक की डिग्री होनी चाहिए और अर्हता परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक अर्जित होने चाहिए।

आप बीटेक / बीएआरसी, मेडिकल, आर्ट्स, मानविकी और विज्ञान में यूजी डिग्री पूरा करने के बाद इस कोर्स में शामिल हो सकते हैं।

आवेदक को प्रवेश परीक्षा, समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार में सफल होना होगा। इस कोर्स के लिए आवेदन करने की कोई आयु सीमा नहीं है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र में आकर्षक वेतन पाने का अच्छा अवसर है। एक प्रतिष्ठित संस्थान से लेकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विकास में स्नातकोत्तर प्रारंभिक वेतन की सीमा 5 लाख से 8 लाख प्रति वर्ष हो सकती है और पदनाम व्यवसाय विकास प्रबंधक के रूप में होगा।

- लेखक बीर टिकेन्द्रजीत यूनिवर्सिटी, मणिपुर के चांसलर हैं।

कोरोना काल में हाइब्रिड लर्निंग मॉडल का कमाल

कोविड -19 महामारी के प्रकोप के साथ, विश्व स्तर पर स्कूलों को बंद करना तथा अप्रत्याशित परिवर्तन का सामना करना पड़ा है। जैसा कि के -12 शिक्षण संस्थान कोर्स को पढ़ाने के रचनात्मक तरीकों की तलाश करते हैं, हाइब्रिड लर्निंग मॉडल इस अवसर पर उभर कर सामने आए हैं और सुदूर रहकर आकर्षक, जानकारीपूर्ण और प्रासंगिक शिक्षण का निर्माण करने के एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरे हैं। यहां तक कि वे पुरानी परिचित कक्षा संरचना की ओर संभावित वापसी के लिए तैयार करते हैं।

हाइब्रिड लर्निंग एक आभासी शिक्षण परिवेश है जहां वेब-आधारित प्लेटफॉर्म शिक्षकों और छात्रों के बीच ज्ञान के हस्तांतरण को सक्षम बनाने के लिए ऑनलाइन सामग्री व डिजिटल डिलीवरी चैनलों का उपयोग करते हैं। उन्नत हाइब्रिड लर्निंग प्रोग्राम में डिजिटल अध्ययन सामग्री, ऑनलाइन गतिविधियाँ, और आवधिक मूल्यांकन शामिल हैं।

संभावनाएं

यह देशव्यापी तालाबंदी के दौरान था कि हाइब्रिड लर्निंग मॉडल को पहले यह सुनिश्चित करने के लिए अपनाया गया था कि छात्रों की शिक्षा में बाधा न आए। एक बार जब स्कूलों को सभी दूरस्थ अनुदेशात्मक तरीकों से आभासी और ऑफलाइन कक्षाओं के मिश्रण में परिवर्तित कर दिया गया, तो शिक्षक ऑनलाइन और प्रत्यक्ष दोनों माध्यमों को अपनाने में सक्षम थे। नतीजतन, हाइब्रिड लर्निंग मॉडल अब छात्र की पहुंच में विभिन्न समाधान पहुंचाने में मदद कर रहा है।

एक तकनीक-सक्षम कक्षा को कई भागीदारों की आवश्यकता होती है जो एक प्रभावी मिश्रित शिक्षण वातावरण बनाने के लिए साथ मिलकर काम करते हैं। यह उन उपयोगकर्ताओं की विभिन्न श्रेणियों को जोड़ती है जिनके पास अपेक्षाओं के विभिन्न समूह हैं। छात्रों को एक मंच पर सभी संसाधनों, निर्देशों और दिशानिर्देशों को खोजने और किसी भी संदेह की स्थिति में अपने प्रशिक्षकों तक पहुंचने में सक्षम होने की की आवश्यकता होती है।

इसी तरह, शिक्षकों को एक आभासी मंच की आवश्यकता होती है जहाँ वे अपने छात्रों को देख सकते हैं और उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने नोट्स और अन्य अध्ययन सामग्री उनके साथ साझा कर सकते हैं और छात्र के प्रदर्शन का आंकलन कर सकते हैं।

तकनीकी स्टाफ को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की आवश्यकता होती है जिसे संचालित करना आसान हो और जो एक बार सेट हो जाने पर आसानी से चल सके। स्कूल प्रशासन को कार्यक्रम की जांच करने और छात्र की फीस जमा करने के लिए दृश्यता और लचीलेपन की आवश्यकता होती है। यहां तक कि माता-पिता को भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की आवश्यकता होती है ताकि वे सहज हो सकें व वे अपने बकाए का भुगतान करने के साथ-साथ अपने बच्चे की सीखने की प्रक्रिया पर नजर रख सकें।

माइंड इट

अत्यंत आसान और बिना किसी भौगोलिक सीमाओं वाले अनेक लाभ प्रदान करने के कारण के-12 में हाइब्रिड लर्निंग को आने वाले समय में भारी लाभ के रूप में देखा जा सकता है।

चूंकि शिक्षक कहीं से भी डेटा एक्सेस कर सकते हैं, वे छात्रों को मशीनों द्वारा संचालित अनेक सांसारिक कार्यों जैसे ग्रेडिंग और आकलन के साथ अधिक प्रभावी ढंग से निर्देश दे सकते हैं। हाइब्रिड शिक्षण भी शिक्षकों को खुद को निखारने व पुनर्कौशल हासिल करने के अवसर प्रदान करता है ताकि वे तकनीक को संभालने में माहिर हो जाएं।

हाइब्रिड शिक्षा अधिक रोजगार भी उत्पन्न करेगी क्योंकि शिक्षा उद्योग के भीतर कुशल शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों की मांग में वृद्धि होगी। इसके अलावा, के-12 छात्रों को वैश्विक प्रदर्शन के साथ मिलकर उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण से अवगत कराया जाएगा।शिक्षण के इस रूप में रचनात्मकता को बढ़ाने और व्यक्तिगत सबक प्रदान करने की बहुत अधिक क्षमता है जो बदले में युवा छात्रों के लिए सीखना अधिक सार्थक बना देगा। शिक्षकों को इस बात पर विचार करना होगा कि हाइब्रिड ढांचे में प्रत्यक्ष शिक्षण के बरक्स ऑनलाइन सीखने के लिए किस तरह की गतिविधियाँ सबसे उपयुक्त होंगी।सामग्री वितरण ऑनलाइन किया जा सकता है, लेकिन शिक्षकों को छात्र कौशल पर वैसा ही ध्यान केंद्रित करना होगा जो वे ऑफलाइन कक्षाओं में प्रदर्शित करते हैं, क्योंकि इस पहलू पर आभासी सत्र में अन्य छात्रों के साथ एक समकालिक पाठ में ध्यान नहीं दिया जा सकता है।

वर्तमान समय में अधिक साहसी शिक्षा व्यवस्थाओं का आह्वान किया गया है जो नई तकनीकों के लिए चुस्त और अनुकूल हैं। जिस तरह शिक्षक व संस्थान आवश्यक समायोजन और अपेक्षित निवेश करते हैं, वे इस चुनौतीपूर्ण समय को कल के लिए एक बेहतर शिक्षा प्रणाली बनाने हेतु एक अनुकूल अवसर के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

- लेखक योगेश मक्कड़, कपडेक के संस्थापक हैं।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी

मेष

दिन आपके लिए मिश्रित प्रभाव लेकर आया है, जो भी बोलें बहुत सोच समझ कर बोलें। कार्यस्थल पर जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। आमदनी निरंतर बनी हुई है, खर्चे भी बने रहेंगे। कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रह सकती है। पारिवारिक माहौल को अच्छा बनाए रखने के लिए चिंतन करना पड़ेगा।

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्यांक: 1

विशेष: भगवान शिव की आराधना करें।

वृष

ऐसे लोगों से मुलाकात होगी जिनके पास पैसे कमाने के बहुत अच्छे विचार या मौके हैं। लोगों की मदद से इनकम बढ़ सकती है। कामकाज में धीरे-धीरे वापस गति आएगी। कॅरियर में आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं। व्यावहारिक योजना बनाएंगे और उस पर काम शुरू कर देंगे, अच्छी सफलता मिलेगी।

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

भाग्यांक: 5

विशेष: विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री का दान करें।

मिथुन

दूसरों से बात करते वक्त संतुलित विचार रखें। स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। काम के मोर्चे पर वरिष्ठ आपके प्रयास को सराहेंगे, आत्मविश्वास बढ़ेगा। सार्वजनिक क्षेत्र के लोगों को कागजी कार्रवाई से राहत मिलेगी। प्रेमी युगलों को समय शुभ नहीं है।

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

भाग्यांक: 4

विशेष: सफेद चंदन का टीका लगाएं।

कर्क

काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। लोग आपके विचारों का विरोध कर सकते हैं। नए कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नया कोर्स ज्वॉइन करने के बारे में सोच सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। उधार पैसा देने से आपकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए। सभी परेशानियां दूर होंगी।

(ही, हूं, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

भाग्यांक: 7

विशेष: मिट्टी के बर्तन में पक्षियों के लिए पानी भरकर रखें।

सिंह

व्यवसाय में जातकों के लिए अनुकूल अवधि है। नई साझेदारी में प्रवेश कर रहे हैं। व्यावसायिक और आर्थिक परियोजनाएं उचित विचार और परिश्रम के बाद ही पूर्ण और संपन्न होंगी। महत्वपूर्ण लोगों को प्रभावित एवं उनसे संपर्क स्थापित कर पाएंगे। वित्तीय रूप से दिन अच्छा है, लेकिन खर्च को नियंत्रित करने की अति आवश्यकता है। माता-पिता से कुछ मतभेद हो सकते है।

(मा, मी, मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

भाग्यांक: 5

विशेष: चांदी का कड़ा धारण करें।

कन्या

नए काम की शुरुआत हो सकती है। पुराने रुके काम फिर से भी शुरू हो जाए। ऑफिस में एक्स्ट्रा जिम्मेदारी मिल सकती है। एक्स्ट्रा मेहनत से फायदा हो सकता है। दूसरों की मदद करेंगे। उसके लिए कुछ एक्स्ट्रा कोशिश करनी पड़े तो कर लें। पुराने हिसाब-किताब भी एक बार चेक कर लें। उनसे फायदा हो सकता है। शहर से बाहर जाने का योग बन रहा है।

(टो, पा, पी, पू, ष, ष, ण, ठ, पे, पो)

भाग्यांक: 4

विशेष: भगवान शिव को रुद्राक्ष की माला अर्पित करें।

तुला

दिन की शुरुआत से ही ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। अगर शॉपिंग करते हैं, तो आप अपने और दूसरों के लिए सुंदर चीजें खरीदना चाहेंगे। यह एक सुखद दिन है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में आ रही समस्याओं के जल्दी सुलझने के आसार हैं। योजना बनाने और फैसले लेने का दिन है।

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

भाग्यांक: 6

विशेष: भगवान शिव का दूध से अभिषेक करें।

वृश्चिक

ऑफिस के काम से विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। कुछ लोग मदद करने के लिए तैयार रहेंगे। डिजायनर्स के लिए दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कंपनी से जॉब के लिए ऑफर आएगा। प्रभावशाली व्यक्ति मुलाकात होने की संभावना है। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है। दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएंगे।

तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

भाग्यांक: 8

विशेष: मंदिर में इत्र दान करें।

धनु

व्यावसायिक और वित्तीय प्रयासों लाभ मिलेगा। पुराने निवेशों से भी लाभ प्राप्त हो सकता है। पसंद के स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं। व्यापार में तरक्की होगी और आपको कोई नई डील भी मिल सकती है। यदि आपके पास विदेशी संपर्क हैं या निर्यात या आयात में शामिल हैं, तो विदेशी यात्रा की मजबूत संभावना है।

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

भाग्यांक: 5

विशेष: शराब के सेवन का पूर्णता त्याग कर दें।

मकर

ग्रह कुछ रोचक और नए अवसर आपको मिल सकते हैं। नई शुरुआत करनी होगी। आत्मविश्वास से काम करें। नकारात्मक विचारों पर ध्यान न दें। ज्यादातर परेशानियां समय के साथ सुलझ सकती है। आप चिंता न करें। विवाह प्रस्ताव भी मिल सकते हैं। बिजनेस में कुछ बदलाव का मन बन सकता है। राजनीतिक क्षेत्र में भी समय अच्छा है।

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

भाग्यांक: 5

विशेष: वेद पाठी ब्राह्मण से नमक चमक का पाठ करवाएं।

कुंभ

तेजी से बदलते हुए विचा उलझन में डाल देंगे। नए कार्यों का प्रारंभ कर सकेंगे। करीबी दोस्तों और साझेदारों के साथ मेलजोल करने का दिन है। नैतिकता के प्रति मन हर्षित होगा। दोस्तों या पारिवारिक मदद से वित्तीय कठिनाइयां हल होंगी। संभव हो तो यात्रा या प्रवास से बचें। दोस्त के साथ फिर से जुड़ेंगे एवं यह प्राचीन यादों को ताजा करेगा। बड़ों की सलाह लेना सदैव कारगर रहेगा।

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

भाग्यांक: 3

विशेष: पीपल के पेड़ में जल डालें।

मीन

कलात्मक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा। भविष्य के बारे में थोड़ा विचार करने की जरूरत है। बहुत-सी उलझनें दूर होंगी। कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी के नए अवसर प्राप्त होने की संभावना है। घर पर अचानक से कोई रिश्तेदार आ सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए दिन फायदेमंद रहेगा। रिश्ते मधुर होंगे।

(दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

भाग्यांक: 9

विशेष: कन्या के पैर छूकर आशीर्वाद लें।

हर छात्र को करनी चाहिए यूपीएससी की तैयारी

आज देश में सर्वोत्तम नौकरी कौन सी है? तो निस्संदेह यदि हम मतदान करें, तो सिविल सेवा स्पष्ट विजेता के रूप में सामने आएगी। यूपीएससी परीक्षा को देश की सबसे कठिन परीक्षा माना जाता है, और इसमें सफल होना कोई मजाक नहीं है। इसमें सघन प्रतियोगिता और विशाल पाठ्यक्रम प्रस्तावित होने के कारण इसे यह प्रतिष्ठा मिली है। फिर भी, हम यूपीएससी की तैयारी के लिए देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को कतारबद्ध होते क्यों नहीं देखते हैं। यूपीएससी कुछ चुनिंदा लोगों के लिए ही प्राथमिकता क्यों है? यूपीएससी की तैयारी करना हमारे युवा स्नातकों के लिए सबसे अच्छी बात हो सकती है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति जो अनुशासन,विस्तृत ज्ञान और विश्लेषणात्मक कौशल सीखता है, वो किसी भी पेशे में उपयोगी है।

त्यागी–सकारिया जैसे युवा तेज गेंदबाजों पर भरोसा: संगकारा

आर्चर का न होना बड़ा झटका, लेकिन

एजेंसी। मुंबई

चोटिल तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की गैरमौजूदगी को बड़ा झटका करार देते हुए राजस्थान रॉयल्स के नए क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने उम्मीद जताई कि युवा भारतीय तेज गेंदबाज आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में इस मौकों को भुनाने में सफल रहेंगे। हाथ में चोट के बाद भी भारत दौरे पर गेंदबाजी करने वाले इंग्लैंड के स्टार गेंदबाज आर्चर सर्जरी के बाद अभी आराम कर रहा है। इस बात का अभी पता नहीं चला है कि वह आईपीएल के बाद के मैचों के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं।

संगकारा ने सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच से पहले

ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, संजू (कप्तान संजू सैमसन) और मैं, दोनों सहमत हैं कि यह हमारे लिए एक बड़ा झटका है। जोफ्रा हमारी टीम का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है और उसका न होना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन यह वास्तविकता है। हमें इसे ध्यान में रखकर काम करना होगा और उसी मुताबिक योजना बनानी होगी। श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान को उम्मीद है क आर्चर बाद के मैचों के लिए उपलब्ध होंगे और आईपीएल में अपनी भूमिका निभाएंगे। पिछले कुछ वर्षों से तेज गेंदबाजी राजस्थान रॉयल्स के लिए कमजोर कड़ी रही है और उनके सबसे अनुभवी गेंदबाज जयदेव उनादकट दमदार प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। उनादकट के अलावा, उनके पास बाएं हाथ के चेतन सकारिया और बेहद प्रतिभाशाली कार्तिक त्यागी का भी विकल्प है। आईपीएल के कई सत्रों में खेल चुके संगकारा ने कहा, अनुभवहीनता शायद आपके पक्ष में काम कर सकती है क्योंकि विरोधी टीम को आपके बारे में ज्यादा पता नहीं है। आईपीएल में तेज गेंदबाजी करना आसान काम नहीं है और हमने कल (दिल्ली कैपिटल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स) भी इसे देखा है।

ज्यातर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छे हैं

उन्होंने कहा, ज्यादातर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छे हैं। ऐसे में आपके पास कौशल होना चाहिए। हमारे पास कार्तिक त्यागी हैं, जिन्होंने पिछले सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और इस साल हमारे पास कुलदीप यादव (जूनियर) और चेतन सकारिया के रूप में नए अतिरिक्त तेज गेंदबाज हैं। संगकारा के लिए यह जरूरी है कि इन युवाओं को मैच की परिस्थितियों को समझने और उसके अनुसार गेंदबाजी करने के लिए तैयार किया जाए। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन राष्ट्रीय टीम के लिए मिले मौकों को भुनाने में असफल रहे लेकिन सैमसन और हरफनमौला राहुल तेवतिया अगर अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन करते है तो राष्ट्रीय टीम में जगह बना सकते है। तेवतिया को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के टीम में चुना गया था लेकिन फिटनेस टेस्ट में विफल रहने के कारण उन्हें मौका नहीं मिला। संगकारा ने कहा, दबाव हमेशा रहता है। चाहे वह संजू हो या राहुल (तेवतिया), यह वास्तविकता है कि वे आप से हमेशा अपेक्षाएं रहेंगी और आपको दबाव का सामना करना होगा। हर किसी के पास इससे निपटने का तरीका होता है।

संक्षिप्त समाचार

शूट आउट में भारतीय हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को हराया

ब्यूनस आयर्स। हरमनप्रीत सिंह और गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां एफआईएच प्रो लीग के रोमांचक पहले मैच में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को शूट आउट में हराया। दो बराबरी की टीमों के बीच हुए इस मुकाबले में भारत को 21वें मिनट में मैन ऑफ द मैच हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त दिलाई, लेकिन मार्टिन फरेरो ने 28वें और 30वें मिनट में दो गोल दागकर मेजबान टीम को 2-1 से आगे कर दिया। अर्जेंटीना की टीम ने इसके बाद मैच के अंतिम लम्हों तक अपनी बढ़त को बरकरार रखा। हालांकि जब भारत की हार लगभग तय लग रही थी तब हरमनप्रीत ने 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर एक और गोल दागकर भारत को 2-2 से बराबरी दिला दी।

लीड्स ने मैनचेस्टर सिटी को हराया, लीवरपूल जीता

मैनचेस्टर। इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे लीड्स ने मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से हराकर उसके इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब के इंतजार को बढ़ा दिया। लीवरपूल ने हालांकि एस्टन विला को 2-1 से हराकर चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखा है। लीड्स के लियाम कूपर को मध्यांतर से ठीक पहले लाल कार्ड दिखाया गया। टीम ने हालांकि पूरे दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों से खेलने के बावजूद स्टुअर्ट डैलास (42वें और 90 प्लस। मिनट) के दो गोल की बदौलत जीत दर्ज की। सिटी की ओर से एकमात्र गोल फेरान टोरेस ने 76वें मिनट में किया। सत्र की चौथी हार के बावजूद सिटी ने 14 अंक की बढ़त बना रखी है, जबकि छह मैच बचे हैं। दूसरे स्थान पर चल रहे मैनचेस्टर यूनाइटेड ने हालांकि उससे दो मैच कम खेले हैं। दूसरी तरफ एनफील्ड में मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, लेकिन ट्रेंट एलेक्सांडर आर्नोल्ड ने इंजरी टाइम के पहले मिनट में गोल दागकर टीम को जीत दिला दी। टीम की ओर से एक अन्य गोल मोहम्मद सालाह ने किया। एस्टन विला की ओर से ओली वाटकिन्स ने गोल दागा। इस जीत से पांचवें स्थान पर मौजूद लीवरपूल के 31 मैचों 52 अंक हो गए हैं और वह चौथे स्थान पर मौजूद चेल्सी से सिर्फ दो अंक पीछे है।

इब्राहिमोविच के शानदार प्रदर्शन से एसी मिलान जीता

मिलान। ज्लाटन इब्राहिमोविच ने लाल कार्ड दिखाए जाने से पहले दो गोल में मदद की, जिससे एसी मिलान ने पार्मा को 3-1 से हराकर सिरी ए फुटबॉल लीग में खिताब की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। एसी मिलान की ओर से एंटे रेबसिच, फ्रेंक केसी और राफेल लियो ने गोल दागे, जबकि निचली लीग में खिसकने का खतरा झेल रहे पार्मा की ओर से एकमात्र गोल रिकार्डो गेगलियोलो ने किया। इब्राहिमोविच को 60वें मिनट में संभवतः रैफरी को कुछ कहने पर लाल कार्ड दिखाया गया। अन्य मैचों में स्पेजिया ने पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए अंतिम मिनटों में दो गोल दागकर अंतिम स्थान पर चल रहे क्रोटोन को 3-2 से हराया। इस जीत से स्पेजिया ने निचली लीग में खिसकने का खतरा झेल रही टीमों पर 10 अंक की बढ़त बना ली है। क्रोटोन को 17वें स्थान पर चल रहे टोरिनो के बीच 12 अंक का अंतर हो गया है। टोरिनो ने यूडिनेसे को 1-0 से हराया।

बार्सीलोना को हराकर रीयाल मैड्रिड स्पेनिश लीग के शीर्ष पर

मैड्रिड। रीयाल मैड्रिड शनिवार को यहां बार्सीलोना को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के शीर्ष पर पहुंच गया। बारिश के बीच हुए इस मुकाबले में जीत से रीयाल मैड्रिड के एटलेटिको मैड्रिड के समान 66 अंक हो गए हैं, लेकिन बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के कारण रीयाल मैड्रिड की टीम शीर्ष पर है। एटलेटिको मैड्रिड के पास हालांकि रविवार को फिर शीर्ष पर पहुंचने का मौका होगा जब टीम छठे स्थान पर चल रहे रीयाल बेटिस से भिड़ेगी। रीयाल मैड्रिड की ओर से करीम बेनजेमा और टोनी क्रूज ने गोल दागे, जबकि बार्सीलोना की ओर से एकमात्र गोल आस्कर मिनगुएजा ने किया।

पीसीबी ने अपना हॉल ऑफ फेम लांच किया

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बीते समय के अपने महान खिलाड़ियों की उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए अपना हॉल ऑफ फेम लांच करेगा। लांच करने के शुरुआत में इसमें आईसीसी क्रिकेट हॉल ऑफ फेम के छह सदस्यों हनीफ मोहम्मद, इमरान खान, जावेद मियांदाद, वसीम अकरम, वकार यूनिस और जहीर अब्बास को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। वहीं 2021 से प्रत्येक वर्ष तीन-तीन खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा जिन्हें एक स्वतंत्र पैनल द्वारा चुना जाएगा। पीसीबी के दिशानिर्देशों के अनुसार वो क्रिकेटर जिन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए हुए कम से कम पांच साल हो गए हैं, वे पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के लिए योग्य होंगे। पाकिस्तान ने अपना टेस्ट आगाज 1952 में 16 अक्टूबर के दिन किया था।

राजस्थान-पंजाब के बीच मुकाबले में बड़े हिटर होंगे आकर्षण

एजेंसी। मुंबई

लोकेश राहुल के पंजाब किंग्स और संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रॉयल्स की टीमें सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग में जब अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करने के इरादे से उतरेंगी तो सभी की नजरें दोनों टीमों में मौजूद बड़े हिटर पर टिकी होंगी। राजस्थान की टीम आक्रामक आलराउंडर बेन स्टोक्स पर काफी निर्भर करेगी। स्टोक्स लय में आने की कोशिश करेंगे, जबकि इंग्लैंड के जोस बटलर और नव नियुक्त कप्तान सैमसन भी अच्छी शुरुआत करना चाहेंगे।

रॉयल्स की टीम प्रतिभावान यशस्वी जायसवाल और बटलर के साथ पारी का आगाज कर सकती है, जबकि सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। स्टोक्स मध्यक्रम को मजबूती देंगे। ये चारों अगर लय में खेलते हैं, तो किसी भी गेंदबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं। पंजाब का बल्लेबाजी क्रम भी वानखेड़े की बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर किसी भी विरोधी टीम के लिए खतरनाक होगा। रॉयल्स के पास आलराउंडर शिवम दुबे, श्रेयस गोपाल, राहुल तेवतिया, रियान पराग और लियाम लिविंगस्टोन के रूप में और भी विकल्प मौजूद हैं। गोपाल, तेवतिया और पराग लेग स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और ऐसे में यह देखना रोमांचक होगा कि रॉयल्स की टीम दो लेग स्पिनर के साथ उतरती है या नहीं। तेवतिया और दुबे में बड़े शॉट खेलने की क्षमता है और उनका अंतिम एकादश में

चयन लगभग तय है। चोट के कारण जोफ्रा आर्चर की गैरमौजूदगी में रॉयल्स के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई क्रिस मौरिस करेंगे जिन्हें टीम ने इसी साल खिलाड़ियों की नीलामी में 16 करोड़ 25 लाख रुपये की भारी भरकम राशि में खरीदा। अंतिम एकादश में सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ियों को खिलाने के कारण रॉयल्स को अपने संयोजन पर ध्यान देगा होगा। अब यह देखना होगा कि टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को चुनती है या फिर जयदेव उनादकट, कार्तिक त्यागी और चेतन सकारिया के बीच में से चयन करती है।

टीमें

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, बेन स्टोक्स, यशस्वी जायसवाल, मनन वोहरा, अनुज रावत, रियान पराग, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, महिपाल लोमरोर, श्रेयस गोपाल, मयंक मारकंडेय, एंड्रयू टाई, जयदेव उनादकट, कार्तिक त्यागी, शिवम दुबे, क्रिस मौरिस, मुस्ताफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, केसी करियप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, कुलदीप यादव और आकाश सिंह।

पंजाब किंग्स: लोकेश राहुल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल, मनदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह, निकोलस पूरण, सरफराज खान, दीपक हुड्डा, मुरुगन अश्विन, रवि बिश्नोई, हरप्रीत बरार, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, इशान पोरेल, दर्शन नालकंडे, क्रिस जोर्डन, डेविड मलान, झाय रिचर्डसन, शाहरुख खान, रिले मेरेडिथ, मोइजेस हेनरिक्स, जलज सक्सेना, उत्कर्ष सिंह, फैबियन एलेन और सौरभ कुमार।

समय: मैच शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा।

पंजाब को अपने संयोजन को सही रखने की जरूरत

दूसरी तरफ पंजाब के पास राहुल (2020 सत्र में 670 रन), मयंक अग्रवाल (2020 सत्र में 424 रन) और क्रिस गेल जैसे आक्रमाक बल्लेबाज हैं। राहुल और अग्रवाल ने 2020 में मजबूत सलामी जोड़ी बनाई थी और इस जोड़ी के बरकरार रहने की उम्मीद है। टीम के पास इंग्लैंड के डेविड मलान, तमिलनाडु के एम शाहरूख खान और वेस्टइंडीज के निकोलस पूरण जैसे अच्छे हिटर मौजूद हैं। टीम को बस अपने संयोजन को सही रखने की जरूरत है। शाहरूख को दीपक हुड्डा और सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों पर तरजीह मिल सकती है और वह टीम में फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। टीम के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई मोहम्मद शमी करेंगे जिन्होंने पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया। आस्ट्रेलिया के झाय रिचर्डसन और रिली मेरेडिथ के साथ अनुबंध से टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम के पास क्रिस जोर्डन भी हैं। हालांकि यह देखना होगा कि शमी के साथ नई गेंद संभालने का मौका किसे मिलता है। स्पिन विभाग में टीम के पास मुरुगन अश्विन और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं।

राणा–त्रिपाठी के अर्धशतक हैदराबाद को जीत के लिए 188 रन का लक्ष्य

एजेंसी। चेन्नई

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सलामी बल्लेबाज नीतिश राणा (80) और राहुल त्रिपाठी (53) के अर्धशतकों की बदौलत रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग टी-20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट पर 187 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए राशिद खान (24 रन देकर दो विकेट) ने फिर शानदार गेंदबाजी की और बल्लेबाजों को परेशान किया, जबकि टीम के अन्य गेंदबाज बल्लेबाजों के लिए मुफीद विकेट पर इतने असरदार नहीं दिखे।

दिनेश कार्तिक (नौ गेंद में 22 रन) ने अंत में कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी को तेजी से बढ़ाया, लेकिन इसके बावजूद टीम अंतिम पांच ओवर में केवल 42 रन ही जुटा सकी। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज राणा ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद जोरदार शॉट्स लगाकर अपनी टीम को बेहतरीन शुरुआत कराई। उनके ऑफ साइड के स्ट्रोक्स ड्राइव्स और कट काफी आकर्षक रहे। न तो भुवनेश्वर कुमार और न ही टी नटराजन राणा को बाउंड्री लगाने से रोक सके, जबकि दूसरे छोर पर शुभमन गिल शुरू में काफी शांत थे। संदीप शर्मा की गेंदों पर उन्होंने लगातार तीन चौके लगाए। फिर गिल ने नटराजन की गेंद पर गगनचुंबी छक्का जड़कर हाथ खोले। लेकिन राशिद के गेंद संभालते ही कोलकाता नाइट राइडर्स की रन गति प्रभावित हुई और इस गेंदबाज ने अपनी रांग-उन पर गिल को चकमा देते हुए उनके स्टंप उखाड़ दिए। लेकिन राणा मजबूती से डटे रहे और उन्होंने विजय शंकर की गेंद पर छक्का जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया, इससे पहले वह राशिद की पगबाधा अपील पर बचे थे जिसे डीआरएस फैसले में बदल दिया गया।

कप्तानी पदार्पण में पंत के धैर्य से प्रभावित धवन ने कहा, वह अब बेहतर ही होगा

एजेंसी। मुंबई

दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन युवा ऋषभ पंत की नेतृत्व क्षमता से काफी प्रभावित हैं और उन्होंने कहा कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में धैर्य के साथ टीम की अगुआई की और समय के साथ वह बेहतर ही होंगे। नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर के हाल में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद पंत को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

23 साल के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कप्तानी की यादगार शुरुआत की जब उनकी कप्तानी में टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग में तीन बार के चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स को शनिवार को सात विकेट से हराया।

धवन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उसने (पंत) काफी अच्छा प्रदर्शन किया। सबसे पहले तो खुशी है कि हमने टॉस जीता। इस विकेट पर बाद में बल्लेबाजी करना अच्छा था। उसने धैर्य रखा और खिलाड़ियों को प्रेरित करता रहा। उन्होंने कहा, उसने अच्छे बदलाव भी किए। यह उसका पहला मैच था (कप्तान के रूप में) इसलिए मुझे यकीन है कि यहां से वह बेहतर ही होगा। उसने अभी शुरुआत की है और अनुभव के साथ मुझे यकीन है कि वह बेहतर करेगा। धवन ने कहा, ऋषभ पंत के बारे में सर्वश्रेष्ठ चीज यह है कि वह धैर्य कायम रखता है। वह काफी चतुर है जो काफी अच्छा है। यह पूछने पर कि क्या वह सीनियर खिलाड़ी होने के नाते पंत को सलाह देंगे, धवन ने कहा, बेशक, मैं सलाह दूंगा। युवा खिलाड़ी जब भी बल्लेबाजी या मानसिक चीजों को लेकर मेरे साथ बात करते हैं तो मैं हमेशा अपनी जानकारी उनके साझा करता हूं। धवन ने 54 गेंद में 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 85 रन की पारी खेली और पृथ्वी साव (72) के साथ पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े जिससे दिल्ली ने 189 रन के लक्ष्य को आठ गेंद शेष रहते तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। पैंतीस साल के धवन ने कहा कि उनकी टीम आगामी मैचों में इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दिल्ली को अगला मैच मुंबई में 15 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है।

एनगिडी और बेहरेनडोर्फ अगले मुकाबले के लिए भी उपलब्ध नहीं

एजेंसी। मुंबई

चेन्नई सुपरकिंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि जोश हेजलवुड को गंवाना बड़ा झटका था क्योंकि आस्ट्रेलिया के ही जेसन बेहरेनडोर्फ और दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी के अगले मैच में भी उपलब्ध नहीं होने से टीम के पास विदेशी तेज गेंदबाजों के विकल्प नहीं हैं।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज हेजलवुड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खुद को फिट रखने के लिए अंतिम लम्हों में टूर्नामेंट से हट गए। बेहरेनडोर्फ को उनके विकल्प के तौर पर शामिल किया गया है, लेकिन वह अब तक नहीं पहुंचे हैं जबकि एनगिडी पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला बीच में छोड़कर आने के बाद पृथकवास से गुजर रहे हैं। फ्लेमिंग ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एनगिडी उपलब्ध नहीं है। वह अगले मैच से पहले टीम से नहीं जुड़ेगा। इसलिए जोश हेजलवुड का उपलब्ध नहीं होना झटका है। उन्होंने कहा, एनगिडी जल्द ही पहुंचेगे। बेहरेनडोर्फ बेशक उसके बाद आएगा। गेंदबाजी विभाग में संभवत: हमारे पास विकल्प कम हैं। हमारी नजरें भारतीय गेंदबाजों पर है और हमारे पास अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज के रूप में सैम कुरेन है। सुपरकिंग्स के 189 रन के लक्ष्य को दिल्ली ने सलामी बल्लेबाजों पृथ्वी साव और शिखर धवन के बीच शतकीय साझेदारी की बदौलत तीन विकेट गंवाकर हासिल किया। मौजूदा टूर्नामेंट में कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों के बीच सभी टीमें तटस्थ स्थलों पर खेलेंगी।

तकनीक में थोड़ा बदलाव और गलतियों को कम किया: सलामी बल्लेबाज साव

एजेंसी। मुंबई

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव ने अपनी तकनीक में थोड़ा सा बदलाव करने के साथ गलतियों को सुधारने पर काम किया है, जिसका असर सीमित ओवरों के घरेलू प्रतियोगिताओं के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले मैच में भी यहां दिखा। दिल्ली कैपिटल्स के इस 21 साल के बल्लेबाज ने शनिवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 38 गेंद में 72 रन की शानदार पारी खेली, जिससे उनकी टीम ने 189 रन के लक्ष्य को तीन विकेट के नुकसान पर आसानी से हासिल कर लिया।

रविवार को जारी विज्ञप्ति में साव ने कहा, मैंने आईपीएल से पहले अपनी बल्लेबाजी में मामूली बदलाव किए।

मैं बस उन सभी गलतियों को कम करना चाहता था जो कर रहा था। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है। साव जिन बदलावों की बात कर रहे है वह शॉट खेलते समय उनके बल्ले की स्थिति के बारे में है। पहले उनका बल्ला एक कोण बनाते हुए बाहर की ओर से आता था, जिससे अंदर आने वाली गेंदों (इनस्विंग) पर उन्हें परेशानी होती थी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज प्रवीण आमरे की देख-रेख में काम करने के बाद उनका बल्ला अब सीधा चलता है जिससे बल्ले और पैर के बीच की दूरी कम हो गई है। पिछले साल खराब फार्म के कारण साव को दिल्ली कैपिटल्स की अंतिम 11 से बाहर होना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एडीलेड टेस्ट में शून्य और चार रन की पारी खेलने के बाद वह भारतीय टेस्ट टीम से भी बाहर हो गए थे। साव ने अपनी तकनीक में सुधार करने के बाद विजय हाजारे राष्ट्रीय एकदिवसीय ट्राफी में आठ मैचों में 827 रन बनाए। उन्होंने कहा, मैंने विजय हजारे ट्राफी से पहले स्ट्रेंथ और अनुकूलन कोच रजनीकांत सिवागनानम सर और प्रवीण आमरे सर की देखरेख में दो सप्ताह तक अभ्यास किया। मैंने इसके बाद विजय हजारे ट्राफी में कुछ बदलावों के साथ अपना नैसर्गिक खेल खेला। साव ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 14वें ओवर में ड्वेन ब्रावो की गेंद पर अपना विकेट गंवाने पहले शिखर धवन (85) के साथ पहले विकेट के लिए 138 रन की शानदार साझेदारी की थी।

धीमी ओवर गति के लिए धोनी पर जुर्माना

एजेंसी। मुंबई

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टीम के पहले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया। तीन बार की चैंपियन सुपरकिंग्स की आईपीएल 14 में शुरुआत खराब रही जब टीम को अपने पहले ही मुकाबले में शनिवार को ऋषभ पंत की अगुआई वाले दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने 10 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2021 मुकाबले में धीमी ओवर गति से गेंदबाजी की थी। बयान के अनुसार, आईपीएल आचार संहित के तहत न्यूनतम ओवर गति अपराध से संबंधित यह टीम का सत्र का पहला अपराध है इसलिए धोनी पर 12 लाख जुर्माना लगाया गया। दिल्ली कैपिटल्स ने 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों शिखर धवन (85) और पृथ्वी साव (72) के बीच 138 रन की साझेदारी की बदौलत सात विकेट से आसान जीत दर्ज की।

आईपीएल में विकेटकीपर कप्तानों के चलन का श्रेय धोनी को: बटलर

मोना पार्थसारथी। नई दिल्ली

आईपीएल के मौजूदा सत्र में आठ में से चार टीमों की कमान विकेटकीपरों के हाथ में है और इंग्लैंड के विकेटकीपर तथा राजस्थान रॉयल्स के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर ने इसका श्रेय महेंद्र सिंह धोनी को देते हुए कहा है कि युवा खिलाड़ी उनके नक्शेकदम पर चलना चाहते हैं। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान हैं, जबकि पंजाब किंग्स ने पिछले सत्र में विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को कप्तान बनाया। रॉयल्स ने संजू सैमसन को कप्तानी सौंपी तो श्रेयस अय्यर की चोट के कारण दिल्ली की कप्तानी ऋषभ पंत कर रहे हैं।

बटलर ने एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा, विकेटकीपर कप्तानों के इस चलन का श्रेय धोनी और छठी इंद्री से लिए गए उनके फैसलों को जाता है। वह शानदार कप्तान रहा है और

ऐसे कई खिलाड़ी हैं, जो उसकी सफलता को दोहराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि विकेट के पीछे से कप्तानी करने का अतिरिक्त फायदा मिलता है और उन्हें सैमसन के नेतृत्व में रॉयल्स से इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन का विश्वास है। उन्होंने कहा, विकेटकीपर विकेट के पीछे से पैनी नजर रख सकता है और इससे फैसले लेने में आसानी होती है। हमारे पास इस सत्र में काफी विविधता भरी टीम है जिसमें बेन स्टोक्स और क्रिस मौरिस जैसे हरफनमौला और नया कप्तान है। संजू लंबे समय से रॉयल्स का हिस्सा रहा है और काफी शांतचित्त इंसान है। मुझे यकीन है कि उसकी कप्तानी में हम अपने खेल का लुत्फ उठाते हुए अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इंग्लैंड के लिए 50 टेस्ट, 148 वनडे और 79 टी20 मैच खेल चुके बटलर ने कहा, स्टोक्स इस सत्र में हमारी टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्रिकेट निदेशक के तौर पर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा के रॉयल्स से जुड़ने का काफी फायदा मिलेगा।

बटलर ने कहा, वह महान खिलाड़ियों में से है जिनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल का अपार अनुभव है। उन्हें पता है कि किससे क्या अपेक्षा करनी है और उनके होने से टीम को बहुत फायदा मिलेगा। नियमित कप्तान इयोन मोर्गन की गैर मौजूदगी में भारत के खिलाफ श्रृंखला के कुछ मैचों में कप्तानी करने वाले बटलर ने इसे सबक की तरह बताया। उन्होंने कहा, भारत के खिलाफ भारत में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। भारत के कुछ युवा खिलाड़ियों ने इस श्रृंखला के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। भारत के खिलाफ खेलने और कप्तानी में मुझे खूब मजा आया और मैंने अपने बारे में इससे काफी कुछ सीखा।

अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके गेंदबाज: धोनी

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में खराब प्रदर्शन के बाद उनके गेंदबाजों को अपनी गलतियों से सबक लेना होगा। जीत के लिए 189 रन का लक्ष्य दिल्ली ने तीन विकेट खोकर आठ गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। शिखर धवन ने 85 और पृथ्वी साव ने 72 रन की पारियां खेली। धोनी ने मैच के बाद कहा, हम बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे। गेंदबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके और बेहद ढीली गेंदें डाली। उन्होंने सबक ले लिया है और आगे वे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। दिल्ली के नए कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। धोनी ने कहा, ओस पर काफी कुछ निर्भर करता है और उसे ध्यान में रखकर हम ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहते थे। इस बीच पंत ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के उनके मेंटर रहे धोनी के साथ टॉस के लिए जाना विशेष था।

मौसमी तकलीफों को दें मात

सर्दी, खांसी और बुखार मौसमी बदलावों से जुड़ी आम स्वास्थ्य समस्याएं हैं। डॉ. दीपक वर्मा ऐसे तरीके सुझाते हैं जो इन स्थितियों में मददगार हो सकते हैं

मौसम में बदलाव और तापमान में वृद्धि के साथ, कई लोगों को गले में खराश, खांसी और ठंड की शिकायत होती है। जिन लोगों में कमजोर प्रतिरक्षण होता है, वे भी बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों से पीड़ित होते हैं। कोविड-19 के साए में रहते हुए, कई लोग डरते हैं कि क्या यह सामान्य बात है या फिर इससे वह दूसरों की तुलना में आसानी से महामारी वायरस से ग्रसित होने वाले हैं।

खांसी-जुकाम के साथ-साथ बुखार महसूस होना मौसमी बदलाव से जुड़ी आम स्वास्थ्य समस्याएं हैं खासकर जब सर्दी के बाद गर्मी होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जैसे ही तापमान बढ़ता है, रोगजनक जो वायरस और बैक्टीरिया इन बीमारियों का कारण बनते हैं अधिक सक्रिय हो जाते हैं। गर्म हवा, ठंडी हवा के विपरीत, हल्की होती है, जो ठंडी होती है और भारी लगती है, गर्म हवा एलर्जी के वाहक, पराग और रूसी को लेकर चलने में मदद करती है। इससे उन लोगों में छींकने और खांसने की संभावना बढ़ जाती है जो एलर्जी के मद्देनजर अतिसंवेदनशील होते हैं।

शोध के अनुसार, ज्यादातर वयस्क साल में दो-चार बार ठंड से पीड़ित होते हैं जबकि बच्चे पांच से सात बार पीड़ित होते हैं। मौसम में प्रत्येक परिवर्तन हवा में 200 रोगजनकों का सामना करता है, जो आखों से पानी आना, गले में खराश, छींकने और नाक से बलगम से लेकर गले, बुखार और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षणों की श्रृंखला का कारण हो सकता है। सबसे आम वायरस है ह्यमन राइनोवायरस (एचआरवी) हैं जो चालीस फीसदी सर्दी और राइनाइटिस जैसी एलर्जी जैसे रोगों का कारण बनता है।

रोकथाम

जैसा कि अक्सर कहा जाता है, रोकथाम इलाज से बेहतर है। अपने डॉक्टर के परामर्श से प्रतिरक्षण निर्माण की दिशा में काम करें। निम्नलिखित कुछ सुझाव हैं, जो मौसमी बीमारियों को रोकने में मदद कर सकते हैं।

- अच्छी साफ सफाई रखें ताकि राइनो वायरस जैसे वायरस के शरीर के बाहरी हिस्से पर तीन घंटे तक जीवित रहने की संभावना है। अक्सर डॉर्कनॉब्स या स्विच जैसी अक्सर छुई जाने वाली सतहों पर वायरस 48 घंटे तक रह सकते हैं। ऐसी किसी भी सतह को छूने के बाद अपने हाथ धोएं और अपने चेहरे को छूने से बचें। घर से बाहर फेस मास्क का प्रयोग करें।
- गले में खराश के इलाज के रूप में एक चुटकी नमक मिले गर्म पानी के साथ अपने गले की मालिश करें।
- गर्म पेय पदार्थ जैसे गुनगुना पानी पीएं, लेकिन काफी और चाय से बचें क्योंकि वे आपके आहार में चीनी की बढ़ोतरी कर सकते हैं।
- गर्म पानी में हल्दी पाउडर, अदरक पाउडर और एक चम्मच शहद मिलाएं। यह सर्दी और खांसी को ठीक करने में मदद करता है, और शरीर में दर्द और सिरदर्द से राहत देता है।
- गर्म पानी में नीलगिरी का तेल मिलाएं और नासिका मार्ग में जमाव को साफ करने के लिए सांस के जरिए भाप लें। शरीर के दर्द से उबरने के लिए अपने गुनगुने नहाने के पानी में इस तेल की कुछ बूंदें मिलाएं।
- खांसी और सर्दी से राहत के लिए अपनी चाय में तुलसी के कुछ पत्ते, पिसा हुआ अदरक और काली मिर्च मिलाएं।
- सुनिश्चित करें कि आप हर रोज संतुलित स्तर पर व्यायाम कर रहे हैं।
- विटामिन-डी की अपनी दैनिक खुराक को भूलें नहीं, दिन में 15 मिनट धूप में बैठें।
- नींद स्वास्थ्य का एक अभिन्न अंग है बेहतर प्रतिरक्षण के लिए रात में आठ घंटे की नींद सुनिश्चित करें।

इसके अलावा, किसी को खाद्य पदार्थों के साथ पानी की पर्याप्त मात्रा से युक्त संतुलित आहार लेना चाहिए जो विटामिन-सी से भरपूर होते हैं ताकि वे मौसम में बदलाव के कारण होने वाली स्वास्थ्य स्थितियों से लड़ सकें। जैसे-जैसे हम गर्मियों के मौसम की ओर बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे बच्चों में डिहाइड्रेशन की संभावना भी बढ़ जाती है, खासकर अगर इस तरह की बीमारी के साथ तरल पदार्थ पर्याप्त रूप से नहीं दिए जाते हैं।

बच्चों का एक उपसमूह होता है, जो मौसम की बदलती परिस्थितियों के प्रति काफी संवेदनशील हैं। ये वे बच्चे हैं जिन्हें अस्थमा का पारिवारिक पृष्ठभूमि है। इन बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और मास्क पहनने के दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए।

- लेखक कोलंबिया एशिया हास्पिटल गाजियाबाद में इंटरनल मेडिसिन हैं।

इनका करें सेवन

पेपरमिंट टी : अपच और गैस संबंधी समस्याओं के लिए यह चाय सबसे अधिक फायदेमंद है। साइनस की समस्या से जूझ रहे लोगों को इससे राहत मिलती है।

अदरक की चाय: यह चाय जिगर को साफ करने के लिए अच्छी है और त्वचा के लिए भी अच्छी है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करती है। सुबह की सुस्ती महसूस करने वालों के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

नींबू की चाय: यह चाय प्रतिरक्षण बढ़ाने में फायदेमंद है, यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करती है और त्वचा के लिए अच्छी है। यह पेट की चर्बी कम करने में भी मदद करती है।

जीरा चाय : यह चाय वजन कम करने में फायदेमंद है, यह पेट खराब होने की स्थिति में फायदेमंद है और एनीमिया जैसी बीमारियों को रोकने में मदद करती है।

कैमोमाइल चाय: यह चाय अनिद्रा से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद है, यानी नींद न आने और नसों को राहत पहुंचाने में यह मददगार है। यह तनाव और चिंता घटाने में मदद करती है। यह चाय बाजार में चाय के विभिन्न ब्रांडों के उत्पाद के रूप में आसानी से उपलब्ध है।

कोलन क्लींजिंग यानी मलाशय स्वच्छता में मददगार चाय : यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालकर ऊर्जा बढ़ाने में मदद करती है और इस प्रकार यकृत की कार्यप्रणाली में सुधार करती है और प्रतिरक्षा प्रणाली को सुधारती है। यह वजन घटाने के लिए भी अच्छी है। सूजन से छुटकारा दिलाता है, मासिक धर्म चक्र के दौरान ऐंठन, गर्भपात की समस्या में मदद करती है, पेट के कैंसर के खतरे को कम करती है और आपकी मनोदशा को सुधारती है।

पुदीने के साथ ग्रीन टी : यह पाचन संबंधी समस्याओं को कम कर सकती है और तनाव सिरदर्द और माइग्रेन से राहत दिला सकती है। यह सांस की बदबू को कम करती है और इसे तरोताजा बनाती है। यह भरा हुआ साइनस से छुटकारा दिलाती है और मासिक धर्म की ऐंठन से राहत देने में मददगार है और आपकी नींद में सुधार करती है।

लेखक डॉ. के शनमुगम, जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट में सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी हैं

सही काम करें

यूएन के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की संख्या 2050 तक लगभग 30 करोड़ होने की उम्मीद है। इसलिए नेहा सिन्हा का कहना है कि इनकी देखभाल की योजना बनाने की तत्काल आवश्यकता है।

दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में, आज भी भारत एक 'युवा' देश है। हालांकि, हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र द्वारा भारत को 'बूढ़ा होने वाले देश' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसकी कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत 60 वर्ष से अधिक आयु का है। 2050 तक, देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगभग 30 करोड़ होने की उम्मीद है, जो कुल आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा होगा (स्रोत सीआईआई)। इस बात को परिप्रेक्ष्य में रखें तो, 2011 की तुलना में (जब यह 10.4 करोड़ थी), 2050 में बुजुर्गों की आबादी तीन गुना बढ़ गई होगी। इसलिए, सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के नजरिए से, बुजुर्गों के लिए योजना बनाने की तत्काल आवश्यकता है।

कई दशकों तक, वृद्ध-देखभाल गृहों का मतलब गरीबों और निराश्रितों के लिए संस्थागत देखभाल था, जिसे आमतौर पर अच्छी तरह से नहीं चलाया जाता था और बीमार बनाए रखा जाता था, लेकिन पिछले दशक में बहुत कुछ बदल गया है। वृद्ध-आवासों या वृद्धाआश्रमों की अवधारणा में परिवर्तनकारी बदलाव आया है। अधिकांश पश्चिमी देशों में, बुजुर्ग रिटायरमेंट के बाद व्यावसायिक रूप से चलने वाले घरों में जाना पसंद करते हैं क्योंकि वहां पर आवासीय देखभाल सुविधाएं बहुत विकसित और समाग्रतापूर्ण हैं। वरिष्ठ देखभाल के विभिन्न प्रारूप मौजूद हैं और बुजुर्ग अपनी वर्तमान आयु, स्वास्थ्य स्थिति और सामाजिक आवश्यकताओं के आधार पर एक निश्चित ढांचे में जाने का विकल्प चुन सकते हैं।

बुजुर्गों के लिए कंटीन्यूइंग केयर रिटायरमेंट कम्युनिटीज (सीसीआरसी), एक आवासीय विकल्प हैं, जो विभिन्न अंत: सेवाओं के साथ-साथ 24*7 स्वास्थ्य और कल्याण देखभाल के साथ लचीले आवास विकल्प प्रदान करते हैं। स्वतंत्र आवास सुविधाएं हैं जहां बुजुर्ग स्वतंत्र रूप से रहते हैं और वहां उन्हें अनेक प्रकार की सेवाओं तक पहुंच भी हासिल होती हैं। सुपरिभाषित आपात सहायता प्रणाली के साथ, खाने, नहाने, ब्रश करने, पहनने आदि की रोजमर्रा जीवन -गतिविधियों (एडीएल)के साथ सुसज्जित आवास सुविधाएं चौबीसों घंटे बुजुर्गों को सहायता प्रदान करती हैं। और कुशल नर्सिंग आवश्यकताओं के लिए नर्सिंग देखभाल गृह भी हैं। डिमेंशिया देखभाल गृह विशेष रूप से डिमेंशिया और स्मृति देखभाल आवश्यकताओं के समस्त चरणों का ध्यान रखते हैं और आमतौर पर छोटे व विशेष योग्यता संपन्न स्टाफ वाले होते हैं। सभी प्रारूपों में कष्टहारक और अंतिम समय की देखभाल की पेशकश की जा सकती है। भारतीय संस्कृति के हिस्से के रूप में, हम इस विश्वास के साथ बंधे हुए हैं कि बुजुर्गों की देखभाल केवल व्यक्तिगत परिवार की जिम्मेदारी है, न कि सरकारों की या आम तौर पर समुदायों की। जब किसी के माता-पिता के लिए वृद्धावास घरों पर निर्णय लेने की बात आती है, तो यह कभी भी आसान विकल्प नहीं होता है, लेकिन एक अंतिम उपाय के रूप में होता है, जो अक्सर अपराधबोध भरे निर्णय में लिपटा होता है।

हमारे देश में, सामाजिक-आर्थिक शैलियां बदल रही हैं, और भविष्य में भी हम ऐसा होते देखते रहेंगे। जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है, गतिशीलता और प्रवासन (भारत के भीतर और विदेश में) सुनसान घरों में रहने वाले बुजुर्गों की संख्या बढ़ाएंगे और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती रहेगी। इसके विपरीत, डिमेंशिया जैसी मनोभ्रंश की स्थिति बढ़ रही है और हमारे पास घर में बुजुर्गों की देखभाल के लिए संसाधन नहीं होंगे। महामारी ने हमें यह भी दिखाया है कि जीवन अप्रत्याशित है।

वृद्ध देखभाल के स्थापित सामाजिक मानदंड पहले से ही देश में बदलने शुरू हो गए हैं। जो बच्चे अपने घरों से दूर चले गए हैं, वे लगातार अपने माता-पिता के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण प्रदान करने और उनकी अनुपस्थिति में उनके जीवन को अधिक आरामदायक बनाने के विकल्प तलाश कर रहे हैं। एक ही शहर में रहने वाले बच्चों के लिए होम केयर सेवाएं उत्तम पसंद बनी हुई हैं, लेकिन अलग अलगे स्थानों पर रहने वालों के लिए, एक विश्वसनीय आवासीय देखभाल सुविधा आदर्श बन रही है। बुजुर्ग माता-पिता की पेशेवर देखभाल करने के अपमान पर सवाल उठाया जाने लगा है। वृद्धावास धीरे धीरे स्वयं बुजुर्गों द्वारा एक सक्रिय चुनाव बन जाएंगे, क्योंकि माता-पिता अपने बच्चों पर बोझ नहीं बनना चाहते हैं।

अगले कुछ वर्ष इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण समयावधि होंगे। जिस प्रकार उद्योग विकसित होगा, देखभाल गृह, आकार, स्थान, स्वामित्व, प्रबंधन और सुविधाओं के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के वृद्धावास उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं और पेशेवरों की उपलब्धता महत्वपूर्ण हो जाएगी। ऐसे बुजुर्ग आवासों के कर्मचारियों को जराचिकित्सा और स्मृति देखभाल में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता होगी। ज्यादा नर्सिंग संस्थानों, और विशेष पाठ्यक्रमों और जरा-चिकित्सा देखभाल के लिए प्रमाणीकरण की आवश्यकता होगी।

एक अध्ययन से पता चलता है कि भावी मांग के चालकों को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान के आधार पर वृद्ध आवासीय सुविधाओं की आवश्यकता में 8-10 गुना वृद्धि देखी जा सकती है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को एक साथ काम करने की आवश्यकता है, और वरिष्ठ देखभाल और एएसएलआई (एसोसिएशन ऑफ सीनियर लिविंग) पर सीआईआई टास्कफोर्स पहले से ही उस दिशा में एक प्रयास है। नीतियां स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की जरूरत है, ताकि उन्हें एक वृद्धावास के रूप में बुलाया जा सके। स्वास्थ्य, व्यक्तिगत देखभाल, शिकायतों और संरक्षण, पर्यावरण, स्टाफ प्रबंधन और वृद्ध देखभाल गृहों के प्रशासन के लिए उद्योग प्रावधान बनाने की भी आवश्यकता है। सरकार, निजी क्षेत्र और समाज को यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आगे आना चाहिए कि बुजुर्ग सम्मानजनक, खुशहाल और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम हों।

(लेखक एक डिमेंशिया विशेषज्ञ और सीईओ और इपोक एल्डर केयर के सह-संस्थापक हैं।)

बेहतर दुनिया बनाएं

राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज जी कहते हैं कि शिक्षा में मूल्यों के कमी के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं

पिछले कुछ दशकों में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नति के साथ और शहरों के शहरीकरण और विस्तार के साथ, मनुष्य की अच्छा या बुरा, विशेष रूप से बुरा करने की क्षमता कई गुना बढ़ गई है। ऐसे परिदृश्य में, शिक्षा में मूल्यों को लागू करने की तत्काल आवश्यकता है, जो यदि नहीं किया जाता है, तो इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। एक और कारण से भी इस शिक्षा की आवश्यकता है। चूंकि हम सामाजिक रिश्तों में रहते हैं, हमारे पास अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य भी होते हैं और हर किसी को अपना काम करना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना सीखना होता है, तभी हम एक न्यायपूर्ण समाज पा सकते हैं। ये अधिकार और कर्तव्य वास्तव में मूल्यों से जुड़े हैं। इसलिए, बेहतर विश्व की स्थापना के लिए शिक्षा में मूल्य आवश्यक हो गए हैं। राज्य, अपने सदस्यों के अधिकारों का बचाव करते हुए, कानून के माध्यम से कुछ कर्तव्यों को लागू कर सकता है और कुछ अधिकारों की प्राप्ति को संभव बना सकता है, लेकिन यह किसी व्यक्ति के इरादों और दृष्टिकोण से प्रभावी ढंग से नहीं निपट सकता है और न ही यह परस्पर सहायता, सहयोग और सहानुभूति जैसे बेहतर गुणों को लागू करने में सक्षम है। यह केवल मूल्यों को सिखाने के माध्यम से किया जा सकता है।

पुन:, आधुनिक दुनिया में, समाज की बढ़ती जटिलता के कारण, जीवन माध्यमिक और संस्थागत समूहों और विशेषज्ञ पेशेवरों का एक संजाल बन गया है। यह एक आदमी क्या बोलता है और वह क्या करता है, के बीच असंगति पैदा की है। एक तरफ वह एक पेशेवर आचार संहिता का पालन करना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ वह अपने विवेक के खिलाफ भौतिक लाभ भी चाहता है। इसी तरह, वह किसी समूह के प्रति निष्ठा रखता है, जो समग्रता में समाज की भलाई के खिलाफ हो सकता है। इसलिए, नैतिक मूल्यों में शिक्षा आवश्यक है ताकि वह अपने दिमाग में व्यापक हितों को बनाए रख सकें, अन्यथा, वर्ग, जाति, नस्ल, जातीयता, पेशे आदि के आधार पर संघर्ष की संभावना हमेशा बनी रहती है।

वफादारी का मुखौटा पहनकर, मनुष्य, समाज की भलाई को बहुत नुकसान पहुंचा सकता है, अगर वह उचित मूल्यों में सुसंस्कृत न हो। इस प्रकार, यह समझा जा सकता है कि हमारी सभी वर्तमान समस्याएं, चाहे वो समूह प्रतिद्वंद्विता, अंधराष्ट्रभक्ति, पाखंड, दोहरे मानक, विभिन्न प्रकार के अनुचित कार्य और असामाजिक कृत्य हैं, इस तथ्य के कारण हैं कि भले ही हम विभिन्न विधाओं में शिक्षित हैं। मगर हम आध्यात्मिक अनुशासन में शिक्षा प्राप्त नहीं हैं।

तानाशाही शासन के तहत ज्यादतियों को रोकने के लिए यूरोपीय देश की विफलता सटीक रूप में इस कारण से ठीक थी। 19वीं शताब्दी के दौरान, इस देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता का तीव्र विकास हुआ था, लेकिन मूल्य शिक्षा को एक तरफ धकेल दिया गया था या वो भी केवल तकनीकी और विशेषज्ञों की चिंता बन गया था।

परिणामस्वरूप, यह अपने विशिष्ट क्षेत्रों की सच्चाइयों में दिलचस्पी रखने वाले उच्च प्रशिक्षित विशेषज्ञों का एक राष्ट्र बन गया, लेकिन जो जीवन और दुनिया की बड़ी समस्याओं से कटा हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप उस देश में लोगों को नैतिक पक्षाघात हो गया। इसीलिए, अगर हम दुनिया में नैतिक पक्षाघात से बचना चाहते हैं, तो हमें मूल्य शिक्षा प्रदान करने के लिए कुछ करना होगा।

कोई वास्तव में यह नहीं कह सकता है कि मूल्य शिक्षा सही आचरण की गारंटी देगी। हालांकि, यह निश्चित रूप से एक समझ प्रदान करेगी कि लोगों के लिए क्या सही है और क्या गलत है और उनके भीतर सही आचरण बनाए रखने की प्रवृत्ति पैदा करेगा। इसके अलावा, यह एक व्यक्ति को जीवन और नैतिक उद्देश्य, और जीवन के अर्थ के प्रति एक नैतिक दृष्टिकोण देगी। यह उसे साधनों और उद्देश्यों की शुद्धता के बारे में भी बताएगी। वह समझेगा कि न केवल हमारे पास उच्च आदर्श होने चाहिए बल्कि हमें उन आदर्शों को प्राप्त करने के लिए सही साधनों को भी अपनाना चाहिए। साथ ही, यह हमें समझाएगी कि हमारे उद्देश्य औचित्यपूर्ण होने चाहिए, क्योंकि केवल लक्ष्यों की अच्छाई पर्याप्त नहीं है।